बोर्ड परीक्षा परिणाम उन्नयन हेतु ऐतिहासिक पहल...

शेखावाटी मिशन-100

इतिहास

कक्षा-12

कार्यालय : संयुक्त निदेशक स्कूल शिक्षा, चूरू संभाग, चूरू (राज.)
प्रभारी : शैक्षिक प्रकोष्ठ अनुभाग, जिला शिक्षा अधिकारी माध्यमिक, सीकर

: missionshekhawati100@gmail.com | 9413361111, 9828336296

टीम शेखावाटी मिशन-100

संतोष कुमार महर्षि
संयुक्त निदेशक (स्कूल शिक्षा)
चुरु संभाग
चुरु (राज.)

रामचन्द्र पिलानियां
मुख्य जिला शिक्षा अधिकारी
सीकर (राज.)

पितराम सिंह काला
मुख्य जिला शिक्षा अधिकारी
झुन्झुनूं (राज.)

मनोज कुमार ढाका
जिला शिक्षा अधिकारी
झुन्झुनूं (राज.)

निसार अहमद खान
जिला शिक्षा अधिकारी
चुरु (राज.)

महेन्द्र सिंह बड़सरा
सहायक निदेशक (स.शै.प्र.)
कार्यालय संयुक्त निदेशक, चुरु

हरदयाल सिंह फगेड़िया
अति.जिला शिक्षा अधिकारी (शै.प्र.)
सीकर (राज.)

रामचन्द्र सिंह बगड़िया
अति.जिला शिक्षा अधिकारी
सीकर (राज.)

नीरज सिहाग
अति.जिला शिक्षा अधिकारी (शै.प्र.)
झुन्झुनूं (राज.)

सांवरमल गहनोलिया
अति. जिला शिक्षा अधिकारी (शै.प्र.)
चुरु (राज.)

महेश सेवदा
सहसंयोजक शेखावाटी मिशन-100
सीकर (राज.)

रामावतार भदाला
सहसंयोजक शेखावाटी मिशन-100
सीकर (राज.)

तकीनीकी सहयोग

राजीव कुमार, निजी सहायक | पवन ढाका, कनिष्ठ सहायक | महेन्द्र सिंह कोक, सहा. प्रशा. अधिकारी | अभिषेक चौधरी, कनिष्ठ सहायक | दीपेन्द्र, कनिष्ठ सहायक

जिला शिक्षा अधिकारी माध्यमिक (मुख्यालय), सीकर

शैक्षिक प्रकोष्ठ अनुभाग, जिला शिक्षा अधिकारी माध्यमिक, सीकर

शेखावाटी मिशन-100

बोर्ड परीक्षा परिणाम उन्नयन कार्यक्रम सत्र : 2021-2022

उच्च माध्यमिक परीक्षा - 2022

विषय : इतिहास–12

सर्वश्रेष्ठ सफलता सुनिश्चित करने हेतु सर्वश्रेष्ठ संकलन

साकेत कुमार
संयोजक इतिहास
रा.उ.मा.वि., भारु (झुन्झुनूं)

सुभाष सिंह बिजारणियां
रा.उ.मा.वि., मंढा मदनी (सीकर)

राजेन्द्र गठाला
रा.उ.मा.वि., तपीपल्या (सीकर)

सोनाली चौधरी
रा.उ.मा.वि., लाम्बोर बड़ी (चुरु)

शैक्षिक प्रकोष्ठ अनुभाग, जिला शिक्षा अधिकारी माध्यमिक, सीकर

अध्याय-1

ईंटे मनके तथा अस्थियाँ

अतिलघुत्तरात्मक प्रश्न

1. हड़प्पा स्थलों से मिले अनाज के दानों का उल्लेख कीजिए?

उत्तर- गेहूँ, जौ, दाल, सफेद चना, तिल, बाजरा और चावल

2. हड़प्पा स्थलों से मिली हड्डियों के आधार पर मवेशी व जंगली जानवरों के नाम बताइए?

उत्तर- (1) मवेशी- भेड़, बकरी, भैंस तथा सूअर

(2) जंगली जानवर- वराह (सूअर), हिरण तथा घड़ियाल।

3. हड़प्पा सभ्यता के लोगों का भोजन शाकाहारी व.................दोनों प्रकार का था?

उत्तर- मासांहारी

<u>लघुत्तरात्मक प्रश्न संख्या</u>:-

1. हड़प्पावासियों के निर्वाह के तरीकों का वर्णन किजिए?

उत्तर- प्रश्न संख्या 1 से 3 का उत्तर

4. हड़प्पावासी खेत जोतने के लिए कौनसे साधनों का प्रयोग करते थे?

उत्तर- बैल व हल

5. मिट्‌टी से बने हल का प्रतिरूप कहां से मिला है?

उत्तर- बनावली (हरियाणा) व चोलिस्तान

6. सिंधुघाटी सभ्यता में जुते हुए खेत का साक्ष्य कहां से प्राप्त हुआ है?

उत्तर- कालीबंगा (राजस्थान)

7. हड़प्पावासी द्वारा फसल कटाई के लिए प्रयुक्त औजारों के नाम बताईए?

उत्तर- लकड़ी के हत्थों में बिठाए गए पत्थर के फलक व धातु के औजार।

8. हड़प्पा स्थलों में नहर व जलाशय के अवशेष कहा से प्राप्त हुए हैं या उन दो पुरास्थलों का उल्लेख कीजिए जिनके आधार पर पुरातत्वविद यह मानते है कि हड़प्पाई समाज द्वारा कृषि के लिए जल संचय किया जाता है?

उत्तर- नहर का अवशेष:- अफगानिस्तान में शोर्तुघई

जलाशय का अवशेष:- धौलावीरा (गुजरात)

लघुत्तरात्मक प्रश्न

2. हड़प्पा सभ्यता की कृषि प्रौद्योगिकी का वर्णन कीजिए?

उत्तर- प्रश्न संख्या 4, 5, 6, 7, 8 का उत्तर

9. मोहनजोदड़ों का नगर कितने भागों में विभाजित था?

उत्तर- 2 भाग:- दुर्ग व निचला शहर (क्रमशः पश्चिमी व पूर्वी भाग)

10. मोहनजोदड़ों के दुर्ग भाग पर प्रकाश डालिए?

उत्तर- मोहनजोदड़ों की बस्ती का ऊँचाई वाला भाग दुर्ग कहलाता था। दुर्ग की ऊँचाई का कारण यह था कि यहाँ की संरचनाएँ कच्ची ईंटों के चबूतरे पर बनी थीं।

- दुर्ग के दीवार से घेरकर इसे निचले शहर से अलग किया गया था।
- दुर्ग भाग की प्रमुख इमारते:- मालगोदाम, विशाल स्नानगार

शेखावाटी मिशन-100

11. मोहनजोदड़ों में प्रयुक्त ईंटों की लम्बाई, चौड़ाई व ऊँचाई का अनुपात क्या होता था?

उत्तर- 4 : 2 : 1

दीर्घउत्तरीय प्रश्न संख्या

1. ''मोहनजोदड़ों एक नियोजित शहरी केन्द्र था।'' व्याख्या कीजिए?

उत्तर- प्र.स. 9 व 10 व 11 का उत्तर।

लघुरात्तमक प्रश्न

3. हड़प्पा शहरों की सबसे अनूठी विशिष्टताओं में से एक ध्यानपूर्वक नियोजित जल निकास प्रणाली थी। व्याख्या कीजिए?

उत्तर- सड़कों तथा गलियों को लगभग एक 'ग्रिड' पद्धति में बनाया गया था और ये एक दूसरे को समकोण पर काटती थी। ऐसा प्रतीत होता है कि पहले नालियों के साथ गलियों को बनाया गया था और फिर उनके अगल-बगल आवासों का निर्माण किया गयाथा। आवास गली को नालियों से जोड़ा गया था। घरों की नालियाँ पहले एक हौदी या मलकुंड में खाली होती थी और गंदा पानी गली की नालियों में बह जाता था।

दीर्घउत्तरीय प्रश्न संख्या

2. मोहनजोदड़ों के गृह-स्थापत्य की वर्तमान संदर्भ में प्रासंगिकता सिद्ध कीजिए?

या

मोहनजोदड़ों के गृहस्थापत्य की तीन विशेषताएं बताइए?

उत्तर- 1. हड़प्पा सभ्यता के लोगों के मकान प्राय: पक्की ईंटों के बने होते थे। कई आवासों के मध्य में एक आंगन था जिसके चारों ओर कमरे बने हुए थे।

2. भूमि तल पर बनी दीवारों में खिड़कियाँ नहीं थी। इसके अतिरिक्त मुख्य द्वार से आन्तरिक भाग अथवा आँगन को नहीं देखा जा सकता था।

3. प्रत्येक घर का ईंटों के फर्श से बना अपना एक स्नानघर होता था?

दीर्घउत्तरीय प्रश्न संख्या

3. आप किस आधार पर कह सकते हैं कि सिंधु सभ्यता में आंतरिक व विदेशी दोनों व्यापार ही उन्नत अवस्था में था?

उत्तर- **उपमहाद्वीप तथा उससे आगे से आने वाला माल:**- नागेश्वर तथा बालाकोट से शंख प्राप्त किये जाते थे। नीले रंग का कीमती पत्थर लाजवर्द मणि को शोर्तुघई (सुदूर अफगानिस्तान) से गुजरात में स्थित भड़ौच से कार्नीलियन, दक्षिणी राजस्थान तथा उत्तरी गुजरात से सेलखड़ी और धातु राजस्थान से मंगाई जाती थी। राजस्थान के खेतड़ी अंचल (ताँबे के लिए) तथा दक्षिणी भारत (सोने के लिए) को अभियान भेजे जाते थे।

सुदूर क्षेत्रों से सम्पर्क:- ताँबा सम्भवत: अरब प्रायद्वीप के दक्षिण-पश्चिमी छोर पर स्थित ओमान से भी लाया जाता था। कार्नीलियन, लाजवर्द मणि, ताँबा, सोना आदि मेलुहा से प्राप्त किए जाते थे

तथ्य:-

मेसोपोटामिया की विशिष्ट बेलनाकार मुहर पर बना कुबड़दार वृषभ का चित्र सिंधु क्षेत्र से लिया गया प्रतीत होता है बहरीन (दिलमुन) में मिली गोलाकार 'फारस की खाड़ी' प्रकार की मुहर पर कभी-कभी हड़प्पाई चित्र मिलते हैं।

दीर्घउत्तरीय प्रश्न संख्या:-

4. 1800 ई. पू. तक हड़प्पाई सभ्यता का अंत किन कारणों से हुआ? उल्लेख कीजिए (कोई तीन कारण)

उत्तर- 1. सिन्धु नदी के मार्ग बदलने और जलवायु परिवर्तन से संभवत हड़प्पा नष्ट हो गई

2. वनों की कटाई के कारण भूमि में नमी की कमी हो गई

3. सिंधु नदी की बाढ़।

4. नदियों के सूख जाने के कारण इस क्षेत्र में रेगिस्तान का प्रसार हुआ।

5. सुदृढ़ एकीकरण के अभाव में सम्भवत: हड़प्पाई राज्य का अन्त हो गया।

शेखावाटी मिशन-100

दीर्घउत्तरीय प्रश्न संख्या:-

5. मनके बनाने की प्रक्रिया का वर्णन कीजिए?

उत्तर- 1. कार्नीलियन का लालरंग पीले रंग के कच्चे माल तथा उत्पादन के विभिन्न चरणों में मनकों को आग में पकाकर प्राप्त किया जाता है।

2. पत्थर के पिंडों को पहले अपरिष्कृत आकारों में तोड़ा जाता था और फिर बारीकी से शल्क निकाल कर इन्हें अन्तिम रूप दिया जाता था

3. घिसाई, पॉलिश और इनमें छेद करने के साथ ही मनके बनाने की प्रक्रिया पूरी होती थी

मनका निर्माण से प्रमुख स्थल: चन्हूदड़ों व लोथल

लघुत्तरात्मक प्रश्न

4. गणेश्वर-जोधपुर संस्कृति से क्या तात्पर्य है?

उत्तर- राजस्थान के खेतड़ी क्षेत्र में मिले साक्ष्यों को पुरातत्वविदों ने गणेश्वर-जोधपुर संस्कृति केनाम से पुकारा है। इस संस्कृति के विशिष्ट मृदभाण्ड हड़प्पाई मृदभाण्डों से भिन्न थे तथा यहाँ ताँबे की वस्तुओं की विपुल संपदा मिली थी। राजस्थान के खेतड़ी अंचल से ताँबा प्राप्त करने हेतु हड़प्पा से अभियान भेजे जाते थे।

5. हड़प्पा लिपि एक रहस्यमयी लिपि थी। समझाइये?

उत्तर- 1. अधिकांश अभिलेख संक्षिप्त है, सबसे लम्बे अभिलेख में लगभग 26 चिह्न है।

2. हड़प्पा सभ्यता की लिपि अभी तक पढ़ी नहीं जा सकी है इसलिए इसे रहस्यमयी लिपि कहा जाता है।

3. यह लिपि निश्चित रूप से वर्णमालीय नहीं थी क्योंकि इसमें चिन्हों की संख्या लगभग 375 से 400 के बीच है

4. यह लिपि दायीं ओर से बायीं ओर लिखी जाती थी।

6. हड़प्पा सभ्यता की बाट प्रणाली के बारे में आप क्या जानते है?

उत्तर- 1. विनिमय बाटों की एक सूक्ष्म या परिशुद्ध प्रणाली द्वारा नियंत्रित थे

2. ये बाट प्राय: चर्ट नामक पत्थर से बनाए जाते थे

3. सामान्यत: ये किसी भी प्रकार के निशान से रहित और घनाकार होते थे।

4. इन बाटों के निचले मानदंड द्विआधारी (1, 2, 4, 8, 16, 32 इत्यादि 12,800 तक) थे जबकि ऊपरी मानदंड दशमलव प्रणाली के अनुसार थे

7. 'पुरास्थल' और 'टीले' से आप क्या समझते है?

उत्तर- 1. वस्तुओं और संरचनाओं के निर्माण प्रयोग और फिर उन्हें त्याग दिए जाने से बनने वाले स्थान 'पुरास्थल' कहलाते है।

2. जब लोग एक ही स्थान पर नियमित रूप से रहते है तो भूमि-खंड के लगातार उपयोग और पुन: उपयोग से आवासीय मलबों का निर्माण हो जाता है, जिन्हें 'टीला' कहते हैं।

अतिलघुत्तरात्मक प्रश्न:-

12. सिन्धु-घाटी सभ्यता के खोज की घोषणा कब व किसने की?

उत्तर- 1924 ई. में भारतीय पुरातात्विक सर्वेक्षण के डायरेक्टर जनरल जॉन मार्शल द्वारा

13. भारतीय पुरातात्विक सर्वेक्षण के विभाग के प्रथम डायरेक्टर जनरल या 'भारतीय पुरातत्व का जनक' किसे कहा जाता है?

उत्तर- अलेक्जेण्डर कनिंघम (1875)

14. सुमेलित कीजिए?

उत्तर- 1. जॉन मार्शल- मोहनजोदड़ों एंड द इंडस सिविलाईजेशन।

2. अर्नेस्ट मैके- अली इंडस सिविलाइजेशन व फर्दर एक्सकैवेशन्स एट मोहनजोदड़ों।

3. एस.एन.राव- द स्टोरी ऑफ इण्डियन आर्कियालोजी

4. R.J.M. व्हीलर-माई आर्कियोलॉजिकल मिशन टू इंडिया एंड पाकिस्तान

15. हड़प्पा अथवा सिंधु घाटी सभ्यता की सबसे विशिष्ट पुरावस्तु कौनसी है?

उत्तर- हड़प्पाई मुहर (सेलखड़ी पत्थर से निर्मित)

16. हड़प्पा सभ्यता का काल निर्धारण कीजिये?

उत्तर- 2600 से 1900 ई. पूर्व के बीच

17. अंग्रेजी शब्द बी.सी. व ए.डी. से आप क्या समझते हैं?

उत्तर- 1. बी.सी. (ई.पू.) बिफोर क्राइस्ट (ईसा के जन्म से पूर्व)

2. ए.डी. (ई.) एनो डॉमिनी (ईसा मसीह के जन्म वर्ष से)

18. अवतल चक्कियाँ हड़प्पाई सभ्यता के किस स्थल से प्राप्त हुई है?

उत्तर- मोहनजोदड़ों से।

19. कौनसे हड़प्पाई स्थलों में पूरी बस्ती किलेबंद थी?

उत्तर- धौलावीरा तथा लोथल (गुजरात)

20. मनको के निर्माण में किन पदार्थों का प्रयोग किया जाता था?

उत्तर- कार्नीलियन जैस्पर स्फीटक, क्वार्ट्ज तथा सेलखड़ी, ताँबा, काँसा व सोना।

21. शंख से वस्तुएँ बनाने के दो प्रमुख केन्द्रों के नाम लिखो?

उत्तर- नागेश्वर व बालाकोट

22. कौनसा हड़प्पाई स्थान मनका निर्माण के लिए प्रसिद्ध था?

(अ) चन्हूदड़ों (ब) कालिबंगा (स) राखीगढ़ी (द) धौलावीरा (अ)

23. 1944 ई. में भारतीय पुरातत्व एवं सर्वेक्षण विभाग के डायरेक्टर जनरल कौन बने?

(अ) आई.एम.व्हीलर (ब) दयाराम साहनी (स) जॉन मार्शल (द) जनरल कनिंघम (अ)

24. कौनसे स्थान के हड़प्पाई स्थल से बाजरे के दाने प्राप्त हुए?

(अ) राजस्थान (ब) गुजरात (स) हरियाणा (द) पंजाब (ब)

25. आद्य शिव मुहर कौनसे हड़प्पाई स्थल से प्राप्त हुई?

(अ) हड़प्पा (ब) कालिबंगा (स) मोहनजोदड़ों (द) बनावली (अ)

26. निम्न में से किसके द्वारा कालिबंगा का उत्खनन प्रारंभ किया गया?

(अ) बी.बी. लाल व बी.के. थापर (ब) दयाराम साहनी

(स) जॉन मार्शल (द) एस.आर. राव (अ)

27. निम्न में से किसके द्वारा लोथल का उत्खनन प्रारंभ किया गया?

(अ) एस.आर. राव (ब) जॉन मार्शल (स) कनिंघम (द) मैके (अ)

28. निम्न में से किसके द्वारा धौलावीरा में उत्खनन आरंभ किया गया?

(अ) आर.एस. बिष्ट (ब) एस.आर. राव (स) कनिंघम (द) मैके (अ)

29. विशाल स्नानगार व मालगोदाम कौनसे हड़प्पाई स्थल की विशिष्ट विशेषताएं है?

(अ) मोहनजोदड़ों (ब) हड़प्पा (स) बनावली (द) राखीगढी (अ)

30. हड़प्पा सभ्यता के नगरों के भवन किससे बने होते थे?

(अ) पक्की ईंटों से (ब) पत्थर (स) लकड़ी (द) कच्ची ईंटों से (अ)

31. निम्न में से कौनसी सभ्यता के लोग मातृदेवी आद्य शिव व प्रकृति की पूजा करते थे?

(अ) हड़प्पा सभ्यता (ब) मिश्र की सभ्यता (स) वैदिक सभ्यता (द) युनान की सभ्यता (अ)

32. कालिबंगा व लोथल............संस्कृति के प्रमुख स्थल है?

उत्तर- हड़प्पा

शेखावाटी मिशन-100

33. सिंधु घाटी सभ्यता में सड़के...............पद्धति के अनुसार बनाई जाती थी?

उत्तर- ग्रीड

34. सिंधु घाटी सभ्यता को.............संस्कृति भी कहा जाता है?

उत्तर- हड़प्पा

35. मोहनजोदड़ों में कुओं की कुल संख्या लगभग..........थी?

उत्तर- 700

36. मोहनजोदड़ों के विशाल स्नानागार के जलाशय के तल में जाने के लिए............और..........भाग में दो सीढ़ियाँ बनी थी?

उत्तर- उत्तरी, दक्षिणी

37. मानचित्र कार्य:-

उत्तर- 1. कालीबंगन - राजस्थान

2. बनावली, मिताथल- हरियाणा

3. धौलावीरा, लोथल - गुजरात

4. राखीगढी बनावली - हरियाणा

5. मांड - जम्मू-कश्मीर

6. रंगपुर, नागेश्वर - गुजरात

अध्याय-2
राजा और किसान

शेखावाटी मिशन-100

वस्तुनिष्ठ प्रश्न:-

1. ब्राही और खरोष्ठी लिपियो को पढ़ने वाला था?
(अ) जॉन मार्शल (ब) कनिंघम (स) व्हीलर (द) प्रिंसेप (द)

2. बौद्ध और जैन धर्म के आरम्भिक ग्रन्थों में कितने महाजनपदों का उल्लेख मिलता है?
(अ) 8 (ब) 18 (स) 16 (द) 14 (स)

3. अशोक के अधिकांश अभिलेखों की भाषा व लिपि है?
(अ) ब्राह्मी, प्राकृत (ब) ब्राह्मी, पालि (स) हिन्दी, प्राकृत (द) खरोष्ठी, प्राकृत (अ)

4. 'अर्थशास्त्र' का रचयिता कौन था?
(अ) बाणभट्ट (ब) चाणक्य (स) कल्हण (द) मेगस्थनीज (ब)

5. 16 महाजनपदों में सबसे शक्तिशाली महाजनपद कौन-सा था?
(अ) मगध (ब) अंग (स) काशि (द) चम्पा (अ)

6. मगध की प्रारंभिक राजधानी थी?
(अ) राजगाह (ब) पाटलीपुत्र (स) वाराणसी (द) चम्पा (अ)

7. मौर्य शासकों की राजधानी पाटलीपुत्र का वर्तमान नाम क्या है?
(अ) पटना (बिहार) (ब)वाराणसी (उ.प्र.) (स) उज्जैन (म.प्र.) (द) मथुरा (उ.प्र.) (अ)

8. कौनसे शासक अपने नाम के आगे देवपुत्र की उपाधि लगाते थे?
(अ) कुषाण शासक (ब) शुंग शासक (स) सातवाहन शासक (द) मौर्य शासक (अ)

9. अभिलेखों के अध्ययन को कहते है?
(अ) वनस्पति विज्ञान (ब) पुरालिपि (स) अभिलेख शास्त्र (द) शिल्पशास्त्र (स)

10. मौर्य साम्राज्य का सबसे महत्त्वपूर्ण राजनीतिक तक केन्द्र था?

(अ) तक्षशिला (ब) उज्जयिनी (स) पाटलीपुत्र (द) सुवर्णगिरि (अ)

11. आरम्भिक भारत का सबसे प्रसिद्ध विधिग्रन्थ है?

(अ) सामवेद (ब) मनुस्मृति (स) रामायण (द) महाभारत (ब)

12. चाँदी और ताँबे से बने प्राचीनतम सिक्के है?

(अ) आहत (ब) मुहर (स) दीनार (द) दाम (अ)

13. सर्वप्रथम सोने के सिक्के किन शासकों ने जारी किए?

(अ) शक (ब) कुषाण (स) मौर्य (द) गुप्त (ब)

14. किस शासक के लिए देवनांपिय उपाधि का प्रयोग हुआ है?

(अ) समुद्रगुप्त (ब) चन्द्रगुप्त (स) अकबर (द) अशोक (द)

15. कलिंग विजय किस शासक ने की?

(अ) अशोक (ब) चन्द्रगुप्त (स) समुन्द्रगुप्त (द) रूद्रदामन (अ)

16. मौर्य साम्राज्य (मगध) की राजधानी बताइए?

(अ) पाटलिपुत्र (ब) विराटनगर (स) मथुरा (द) वाराणसी (अ)

17. मौर्य साम्राज्य का संस्थापक कौन था?

(अ) चन्द्रगुप्त मौर्य (321 ई. पू.) (ब) अशोक

(स) समुद्रगुप्त (द) अकबर (अ)

18. बुद्ध के पूर्व जन्म की कहानियाँ है?

(अ) जातक कथाएं (ब) आगम (स) पूर्व (द) पिटक (अ)

19. 'हर्षचरित' की रचना किसने की थी?

(अ) बाणभट्ट (ब) कालिदास (स) चाणक्य (द) कौटिल्य (अ)

20. उत्पादकों और व्यापारियों के संघ क्या कहलाते है?

(अ) श्रेणी (ब) समूह (स) विभाग (द) समुदाय (अ)

21. ब्रह्माणों को दान में दी जाने वाली करमुक्त भूमि क्या कहलाती है?

(अ) अग्रहार (ब) मण्डल (स) मठ (द) संकुल (अ)

22. कौनसे ग्रन्थ में यह बताया गया है कि एक कुटिल राजा की प्रजा किस प्रकार दु:खी रहती है?

(अ) गदतिन्दु जातक (ब) मनुस्मृति (स) प्रयाग प्रशस्ति (द) पिटक (अ)

23. ऐसा राज्य जहां कई लोगों का समूह शासन करता था तथा इस समूह का प्रत्येक व्यक्ति राजा कहलाता था वे किस नाम से प्रसिद्ध थे?

(अ) गण और संघ (ब) राष्ट्र (स) जन (द) नगर (अ)

24. पत्थर धातु या मिट्टी के बर्तन जैसी कठोर सतह पर खुदे ऐसे स्रोत/साक्ष्य जो उन लोगों की उपलब्धियों क्रियाकलाप या विचारों के बारे में जानकारी देते है जो उन्हें बनवाने है कहलाते है?

(अ) अभिलेख (ब) महाकाव्य (स) वेद (द)वेदांग (अ)

25. एक ऐसा भूखंड जहाँ कोई जन (लोग, कुल या जनजाति) अपना पाँव रखता है अथवा बस जाता है कहलाता है?

(अ) जनपद (ब) देश (स) नगर (द) ग्राम (अ)

26. शासन का एक रूप जिसमें सत्ता पुरुषों के एक समूह के हाथ में होती है कहलाता है?

(अ) ओलीगार्की/समूहशासन (ब) राजतंत्र (स) लोकतंत्र (द) गणतंत्र (अ)

27. जातक कथाओं की भाषा है?

(अ) पालि (ब) प्राकृत (स) हिन्दी (द) संस्कृत (अ)

शेखावाटी मिशन-100

28. सिक्को का अध्ययन कहलाता है?

(अ) मुद्राशास्त्र (ब) वनस्पति शास्त्र (स) रसायन शास्त्र (द) एपिग्राफी (अ)

29. जेम्स प्रिंसेप ने अशोक कालीन ब्राह्मी लिपि को कब पढ़ा?

(अ) 1830 ई. (ब) 1833 ई. (स) 1834 ई. (द) 1838 ई. (ब)

<u>लघुत्तरात्मक प्रश्न</u>

1. अशोक के अभिलेख किन भाषाओं और लिपियों में लिखे गए थे?

उत्तर- 1. भाषा:- प्राकृत (अधिकांश अभिलेख) अरामेइक व यूनानी (पश्चिमोत्तर से प्राप्त)

2. लिपि- a. ब्राह्मी लिपि (अधिकांश अभिलेख)

b. खरोष्ठी लिपि (पश्चिमोत्तर से प्राप्त)

c. अरामेइक और यूनानी लिपि (अफगानिस्तान)

2. मौर्यवंश की जानकारी के प्रमुख स्रोत कौन-कौनसे थे?

उत्तर- 1. चन्द्रगुप्त के दरबारी विद्वान व यूनानी राजदूत मेगस्थनीज की पुस्तक इण्डिका।

2. चन्द्रगुप्त के मंत्री कौटिल्य या चाणक्य की पुस्तक अर्थशास्त्र

3. अशोक के अभिलेख।

4. जैन, बौद्ध और पौराणिक ग्रंथ

3. मौर्य साम्राज्य के प्रमुख राजनीतिक केन्द्रों का उल्लेख करो?

उत्तर- 1. पाटलिपुत्र (राजधानी)

2. चार प्रांतीय केन्द्र-तक्षशिला, उज्जयिनी, तोसलि और सुवर्णगिरि

4. 'प्रयाग प्रशस्ति' पर एक संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए?

उत्तर- अन्य नाम- इलाहाबाद स्तंभ अभिलेख

रचयिता- हरिषेण गुप्त शासक समुद्रगुप्त के राजकवि

भाषा - संस्कृत

→'प्रयाग प्रशस्ति' से हमें समुद्रगुप्त के जीवन, विजयों, व्यक्तिगत गुणों तत्कालीन राजनीतिक दशा आदि के बारे में जानकारी मिलती है।

5. अभिलेखों से प्रभावती गुप्त के भूमिदान किए जाने के बारे में क्या जानकारी मिलती है?

उत्तर- प्रभावती गुप्त सम्राट चन्द्रगुप्त द्वितीय (लगभग 375-415 ई.) की पुत्री थी। संस्कृत धर्मशास्त्रों के अनुसार महिलाओं को भूमि जैसी सम्पत्ति पर स्वतन्त्र अधिकार नहीं था। परन्तु एक अभिलेख से ज्ञात होता है कि प्रभावती गुप्त भूमि की स्वामिनी थी और उसने भूमिदान भी किया था। (दंगुन गाँव)

6. पाटलिपुत्र के इतिहास पर प्रकाश डालिए?

उत्तर- पाटलिपुत्र का विकास पाटलिग्राम नामक एक गाँव से हुआ। पाँचवी सदी ई.पू. में मगध शासकों ने अपनी राजधानी राजगाह (राजगीर) से हटाकर इसे बस्ती में लाने का निर्णय किया और इसका नाम पाटलिपुत्र रखा। चौथी शताब्दी ई.पू. तक पाटलिपुत्र मौर्य साम्राज्य की राजधानी और एशिया के सबसे बड़े नगरों में से एक बन गया। कालान्तर में इसका महत्त्व कम हो गया। जब सातवीं शताब्दी में चीनी यात्री ह्वेनसांग यहाँ आया, तो उसे यह नगर खंडहर में परिवर्तित मिला

7. 'हर्षचरित' पर टिप्पणी लिखो?

उत्तर- हर्षचरित संस्कृत में लिखी गई कन्नौज के शासक हर्षवर्धन की जीवनी है। इसके लेखक बाणभट्ट (लगभग सातवीं शताब्दी ई.) हर्षवर्धन के राजकीय थे।

8. छठी शताब्दी ई. पूर्व में उपज बढ़ाने के तरीकों का उल्लेख करो?

उत्तर- 1. लोहे के फाल वाले हलों का प्रचलन।

2. गंगा घाटी में धान की रोपाई

3. सिंचाई के लिए कुओं, तालाबों और नहरों का निर्माण

शेखावाटी मिशन-100

दीर्घउत्तरीय प्रश्न:-

1. अभिलेख आज भी इतिहास की जानकारी के महत्त्वपूर्ण साधन है। स्पष्ट कीजिए?

या

वर्तमान इतिहास लेखन में अभिलेखों की उपादेयता सिद्ध कीजिए?

उत्तर- 1. अभिलेखों में उन लोगों की उपलब्धियों क्रियाकलापों तथा विचारों का उल्लेख मिलता है जो उन्हें बनवाते हैं

2. इनमें राजाओं के क्रियाकलापों तथा महिलाओं और पुरुषों द्वारा धार्मिक संस्थाओं को दिए दान का विवरण होता है।

3. अभिलेखों में इनके निर्माण की तिथि भी खुदी होती है जिससे राजाओं के शासन काल, उनके नाम और प्रमुख कार्यों व धार्मिक विश्वासों की जानकारी प्राप्त होती है

उदाहरण:- भारत में सम्राट अशोक के अभिलेख वृहत स्तर पर प्राप्त हुए है जो मौर्य वंश की जानकारी के प्रमुख स्रोत है।

2. मगध के शक्तिशाली महाजनपद के रूप में उदय के प्रमुख कारण लिखिए?

उत्तर- 1. मगध क्षेत्र में खेती की उपज बहुत अच्छी होती थी

2. मगध क्षेत्र में लोहे की खदाने भी सरलता से उपलब्ध थी। अत: लोहे से कृषि उपकरण और हथियार बनाना आसान होता था

3. मगध के जंगलों में बड़ी संख्या में हाथी उपलब्ध थे। ये हाथी मगध राज्य की सेना के एक महत्त्वपूर्ण अंग थे।

4. गंगा और इसकी उपनदियों से आवागमन सस्ता व सुलभ होता था

5. बिम्बिसार, अजातशत्रु की नीतियाँ मगध के विकास के लिए उत्तरदायी थी।

3. हरिषेण द्वारा 'प्रयाग-प्रशस्ति' में समुद्रगुप्त की चारित्रिक विशेषताओं का किस प्रकार वर्णन किया गया है?

या

समुद्रगुप्त एक बहुआयामी प्रतिभा से युक्त महान शासक था। उक्त कथन की व्याख्या करो?

उत्तर- प्रयाग प्रशस्ति में हरिषेण ने समुद्रगुप्त के लिए लिखा है कि ''धरती पर उनका कोई प्रतिद्वन्द्वी नहीं था। अनेक गुणों और शुभ कार्यों से सम्पन्न उन्होंने अपने पैर के तलवे से अन्य राजाओं के यश को मिटा दिया है। वे परमात्मा पुरुष है, साधु (भले) की समृद्धि और असाधु (बुरे) के विनाश के कारण है। वे करूणा से भरे हुए है। उनके मस्तिष्क की दीक्षा दीन-दु:खियों, विरहणियां और पीड़ितों के उद्धार के लिए की गई है। वे देवताओं में कुबेर (धन देव), वरुण (समुद्र देव) इन्द्र (वर्षा के देवता) और यम (मृत्यु-देव) के तुल्य है।''

4. शक-शासक रूद्रदामन के अभिलेख में सुदर्शन झील के बारे में क्या विवरण दिया गया है?

या

आप यह कैसे कह सकते है कि रुद्रदामन ने संस्कृत भाष को बढ़ावा देने का प्रयास किया?

उत्तर- शक शासक रुद्रदामन ने संस्कृत भाषा में जूनागढ़ अभिलेख लिखवाया जिसमें सुदर्शन झील के बारे में वर्णन है कि जलद्वारों और तटबन्धों वाली इस झील का निर्माण मौर्यकाल में एक स्थानीय राज्यपाल द्वारा किया गया था। परन्तु एक भीषण तूफान के कारण इसके तटबन्ध टूट गए और सारा पानी बह गया। तत्कालीन शासक रुद्रदामन ने इस झील की मरम्मत अपने खर्चे से करवाई थी और इसके लिए अपनी प्रजा से कर भी नहीं लिया था

5. अशोक के धम्म व उसकी जनकल्याणकारी अवधारणा को समझाइए?

उत्तर- अशोक ने प्रजा के नैतिक उत्थान के लिए जिन नियमों व आदर्शों की संहिता प्रस्तुत की वे 'धम्म' कहलाए। अशोक ने अपने अभिलेखों के माध्यम से धम्म का प्रचार किया

-अशोक के धम्म के सिद्धान्त बहुत ही साधारण और सार्वभौमिक थे

धम्म के सिद्धान्त-

1. बड़ों के प्रति आदर
2. सन्यासियों और ब्राह्मणों के प्रति उदारता।
3. सेवकों और दासों के साथ उदार व्यवहार।
4. दूसरे के धर्मों और परंपराओं का आदर

शेखावाटी मिशन-100

6. "अभिलेखों से प्राप्त जानकारी की भी सीमा होती है। विवेचना कीजिए।"

उत्तर- 1. तकनीकी सीमा:- कभी-कभी इनकी तकनीकी सीमा होती है, अक्षरों को हल्के रंग से उत्कीर्ण किया जाता है जिन्हें पढ़ पाना मुश्किल होता है।

2. अभिलेख नष्ट भी हो सकते है जिनसे अक्षर लुप्त हो जाते है।

3. अभिलेखों के शब्दों के वास्तविक अर्थ के बारे में पूर्ण रूप से ज्ञान हो पाना सदैव सरल नहीं होता क्योंकि कुछ अर्थ किसी विशेष स्थान या समय से संबंधित होते है

4. यह जरूरी नहीं है कि जिसे हम आज राजनीतिक और आर्थिक रूप से महत्त्वपूर्ण मानते है उन्हें अभिलेखों में अंकित किया ही गया हो अत: राजनीतिक और आर्थिक इतिहास का पूर्ण ज्ञान मात्र अभिलेख शास्त्र से ही नहीं मिलता है।

5. अभिलेख हमेशा केवल उन्हीं व्यक्तियों के विचार व्यक्त करते है जो उन्हें लिखवाते थे इस कारण अन्य पहलुओं के बारे में जानकारी प्राप्त नहीं होती है

7. सुमेलित करो?

उत्तर-

महाजनपद	**राजधानी**
गांधार	तक्षशिला
कोशल	श्रावस्ती
काशी	वाराणसी
मगध	राजगीर
कुरु	इन्द्रप्रस्थ
पांचाल	अहिच्छत्र
अवन्ति	उज्जयिनी
शूरसेन	मथुरा

अध्याय-3
बंधुत्व, जाति तथा वर्ग

वस्तुनिष्ठ प्रश्न:-

1. महाभारत के समालोचनात्मक संस्करण को तैयार करने में कितना समय लगा?
(अ) 45 वर्ष (ब) 46 वर्ष (स) 47 वर्ष (द) 48 वर्ष (स)

2. कौरव और पांडव किस वंश से सम्बन्धित है?
(अ) गुप्त वंश (ब) सातवाहन वंश (स) शुंग वंश (द) कुरु वंश (द)

3. महाभारत की मूल भाषा कौनसी है?
(अ) पाली (ब) तमिल (स) संस्कृत (द) अंग्रेजी (स)

4. चाण्डालों के कर्तव्य की सूची किस ग्रंथ से मिलती है?
(अ) रामायण (ब) मनुस्मृति (स) ऋग्वेद (द) संगम साहित्य (ब)

5. किस राजवंश के राजाओं को उनके मातृनाम से चिन्हित किया जाता था?
(अ) सातवाहन (ब) मौर्य (स) शक (द) गुप्त (अ)

6. सातवाहन कुल के किस प्रसिद्ध शासक ने स्वयं को अनूठा ब्राह्मण और साथ ही क्षत्रियों के दर्प का हनन करने वाला बताया था?
(अ) वसिथि-पुत्र सिरि-पुलुमायि (ब) गोतमी-पुत्र सिरी-सातकनि
(स) गोतमी-पुत्र सिरी-विजय सातकनि (द) समुद्रगुप्त (ब)

शेखावाटी मिशन-100

7. संस्कृत ग्रंथों में................शब्द का प्रयोग परिवार के लिए और.......................का बांधवों के बड़े समूह के लिए होता है

उत्तर- कुल, जाति

अतिलघुत्तरात्मक प्रश्नः-

1. महाभारत का समालोचनात्मक संस्करण तैयार करने का कार्य कब व किसके नेतृत्व में प्रारम्भ हुआ?

उत्तर- 1919 ई. में प्रसिद्ध संस्कृत विद्वान वी.एस. सुकथांकर के नेतृत्व में महाभारत का समालोचनात्मक संस्करण तैयार करने की परियोजना की शुरूआत हुई।

2. महाभारत का युद्ध किन दो दलों के मध्य हुआ और क्यों हुआ?

उत्तर- महाभारत का युद्ध कुरु जनपद के कुरु वंश से संबंधित दलों कौरव और पांडवों के बीच भूमि और सता/शासन को लेकर हुआ।

3. महाभारत की मुख्य कथा किनके मध्य हुए युद्ध का चित्रण करती है?

उत्तर- प्रश्न संख्या 2 का उत्तर देखें।

4. इतिहासकार महाभारत ग्रंथ की विषयवस्तु को किन दो मुख शीर्षकों के अंतर्गत रखते हैं?

उत्तर- 1. आख्यान- इसमें कहानियों का संग्रह है।

2. उपदेशात्मक इसमें सामाजिक आचार-विचार के मानदंडों का चित्रण हैं।

5. महाभारत का सबसे महत्त्वपूर्ण उपदेशात्मक अंश कौनसा है?

उत्तर- महाभारत का सबसे महत्त्वपूर्ण उपदेशात्मक अंश भगवद्गीता है, जहाँ कुरुक्षेत्र की युद्धभूमि में श्रीकृष्ण अर्जुन को उपदेश देते हैं।

6. बहिर्विवाह पद्धति से आप क्या समझते हैं?

उत्तर- अपने गोत्र से बाहर विवाह करने को बहिर्विवाह पद्धति कहते हैं।

7. मनुस्मृति का संकलन कब और किस भाषा में हुआ?

उत्तर- लगभग 200 ई. पू. से 200 ईस्वी के बीच संस्कृत भाषा में।

8. चाण्डाल किसे कहा जाता था?

उत्तर- शवों की अंत्येष्टि और मृत पशुओं को छूने वालों को चाण्डाल कहा जाता था।

9. 1951-52 में किस पुरत्तत्ववेत्ता ने मेरठ जिले (उ.प्र.) के हस्तिनापुर नामक गाँव में उत्खनन का कार्य किया?

उत्तर- बी.बी. लाल ने

10. किस राजवंश में राजाओं के नाम से पूर्व माताओं (मातृनाम) के नाम लिखा जाता था?

उत्तर- सातवाहन राजवंश में राजाओं को उनके मातृनाम से चिन्हित किया जाता था

11. लगभग सातवीं शताब्दी ईस्वी में चीनी से भारत आए किस चीनी तीर्थयात्री ने कहा कि बधिक और सफाई करने वालों को नगर से बाहर रहना पड़ता था?

उत्तर- श्वैन-त्सांग ने

12. लगभग पांचवीं शताब्दी ईस्वी में चीन से भारत आए किस बौद्ध भिक्षु का कहना था कि अस्पृश्यों को सड़क पर चलते हुए करताल बजाकर अपने होने की सूचना देनी पड़ती थी?

उत्तर- फा-शिएन

13. महाभारत की सबसे चुनौतीपूर्ण उपकथा कौनसी है?

उत्तर- महाभारत की सबसे चुनौतीपूर्ण उपकथा द्रौपदी से पांडवों के विवाह की है?

14. स्त्रीधन को परिभाषित कीजिए?

उत्तर- विवाह के समय मिले उपहारों पर स्त्रियों का स्वामित्व माना जाता था, इसे स्त्रीधन की संज्ञा दी जाती थी।

15. स्वयं को अनूठा ब्राह्मण और क्षत्रियों के दर्प का हनन करने वाला किस शासक ने बताया और वह किस राजवंश से संबंधित हैं

उत्तर- सातवाहन राजवंश के सबसे प्रसिद्ध शासक गोतमी-पुत्र सिरी-सातकनि ने कहा।

16. लगभग दूसरी शताब्दी ई.पू. में सुदर्शन सरोवर का जीर्णोद्धार किस शक शासक ने करवाया था?

उत्तर- रुद्रदामन ने

शेखावाटी मिशन-100

17. किस सातवाहन शासक ने यह दावा किया कि उसने चार वर्णों के बीच विवाह संबंध होने पर रोक लगाई?

उत्तर- गोतमी-पुत्र सिरी-सातकनि।

18. शास्त्रों के अनुसार चार वर्णों में से किस वर्ण का व्यक्ति ही राजा बन सकता था?

उत्तर- क्षत्रिय ही राजा हो सकते थे

19. लगभग पांचवीं शताब्दी ईस्वी के किस अभिलेख से रेशम बुनकरों की एक श्रेणी का वर्णन मिलता है?

उत्तर- मंदसौर (मध्य प्रदेश) अभिलेख

20. ब्राह्मणों द्वारा स्थापित दैवीय व्यवस्था में वर्ण कौन-कौन से थे?

उत्तर- चार वर्ण थे। 1. ब्राह्मण 2. क्षत्रिय 3. वैश्य 4. शूद्र

<u>लघुत्तरात्मक प्रश्न</u>

1. बहिर्विवाह पद्धति, अंतर्विवाह पद्धति से किस प्रकार भिन्न है?

उत्तर- अपने गोत्र से बाहर विवाह करने को बहिर्विवाह पद्धति कहते हैं, जबकि अंतर्विवाह पद्धति में वैवाहिक संबंध अपने ही कुल, गोत्र में स्थापित होते हैं।

2. बहिर्विवाह पद्धति की कोई दो विशेषताएं बताईये?

उत्तर- 1. अपने गोत्र से बाहर विवाह करने को बहिर्विवाह पद्धति कहते हैं।

2. इस विवाह पद्धति में कन्यादान अर्थात् विवाह में कन्या की भेंट को पिता का महत्वपूर्ण धार्मिक कर्त्तव्य माना गया

3. धर्मसूत्र एवं धर्मशास्त्र विवाह के कितने प्रकारों को अपनी स्वीकृति देते हैं। इनमें से कौन-से विवाह उत्तम तथा कौनसे विवाह निन्दित माने गये हैं?

उत्तर- धर्मसूत्र एवं धर्मशास्त्र विवाह के आठ प्रकारों को अपनी स्वीकृति देते हैं। विवाह के आठ प्रकारों में से प्रथम चार 'उत्तम' माने जाते थे तथा अन्तिम चार को निन्दित माना गया।

4. गोत्र व्यवस्था को समझाइये?

उत्तर- 1000 ई. पू. के लगभग गोत्र प्रणाली प्रचलन में आयी। इसमें लोगों को वैदिक ऋषियों के नाम पर अलग-अलग गोत्रों में बांटा गया गोत्र प्रणाली गोत्रों के दो नियम महत्त्वपूर्ण थे-

1. विवाह के पश्चात् स्त्रियों को पिता के स्थान पर पति के गोत्र का माना जाता था

2. एक ही गोत्र के सदस्य आपस में विवाह संबंध नहीं रख सकते थे (यानि बहिर्विवाह पद्धति)

5. गोत्र प्रणाली के दो नियमों का उल्लेख कीजिए?

उत्तर- प्रश्न संख्या 4 के उत्तर में देखें।

6. क्या विवाह के समय गोत्र नियमों का पालन अनिवार्यत: होता था?

उत्तर- नहीं।

उदाहरण:- सातवाहन राजाओं ने गोत्र प्रणाली के नियमों का पालन नहीं किया। सातवाहन राजाओं को उनके मातृनाम से जाना जाता था।

- सातवाहन राजाओं की रानियों ने विवाह के बाद भी अपने पिता के गोत्र को कायम रखते हुए, अपने पति कुल के गोत्र को ग्रहण नहीं किया

- सातवाहन राजाओं की कुछ रानियां एक ही गोत्र से थी, यानि उनका अंतर्विवाह हुआ था

7. महाभारत काल में वर्ण व्यवस्था के नियमों का पालन करवाने के लिए ब्राह्मणों ने कौनसी नीतियाँ/रणनीतियाँ अपनाई?

उत्तर- 1. वर्ण व्यवस्था को दैवीय व्यवस्था बताया

2. शासकों को अपने राज्य में वर्ण व्यवस्था के नियमों को लागू करवाने हेतु कहते थे।

3. लोगों को उन्होंने विश्वास दिलाया कि उनकी प्रतिष्ठा जन्म पर आधारित है

शेखावाटी मिशन-100

8. धर्मसूत्रों और धर्मशास्त्रों में चारों वर्णों के लिए आदर्श 'जीविका' से जुड़े कई नियम मिलते हैं? स्पष्ट कीजिए

उत्तर-

	चार वर्ण	उनकी आदर्श जीविका/कार्य
1.	ब्राह्मण	अध्ययन करना, वेदों की शिक्षा, यज्ञ करना व करवाना, दान लेना।
2.	क्षत्रिय	युद्ध करना, लोगों को सुरक्षा प्रदान करना, न्याय करना वेद पढ़ना, यज्ञ करवाना, दान-दक्षिणा देना।
3.	वैश्य	वेद पढ़ना, यज्ञ करवाना, दान-दक्षिणा देना, कृषि गौ-पालन, व्यापार करना।
4.	शूद्र	तीनों उच्च वर्णों की सेवा करना।

9. क्या आरंभिक राज्यों में शासक निश्चित रूप से क्षत्रिय ही होते थे?

अथवा

क्या आरंभिक राज्यों में राजत्व क्षत्रिय कुल में जन्म लेने पर ही निर्भर करता था?

उत्तर- नहीं।

शास्त्रों के अनुसा केवल क्षत्रिय राजा हो सकते थे। किन्तु अनेक महत्त्वपूर्ण राजवंशों की उत्पत्ति अन्य वर्णों से भी हुई थी जैसे- मौर्य शासकों को ब्राह्मणीय शास्त्र 'निम्नकुल' का मानते है

- शुंग और कण्व शासक ब्राह्मण थे।
- इन उदाहरणों को देखकर लगता है कि राजनीतिक सता का उपभोग हर वह व्यक्ति कर सकता था, जो समर्थन और संसाधन जुटा सकें

10. वर्ण और जाति में कोई दो अंतर बताईये?

उत्तर-

वर्ण व्यवस्था	जाति व्यवस्था
(1) वर्णों की संख्या चार है	(1) वर्ण मात्र चार थे, परंतु जातियों की कोई निश्चित संख्या नहीं थी
(2) वर्ण व्यवस्था को दैवीय व्यवस्था माना गया।	(2) जाति जन्म पर आधारित व्यवस्था थी।

11. मनुस्मृति में चाण्डालों के कौन-कौन से कर्त्तव्य बताये गए है?

उत्तर- (1) उन्हें गाँव के बाहर रहना पड़ता था।

(2) रात्रि में वे गाँव और नगरों में चल-फिर नहीं सकते थे।

(3) वे फेंके हुए बर्तनों का इस्तेमाल करते थे

(4) मरे हुए लोगों के वस्त्र पहनते थे

(5) बधिक (जल्लाद) के रूप में कार्य करते थे।

12. चाण्डालों को वर्ण व्यवस्था वाले समाज में सबसे निम्न कोटि। निचली श्रेणी में क्यों रखा जाता था?

उत्तर- चाण्डालों को शवों की अंत्येष्टि करने तथा मृत पशुओं को छूने के कारण दूषित माना जाता था तथा उनके स्पर्श को भी अपवित्र माना जाता था। इस कारण उन्हें समाज की सबसे निचली श्रेणी में रखा जाता था

13. मनुस्मृति में पुरुषों के लिए धन अर्जित करने के कितने तरीकों का वर्णन हैं? उल्लेख कीजिए

उत्तर- सात तरीकों का

(1) विरासत (2) खोज (3) खरीद (4) विजित करके (5) निवेश (6) कार्य द्वारा (7) सज्जनों द्वारा दी गई भेंट

14. मनुस्मृति में स्त्रियों के लिए धन अर्जित करने के कितने तरीकों का वर्णन हैं? उल्लेख कीजिए

उत्तर- छः तरीकों का

(1) वैवाहिक अग्नि के सामने मिली भेंट

(2) वधूगमन के समय मिली भेंट

(3) स्नेह के प्रतीक के रूप में प्राप्त उपहार

शेखावाटी मिशन-100

(4) भ्राता, माता-पिता द्वारा दिए गए उपहार

(5) परवर्ती काल में मिली भेंट

(6) अनुरागी पति से प्राप्त

15. इतिहासकार किसी ग्रंथ का विश्लेषण करते समय अनेक पहलुओं पर विचार करते हैं। किन्हीं दो पहलुओं का उल्लेख कीजिए?

उत्तर- (1) ग्रंथ की भाषा:- इतिहासकार इस बात का परीक्षण करते है, कि ग्रंथ किस भाषा में लिखा गया ह। क्या ग्रंथ आम लोगों की भाषा पालि, प्राकृत, तमिल में रचित है या पुरोहित व उच्च वर्ग द्वारा प्रयोग में लायी जाने वाली संस्कृत भाषा में

(2) ग्रंथ की विषयवस्तु:- क्या ग्रंथ अनुष्ठान के समय प्रयोग आने वाले मंत्रों का संग्रह है या कथा ग्रंथ है, इसका भी परीक्षण करते है।

16. महाभारतकालीन स्त्रियां की विभिन्न समस्याएँ थी, उनका उल्लेख कीजिए?

उत्तर- (1) स्त्री को भोग की वस्तु समझा जाता था।

(2) स्त्रियाँ पैतृक संपति में हिस्सेदारी की मांग नहीं कर सकती थी

(3) स्त्रियों की स्थिति पुरुषों से निम्न थी।

(4) पत्नी को पति की संपति के रूप में माना जाता था।

(5) स्त्रियों को सीमित अधिकार ही प्राप्त थे।

17. महाभारत की सबसे चुनौतीपूर्ण उपकथा द्रोपदी के बहुपति विवाह के सम्बन्ध में इतिहासकारों के विभिन्न मत हैं। किन्हीं दो का उल्लेख कीजिए?

उत्तर- (1) विशिष्ट शासक वर्ग में बहुपति प्रथा का प्रचलित होना।

(2) कुछ इतिहासकारों के अनुसार हिमालय क्षेत्र में आज भी बहुपति प्रथा का प्रचलन होना

(3) कुछ इतिहासकारों के अनुसार युद्ध के समय स्त्रियों की कमी के कारण बहुपति प्रथा को अपनाया गया हो

18. पितृवंशिक्ता एवं मातृवंशिकता में अन्तर बताईये?

उत्तर- वह वंश परम्परा जो पिता के बाद पुत्र, फिर पौत्र, प्रपौत्र आदि से चलती है। उसे पितृवंशिकता कहते हैं।
मातृवंशिकता का अर्थ है वह वंश परम्परा, जो माँ से जुड़ी होती है।

शेखावाटी मिशन-100

अध्याय-4
यात्रियों के नजरिए

1. चिकित्सक मनूकी कहां का निवासी था?

(अ) फ्रांस (ब) इटली (स) मोरक्को (द) पुर्तगाल (ब)

2. फ्रांस्वा बर्नियर ने अपनी प्रमुख कृति को किसको समर्पित किया था?

(अ) सम्राट लुई 16वें (ब) सम्राट लुई 15वें (स) सम्राट लुई 14वें (द) सम्राट लुई 13वें (स)

3. अल बिरूनी का जन्म कब और कहां हुआ था?

उत्तर- 973 ई. में, उज्बेकिस्तान में स्थित ख्वारिज्म में।

4. अल बिरूनी किस शासक के साथ गजनी आया था?

उत्तर- महमूद गजनवी।

5. 1017 ई. में ख्वारिज्म पर आक्रमण के पश्चात् किस शासक ने अल-बिरूनी को अपने साथ अपनी राजधानी गजनी ले आया?

उत्तर- महमूद गजनवी।

6. जौहरी ज्यौं-बैप्टिस्ट तैवर्नियर कहां का निवासी था, जिसने कम से कम...........भारत की यात्रा की

उत्तर- फ्रांस का। छः बार।

7. अल बिरूनी द्वारा कौनसी पुस्तक लिखी गई? उसकी भाषा कौनसी हैं?

उत्तर- किताब-उल-हिन्द, अरबी भाषा

8. अल बिरूनी द्वारा अरबी भाषा में लिखी गई किताब उल-हिन्द कितने अध्यायों में विभाजित हैं?

उत्तर- 80 अध्यायों में।

9. इब्न बतूता का यात्रा वृत्तांत किस नाम से जाना जाता है, उसकी भाषा कौनसी हैं?

उत्तर- रिहला, अरबी भाषा में।

10. ....के रास्ते होकर इब्न बतूता सन् 1333 में स्थल मार्ग से................पहुँचा

उत्तर- मध्य एशिया, सिंध

11. इब्न बतूता किस शासक के समय भारत आया?

उत्तर- मुहम्मद बिन तुगलक के समय।

12. सती प्रथा को विस्तृत वर्णन के लिए किस विदेशी यात्री ने चुना?

उत्तर- फ्रांस्वा बर्नियर ने।

13. मुहम्मद बिन तुगलक द्वारा किस विदेशी यात्री को दिल्ली का काजी नियुक्त किया गया था?

उत्तर- इब्न बतूता को

14. इब्न बतूता के निवास स्थान का नाम लिखिए?

उत्तर- तैंजियर- मोरक्को (उत्तरी अफ्रीका) में।

15. इब्न बतूता के श्रुतलेखों को लिखने के लिए किसे नियुक्त किया गया था?

उत्तर- इब्न जुजाई।

16. इब्न बतूता दिल्ली के अलावा किस स्थान पर भी काजी के पद पर रहा?

उत्तर- मालद्वीप

17. सबसे प्रसिद्ध यूरोपीय लेखकों में एक नाम..................का है जिसने...............में व्यापार और समाज का एक विस्तृत विवरण लिखा

उत्तर- दुआर्ते बरबोसा, दक्षिण भारत

18. मुहम्मद बिन तुगलक ने 1342 ई. में किस विदेशी यात्री को मंगोल शासक के पास सुल्तान के दूत के रूप में चीन जाने का आदेश दिया?

उत्तर- इब्न बतूता को

19. बर्नियर के अनुसार भारत और यूरोप के बीच मूल भिन्नताओं/असमानताओं में से एक कौन-सी हैं?

उत्तर- बर्नियर के अनुसार भारत में निजी भूस्वामित्व का अभाव था

20. चीन के विषम में किस विदेशी यात्री के वृत्तांत की तुलना मार्कोपोलो के वृत्तांत से की जाती हैं?

उत्तर- इब्न बतूता के

21. यदि आप इब्न बतूता के स्थान पर होते तो अपने विवरण में किन दो भारतीय वानस्पतिक उपजों का वर्णन करना पसंद करते? या इब्न बतूता कौनसी दो वानस्पतिक उपजों का वर्णन करता हैं?

उत्तर- नारियल और पान का

22. कौनसा विदेशी यात्री भारत में जो कुछ देखता था उसकी तुलना यूरोप से करता था?

उत्तर- फ्रांस्वा बर्नियर।

23. ताराबबाद क्या हैं?

उत्तर- इब्न बतूता के विवरण अनुसार दौलताबाद में पुरुष और महिला गायकों के लिए एक बाजार है, जिसे ताराबबाद कहते हैं।

24. बर्नियर द्वारा मुगलकालीन शहरों को क्या नाम दिया गया?

उत्तर- शिविर नगर

शेखावाटी मिशन-100

25. कौनसा विदेशी यात्री भारतीय डाक प्रणाली की कार्यकुशलता को देखकर चकित हुआ?

उत्तर- इब्न बतूता।

26. इब्न बतूता के अनुसार भारत में कितने प्रकार की डाक व्यवस्था थी? उनका नाम लिखिए

उत्तर- दो प्रकार की। (i) अश्व (घोड़ा) डाक व्यवस्था (उलुक) (ii) पैदल डाक व्यवस्था (दावा)

27. जब.............सिंध पहुँचा तो उसने..........के लिए भेंट स्वरूप घोड़े, ऊँट तथा दास खरीदें।

उत्तर- इब्न बतूता, मुहम्मद बिन तुगलक।

28. इब्न बतूता के अनुसार दिल्ली शहर के कितने द्वार/दरवाजे हैं? इनमें से सबसे विशाल दरवाजा कौनसा हैं?

उत्तर- 28 द्वार/दरवाजा हैं। सबसे विशाल दरवाजा-बदायूँ दरवाजा

29. किस विदेशी यात्री ने मुगलकालीन कारखानों की कार्यप्रणाली का विस्तृत वर्णन किया हैं?

उत्तर- फ्रांस्वा बर्नियर ने।

30. दासों के बारे में विस्तृत वर्णन किस विदेशी यात्री ने किया हैं?

उत्तर- इब्न बतूता ने

31. ट्रैवल्स इन द मुगल एम्पायर किसकी रचना हैं?

उत्तर- फ्रांस्वा बर्नियर की।

32. बर्नियर किस देश का निवासी था?

उत्तर- फ्रांस का

33. फ्रांस्वा बर्नियर कौन था?

उत्तर- फ्रांस का रहने वाला फ्रांस्वा बर्नियर एक चिकित्सक, राजनीतिक, दार्शनिक तथा इतिहासकार था

34. किस विदेशी यात्री ने मुगलकालीन शहरों को शिविर नगर कहा।

उत्तर- फ्रांस्वा बर्नियर ने।

35. कौनसा विदेशी यात्री विशेष रूप से भारत की व्यापारिक स्थितियों से प्रभावित था और उसने भारत की तुलना ईरान और ऑटोमन साम्राज्य से की?

उत्तर- जौहरी ज्यौं-बैप्टिस्ट तैवर्नियर।

36. फ्रांस बर्नियर किस अवधि तक भारत में रहा? उस अवधि में भारत में किस राजवंश का शासन था?

उत्तर- 1656 ई. से 1668 ई. तक (बारह वर्ष तक)। मुगल वंश का शासन था।

शेखावाटी मिशन-100

लघुत्तरात्मक प्रश्न

1. उलुक और दावा क्या हैं/उलुक एवं दावा में अंतर स्पष्ट कीजिए?

उत्तर- इब्न बतूता के विवरण अनुसार अश्व (घोड़ा) डाक व्यवस्था को उलुक कहा जाता था, जबकि पैदल डाक व्यवस्था को दावा कहा जाता था

2. इब्न बतूता भारतीय डाक प्रणाली की कार्यकुशलता देखकर चकित क्यों हुआ? उल्लेख कीजिए

उत्तर- इब्न बतूता के अनुसार डाक प्रणाली इतनी कुशल थी कि जहां सिंध से दिल्ली की यात्रा में 50 दिन लगते थे, वहीं गुप्तचरों की खबरें सुल्तान तक इस डाक व्यवस्था के माध्यम से मात्र 5 दिन में पहुंच जाती थी

3. बर्नियर ने भूमि पर राजकीय स्वामित्व को राज्य तथा उसके निवासियों दोनों के लिए हानिकारक/विनाशकारी क्यों माना। तीन कारण या दोष बताईए? या भूस्वामित्व पर बर्नियर के विचारों का संक्षिप्त विवेचन कीजिए?

उत्तर- इब्न बतूता के अनुसार भारत और यूरोप के बीच मूल भिन्नताओं में से एक भारत में निजी भूस्वामित्व का अभाव था। बर्नियर ने भूमि पर राजकीय स्वामित्व को राज्य तथा उसके निवासियों, दोनों के लिए हानिकारक माना

(i) बर्नियर के अनुसार भूधारक अपने बच्चों को भूमि नहीं दे सकते थे। इसलिए वे उत्पादन के स्तर को बनाए रखने के प्रति उदासीन थे।

(ii) राजकीय भूस्वामित्व ने बेहतर भूधारकों के वर्ग के उदय को रोका, जो भूमि के रखरखाव व बेहतरी के प्रति सजग रहते

(iii) राजकीय भूस्वामित्व के कारण खेत झाड़ीदार तथा घातक दलदल से भरें हुए थे

4. बर्नियर के अनुसार उपमहाद्वीप में किसानों को किन-किन समस्याओं से जूझना पड़ता था? तीन समस्याओं का उल्लेख कीजिए

उत्तर- (i) उपजाऊ कृषि क्षेत्र बहुत ही सीमित थे। अधिकांश भूमि बंजर तथा रेतीली थी।

(ii) कृषि योग्य भूमि का एक बड़ा भाग श्रमिकों के अभाव में कृषि विहिन रह जाता है

(iii) गरीब लोग अपने लालची स्वामियों की मांगों को पूरा करने में असमर्थ हो जाते हैं, तो उन्हें जीविका के साधनों के साथ-साथ अपने बच्चों से भी हाथ धोना पड़ता हैं। उनके बच्चों को दास बना लिया जाता हैं।

5. फ्रांस्वा बर्नियर किस प्रकार मुगल दरबार से नजदीकी रूप से जुड़ा रहा? या फ्रांस्वा बर्नियर का संक्षिप्त परिचय दीजिए?

उत्तर- बर्नियर एक चिकित्सक, राजनीतिक, दार्शनिक तथा एक इतिहासकार था।

- बर्नियर मुगलकाल में भारत आया। वह 1656 ई. से 1668 ई. तक भारत में 12 वर्ष तक रहा

- बर्नियर मुगल दरबार से नजदीकी रूप से जुड़ा रहा, पहले सम्राट शाहजहां के ज्येष्ठ पुत्र दारा शिकोह के चिकित्सक के रूप में और बाद में मुगल दरबार के एक आर्मीनियाई अमीर दानिशमंद खान के साथ एक बुद्धिजीवी तथा वैज्ञानिक के रूप में

6. अल बिरूनी द्वारा वर्णित फारस के चार सामाजिक वर्णों का उल्लेख कीजिए? या फारस के सामाजिक वर्णों का उल्लेख करने के पीछे अल बिरूनी का क्या उद्देश्य था?

उत्तर- (i) घुड़सवार और शासक वर्ग, (ii) भिक्षु, आनुष्ठानिक पुरोहित तथा चिकित्सक,

(iii) खगोलशास्त्री तथा अन्य वैज्ञानिक (iv) कृषक तथा शिल्पकार

अल बिरूनी यह दिखाना चाहता था कि ये सामाजिक वर्ग भारत तक ही सीमित नहीं थे, बल्कि ये अन्य देशों में भी थे।

7. किताब-उल-हिन्द पर टिप्पणी कीजिए?

उत्तर- अरबी में लिखी गई अल बिरूनी की कृति किताब-उल-हिन्द की भाषा सरल और स्पष्ट है। किताब-उल-हिन्द 80 भागों में विभाजित हैं। किताब-उल-हिन्द एक विस्तृत ग्रंथ है, जो धर्म और दर्शन, त्यौहारों, खगोल विज्ञान, कीमिया (रसायनशास्त्र में कृत्रिम सोना बनाने की विधि) कानून, सामाजिक जीवन आदि विषयों से संबंधित है।

8. इब्न बतूता ने उपमहाद्वीप के कौनसे दो शहरों का दौरा किया, जिनका वर्णन अपने यात्रा वृत्तांत में किया हैं? या इब्न बतूता ने भारतीय शहरों के सम्बन्ध में जो लिखा है, उस पर प्रकाश डालिए

उत्तर- इब्न बतूता के अनुसार भारतीय शहर उन लोगों के लिए व्यापक अवसरों से भरपूर थे, जिनके पास आवश्यक इच्छा, संसाधन तथा कौशल है।

(i) दिल्ली-इब्न बतूता दिल्ली को भारत में सबसे बड़ा शहर बताता हैं

(ii) दौलताबाद (महाराष्ट्र)-इब्न बतूता के अनुसार इसमें पुरुष और महिला गायकों के लिए ताराबबाद नामक बाजार भी था।

9. इब्न बतूता एक हठीला यात्री था। कथन की व्याख्या कीजिए

उत्तर- इब्न बतूता एक हठीला यात्री था जिसने उत्तर-पश्चिमी अफ्रीका में अपने निवास स्थान मोरक्को वापस जाने से पूर्व कई वर्ष उतरी अफ्रीका, पश्चिमी एशिया, मध्य एशिया के कुछ भाग, भारतीय उपमहाद्वीप तथा चीन की यात्रा की थी।

10. इब्न बतूता के अनुसार दासों में काफी विभेदथा। स्पष्ट कीजिए। या इब्न बतूता ने दास-दासियों का वर्णन किस प्रकार किया हैं?

उत्तर- इब्न बतूता के अनुसार बाजारों में दास किसी भी अन्य वस्तु की तरह खुले आम बेचे जाते थे और नियमित रूप से भेंट स्वरूप दिए जाते थे

इब्न बतूता के विवरण से प्रतीत होता है कि दासों में काफी विभेद था। सुल्तान की सेवा में कार्यरत कुछ दासियां संगीत गायन में निपुण थीं। सुल्तान अपने अमीरों पर नजर रखने के लिए दासियों को भी नियुक्त करता था। दासों को सामान्यत: घरेलू श्रम के लिए ही इस्तेमाल किया जाता था। दासों की कीमत, विशेष रूप से उन दासियों की जिनकी आवश्यकता घरेलू श्रम के लिए थी, बहुत कम होती थी।

11. सती प्रथा के कौनसे तत्वों ने बर्नियर का ध्यान अपनी ओर खींचा? संक्षिप्त वर्णन कीजिए

उत्तर- बर्नियर ने सती प्रथा को विस्तृत विवरण के लिए चुना। उसने लिखा कि हालांकि कुछ महिलाएं प्रसन्नता से मृत्यु को गले लगा लेती थी, अन्य को मरने के लिए बाध्य किया जाता हैं। बर्नियर के अनुसार यह क्रुर प्रथा थी, जिसमें पति की मृत्यु होने पर विधवा स्त्री को जीवित ही अग्नि में भेंट चढ़ा दिया जाताथा, इस प्रक्रिया में ब्राह्मण व घर की बड़ी महिलाएं भी भाग लेती थी। सती होने वाली विधवा के हाथ-पैर बाँध दिये जाते थे ताकि वह सती स्थल से भाग न सकें।

शेखावाटी मिशन-100

12. अल बिरूनी का संक्षिप्त परिचय दीजिए?

उत्तर- जन्म-973 ई. में, उज्बेकिस्तान में स्थित ख्वारिज्म में

1017 ई. में ख्वारिज्म पर आक्रमण के पश्चात् महमूद गजनवी ने अल-बिरूनी को अपने साथ राजधानी गजनी ले आया। अल बिरूनी ने 70 वर्ष की आयु में अपनी मृत्यु तक बाकी जीवन गजनी में ही बिताया। अल बिरूनी द्वारा अरबी भाषा में लिखी गई किताब-उलन-हिन्द 80 अध्यायों में विभाजित हैं?

अध्याय-5
भक्ति-सूफी परम्परा

1. प्रसिद्ध जगन्नाथ मंदिर स्थित है–
(अ) अजमेर (ब) पुरी (स) तंजौर (द) बोधगया (ब)

2. संत कवि अप्पार संबदंर और सुंदरार की धातु प्रतिमाएं शिव मंदिर में स्थापित करवाने वाला चोल शासक था–
(अ) परान्तक प्रथम (ब) राजेन्द्र प्रथम (स) राजराज प्रथम (द) विजयालय (अ)

3. गरीब नवाज उपनाम से प्रसिद्ध सूफी संत हैं –
(अ) अमीर खुसरो (ब) शेख निजामुद्दीन औलिया (स) ख्वाजा मुइनुद्दीन चिश्ती (द) सलीम चिश्ती (स)

4. मुगल शहजादी जिसने ख्वाजा मुइनुद्दीन चिश्ती की जीवनी 'मुनिस अल अखाह (आत्मा का विश्वस्त)' रचना की –
(अ) रोशनआरा (ब) जहांआरा (स) गौहारा बेगम (द) गुलबदन बेगम (ब)

5. पद्मावत ग्रन्थ की रचना की –
(अ) अमीर खुसरो (ब) तुलसीदास (स) कबीर (द) मलिक मुहम्मद जायसी (द)

6. सूफी संत जिसे अनुयायी 'सुल्तान–उल–मशेख' (शेखों में सुल्तान) कहकर संबोधित करते थे –
(अ) अमीर खुसरो (ब) शेख निजामुद्दीन औलिया (स) ख्वाजा मुइनुद्दीन चिश्ती (द) सलीम चिश्ती (ब)

7. शेख सलीम चिश्ती की दरगाह स्थित है –
(अ) अजमेर (ब) अजोधन (स) दिल्ली (द) फतेहपुर सीकरी (द)

8. खालसा पंथ की स्थापना की –
(अ) गुरू नानक (ब) गुरू अंगद देव (स) गुरू गोविन्द सिंह (द) गुरू अर्जुन देव (स)

9. मीराबाई के गुरू थे –
(अ) अमीर खुसरो (ब) रामानन्द (स) रैदास (द) तुलसीदास (स)

10. भारत का सबसे प्रभावशाली सूफी सिलसिला माना जाता है –
(अ) चिश्ती (ब) कादिरी (स) सुहरावर्दी (द) नक्शबंदी (अ)

11. मुगल सम्राट जिसने जीवनकाल में चौदह बार अजमेर दरगाह की जियारत की –
(अ) शाहजहां (ब) जहांगीर (स) अकबर (द) औरंगजेब (स)

12. निम्नांकित में से नयनार महिला संत है –
(अ) मीराबाई (ब) अंडाल (स) करइक्काल अम्मइयार (द) राबिया (स)

13. कौनसा ग्रन्थ तमिल वेद के रूप में जाना जाता है –
(अ) तवरम् (ब) बीजक (स) नलयिरादिव्यप्रबंधम् (द) कीर्तनघोष (स)

14. कीर्तनघोष काव्य ग्रन्थ की रचना की –
(अ) अमीर खुसरो (ब) कबीर (स) रैदास (द) शंकरदेव (द)

15. ख्वाजा मुइनुद्दीन चिश्ती की दरगाह स्थित है –
(अ) अजमेर (ब) अजोधन (स) दिल्ली (द) लाहौर (अ)

16. अलवार संत किस मत से संबंधित थे –
(अ) वैष्णव (ब) शैव (स) जैन (द) बौद्ध (अ)

17. नयनार संत किस मत से संबंधित थे –
(अ) वैष्णव (ब) शैव (स) जैन (द) बौद्ध (ब)

शेखावाटी मिशन-100

18. अमीर खुसरो किस सूफी संत का शिष्य था –
(अ) बाबा फरीद (ब) शेख निजामुद्दीन औलिया (स) ख्वाजा मुइनुद्दीन चिश्ती (द) सलीम चिश्ती (ब)
19. शेख निजामुद्दीन औलिया की दरगाह स्थित है –
(अ) अजमेर (ब) अजोधन (स) दिल्ली (द) लाहौर (स)
20. वीर शैव मत के प्रवर्तक हैं–
(अ) बासवन्ना (ब) कबीर (स) रैदास (द) शंकरदेव (अ)

अति लघुत्तरात्मक प्रश्न

रिक्त स्थान की पूर्ति कीजिए –

1. बारह अलवार संतों की रचनाओं का संकलन किया गया जो .... नाम से जाना जाता है।
नलयिरादिव्यप्रबन्धम् (चार हजार पावन रचनाएं)
2. .... नामक अलवार महिला संत ने स्वयं को विष्णु की प्रेयसी मानकर प्रेमभावना को छन्दों में व्यक्त किया।
अंडाल
3. कांस्य में ढ़ाली गई नटराज शिव प्रतिमाओं का निर्माण ....काल में हुआ।
चोल शासनकाल
4. .... मुसलमान समुदाय को निर्देशित करने वाला कानून है।
शरिया
5. खम्बात (गुजरात) में गिरजाघर निर्माण के लिए शाही फरमान जारी करने वाला मुगल सम्राट.......... था।
अकबर
6. वर्ण परम्परा का पालन नहीं करने वाले प्रवासी समुदायों के ....शब्द प्रयोग किया जाता था।
म्लेच्छ
7. सिलसिला का शाब्दिक अर्थ है .... जो शेख और मुरीद के बीच निरन्तर रिश्ते की द्योतक है।
जंजीर
8. पीर की दरगाह पर उनकी बरसी के अवसर पर की जाने वाली जियारत को .... कहा जाता है।
उर्स
9. सूफी संत ....दाता गंज बख्श के रूप में आदरणीय हैं और उनकी दरगाह को दाता दरबार कहा जाता है।
हुजविरी
10. ....पहला सुल्तान था जो अजमेर स्थित ख्वाजा मुइनुद्दीन चिश्ती की दरगाह पर आया था।
मुहम्मद बिन तुगलक
11. ख्वाजा मुइनुद्दीन चिश्ती की दरगाह पर निर्माण कार्य करवाने वाला प्रथम शासक मालवा का सुल्तान.........था।
गियासुद्दीन खिलजी
12. सूफी संत ....को चिराग ए देहली नाम से जाना जाता है।
शेख नसीरूद्दीन
13. कबीर को भक्ति का मार्ग दिखाने वाले गुरू ....थे।
रामानन्द
14. बाबा नानक ने अपने अनुयायियों को सिख समुदाय में संगठित किया और अपने अनुयायी ....को अपने बाद गुरूपद पर आसीन किया।
अंगद
15. पांचवें गुरू अर्जुनदेव ने बाबा नानक तथा उनके चार उतराधिकारी, सूफी संत बाबा फरीद, रैदास और कबीर की बानी को ....में संकलित किया।
आदि ग्रन्थ साहिब
16. सिखों के पवित्र ग्रन्थ गुरू ग्रन्थ साहिब का संकलन ....ने करवाया।
गुरू गोविन्द सिंह
17. सूफी संतों द्वारा अपने अनुयायियों और सहयोगियों को लिखे हुए पत्रों का संकलन ....नाम से जाना जाता है।
मक्तुबात
18. सिंध प्रान्त के लोकप्रिय सूफी संत ....हैं जिन्हें मस्त कलन्दर उपनाम से जाना जाता है।
हजरत लाल शाहबाज कलन्दर

शेखावाटी मिशन-100

19. संत ज्ञानदेव, तुकाराम और मुक्ताबाई का सम्बन्ध ....राज्य से है।
महाराष्ट्र
20. चैतन्य महाप्रभु ने भक्ति आंदोलन ....क्षेत्र में लोकप्रिय बनाया।
बंगाल
21. उत्तर भारत में भक्ति आंदोलन के प्रसार का श्रेय संत......... और उनके बारह शिष्यों को है।
रामानन्द

अति लघुत्तरात्मक प्रश्न

1. चोल शासकों द्वारा निर्मित शिव मंदिरों के नाम बताइए।
उत्तर– 1. चिदम्बरम् 2. तंजावुर 3. गंगैकोण्डचोलपुरम्
2. प्रारम्भिक भक्ति आंदोलन कब और किनके नेतृत्व में प्रारम्भ हुआ ?
उत्तर – प्रारम्भिक भक्ति आंदोलन छठी शताब्दी में अलवार और नयनार संतों के नेतृत्व में प्रारम्भ हुआ।
3. बासवन्ना के अनुयायी क्या कहलाते हैं ?
उत्तर – बासवन्ना के अनुयायी वीर शैव तथा लिंगायत कहलाते हैं।
4. शरिया से क्या आशय है ?
उत्तर – इस्लामी कानून शरिया कहलाता है जो कुरान शरीफ और हदीस पर आधारित है।
5. उलमा से क्या आशय है ?
उत्तर – उलमा इस्लामी कानून के ज्ञाता और व्याख्याकार होते थे। सैद्धान्तिक रूप से मुसलमान शासकों को उलमा के मार्गदर्शन पर चलना होता था। उलमा से यह अपेक्षा की जाती थी कि वे शासन में शरिया का अमल सुनिश्चित करवाएँगें।
6. जजिया कर क्या था ?
उत्तर – जजिया एक धार्मिक कर था जिसे मुस्लिम शासक अपने राज्य की गैर इस्लामी प्रजा से संरक्षण की एवज में वसुलते थे।
7. जिम्मी से क्या अभिप्राय है ?
उत्तर –इस्लामी शासकों के राज्य में निवास करने वाली यहूदी और ईसाई प्रजा को जिम्मी कहा जाता था।
8. हदीस से आप क्या समझते हैं ?
उत्तर – हदीस ग्रन्थ को इस्लामी कानून का स्त्रोत माना जाता है। हदीस का अर्थ है – पैगम्बर साहब से जुड़ी परम्पराएँ जिनके अन्तर्गत उनकी स्मृति से जुड़े शब्द और क्रियाकलाप आते हैं।
9. मातृगृहता परिपाटी से क्या अभिप्राय है ?
उत्तर – मातृगृहता परिपाटी वह परिपाटी है जहाँ स्त्रियाँ विवाह के पश्चात पति और संतान सहित मायके में ही रहती हैं।
10. 'मुकुट का नगीना ' नाम से कश्मीर की कौनसी मस्जिद प्रसिद्ध है ?
उत्तर – शाह हमदान मस्जिद
11. कादिरी सूफी सिलसिले के संस्थापक कौन थे ?
उत्तर – अब्दुल कादिर जिलानी
12. चिश्ती सिलसिले के नामकरण के बारे में बताइए।
उत्तर – प्रसिद्ध सूफी सिलसिले चिश्ती का नामकरण मध्य अफगानिस्तान के चिश्ती शहर के आधार पर हुआ है।
13. जियारत से आप क्या समझते हैं ?
उत्तर – आध्यात्मिक आशीर्वाद यानी बरकत की कामना के लिए सूफी संत की दरगाह पर की जाने वाली धार्मिक यात्रा को जियारत कहा जाता है।
14. बाबा फरीद की काव्य रचनाएँ किस ग्रन्थ में संकलित हैं ?
उत्तर – आदि ग्रन्थ साहिब
15. चिश्ती समा से आप क्या समझते हैं ?
उत्तर – चिश्ती उपासना परम्परा में नाच और संगीत का विशेष महत्व है। सूफियों के आध्यात्मिक संगीत की महफिल को समा नाम से जाना जाता है।
16. कौल का अर्थ स्पष्ट कीजिए।
उत्तर – कौल अरबी भाषा का शब्द है जिसका अर्थ होता है – कहावत। कौल को कव्वाली गायन के शुरूआत और अंत में गाया जाता है।
17. कव्वाली गायन में कौल (कहावत) के प्रचलन का श्रेय किसे है ?
उत्तर – अमीर खुसरो

शेखावाटी मिशन-100

18. उन दो सूफी संतों के नाम बताइए जिन्होनें शाही भेंट को अस्वीकार कर दिया।
उत्तर – शेख निजामुद्दीन औलिया और शेख फरीदुद्दीन

19. मुगल सम्राट अकबर के अपने समकालीन किस सूफी संत से घनिष्ट संबंध थे ?
उत्तर – शेख सलीम चिश्ती

20. निर्गुण भक्ति परम्परा को लोकप्रिय बनाने वाले दो प्रसिद्ध संतों के नाम बताइए।
उत्तर – बाबा नानक और कबीर

21. कबीर का पालन पोषण करने वाले जुलाहा दंपती का नाम बताइए।
उत्तर – नीरू व नीमा।

22. गुरू नानक का जन्म कब और कहां हुआ ?
उत्तर – गुरू नानक का जन्म 1469 ई. में पंजाब के ननकाना गांव में हुआ।

23. देवी की आराधना पद्धति को किस नाम से जाना जाता है ?
उत्तर – देवी की आराधना पद्धति को तांत्रिक नाम से जाना जाता है।

24. नयनार संतों के शैव भजनों का संकलन किस तमिल ग्रन्थ में किया गया है ?
उत्तर – तवरम्।

25. शरिया की अवहेलना करने वाले सूफी क्या कहलाते थे ?
उत्तर – बे– शरिया (शरिया कानून की अवहेलना करने वाले सूफी संत)

26. शरिया का पालन करने वाले सूफी क्या कहलाए ?
उत्तर – बा – शरिया (शरिया कानून का पालन करने वाले सूफी संत)

27. खानकाह से आप क्या समझते हैं ?
उत्तर – सूफी संतों के रहने का स्थान खानकाह कहलाता है जो सूफियों के सामाजिक जीवन का केन्द्र बिन्दु था।

28. सूफीवाद क्या है ?
उत्तर – इस्लाम की प्रेममार्गी और रहस्यवादी शाखा सूफीवाद के नाम से जानी जाती है।

29. तज़किरा क्या है ?
उत्तर – सूफी संतों की जीवनियों का स्मरण तज़किरा कहलाता है।

30. कश्फ–उल–महजुब नामक पुस्तक किसने लिखी ?
उत्तर – अबुल हसन अल हुजविरी

31. फवाइद अल फआद ग्रन्थ की रचना किसने की ?
उत्तर – अमीर हसन सिज़जी

<u>लघुत्तरात्मक प्रश्न –</u>

1. धार्मिक इतिहासकार भक्ति परम्परा को किन मुख्य वर्गों में विभाजित करते हैं ?
उत्तर – धार्मिक इतिहासकार भक्ति परम्परा को दो वर्गों में विभाजित करते हैं – सगुण भक्ति तथा निर्गुण भक्ति। सगुण भक्ति में शिव, विष्णु एवं उनके अवतारों तथा देवियों की साकार रूप में उपासना की जाती है। निर्गुण भक्ति परम्परा में निराकार ईश्वर की उपासना की जाती है।

2. कबीर की बानी कौनसी विशिष्ट परम्पराओं में संकलित है ?
उत्तर – कबीर की बानी तीन विशिष्ट परम्पराओं में संकलित है – (1) कबीर बीजक कबीरपंथियों द्वारा वाराणसी तथा उत्तर प्रदेश के अन्य स्थानों पर संरक्षित है (2) कबीर ग्रन्थावली का संबंध राजस्थान के दादूपंथियों से है (3) कबीर के कई पद आदि ग्रन्थ साहिब में संकलित हैं।

3. भक्ति आंदोलन में मीराबाई के योगदान पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए।
उत्तर – मीराबाई महिला संत और सुप्रसिद्ध कवयित्री थी जिनका संबंध मेवाड़ राजकुल से था। वे मेवाड़ के शासक राणासांगा की पुत्रवधु थी। पति की असामयिक मृत्यु के बाद उन्होनें संन्यास ग्रहण कर लिया और शेष जीवन अपने आराध्य श्रीकृष्ण की भक्ति को समर्पित कर दिया। मीराबाई ने श्रीकृष्ण के प्रति अनुराग व्यक्त करते हुए अनेक गीतों की रचना की। उनके द्वारा रचित भजन आज भी राजस्थान और गुजरात क्षेत्र में काफी लोकप्रिय हैं। मीराबाई को जातिवादी समाज की रूढ़ियों के बंधनों पर प्रहार करने वाली महिला संत के रूप में याद किया जाता है।

4. भक्ति आंदोलन में शंकरदेव के योगदान पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए।
उत्तर – शंकरदेव असम क्षेत्र में वैष्णव धर्म के मुख्य प्रचारक थे। उनके उपदेशों को भगवती धर्म कहकर संबोधित किया जाता है। शंकरदेव की प्रमुख काव्य रचना कीर्तनघोष है।

5. पंच ककार परम्परा क्या है ?

शेखावाटी मिशन-100

उत्तर – गुरू गोविन्द सिंह ने सिखों को पाँच प्रतीक धारण करने का आदेश दिया, जिसे पंच ककार कहा जाता है। ये पाँच प्रतीक हैं– बिना कटे केश, कृपाण, कंघा, कच्छा और कड़ा।

6. कर्नाटक की वीरशैव परम्परा पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए।

उत्तर – बारहवीं शताब्दी में कर्नाटक में बासवन्ना के नेतृत्व में एक नवीन धार्मिक आंदोलन का उद्भव हुआ। बासवन्ना के अनुयायी वीरशैव व लिंगायत कहलाए। इस समुदाय के लोग शिव की पूजा लिंग के रूप में करते हैं। लिंगायतों ने जाति की अवधारणा और पुनर्जन्म सिद्धान्त का विरोध किया।

7. सूफीवाद और भक्ति आंदोलन की समानताओं पर टिप्पणी लिखिए।

उत्तर– सूफीवाद और भक्ति आंदोलन ने एक दूसरी विचारधारा को प्रभावित किया और दोनों में अनेक समान विशेषताएं दिखाई देती हैं – (1) एकेश्वरवाद (2) मानवतावादी दृष्टिकोण (3) प्रेममार्गी विचारधारा (4) गुरू की महिमा का गुणगाान (5) सहनशीलता

8. ''कबीर और नानक सामाजिक चेतना के प्रहरी थे '' कथन की समीक्षा कीजिए।

उत्तर – मध्यकालीन भक्ति आंदोलन में संत कबीर व गुरू नानक का महान योगदान है। कबीर और नानक ने एक समान धार्मिक और सामाजिक बुराइयों का विरोध किया। इन दोनों संतों ने जाति प्रथा और सामाजिक भेदभाव को अस्वीकार कर दिया और धार्मिक पाखण्डों और कर्मकाण्डों के प्रति जनसामान्य को जागृत करने का प्रयास किया। ये दोनों संत सरल जीवन और उपासना पद्धति के समर्थक थे। इस प्रकार कबीर और नानक धार्मिक उपदेशक होने के साथ साथ सामाजिक चिंतक भी माने जाते हैं।

9. महान और लघु परम्पराओं से आप क्या समझते हैं ?

उत्तर – समाजशास्त्री रॉबर्ट रेडफील्ड ने कृषक समाज के धार्मिक और सांस्कृतिक आचरणों को महान व लघु परम्पराओं में विभक्त किया है।रेडफील्ड के अनुसार कृषक समाज उन कर्मकाण्डों और पद्धतियों का अनुसरण करने में अधिक रूचि रखते थे जो समाज के अभिजात वर्ग – राजा और पुरोहितों द्वारा अपनाई जाती थी। इन कर्मकाण्डों को रेडफील्ड ने महान परम्परा कहा है। कृषक समुदाय सामाजिक जीवन में जिन स्थानीय लोकाचारों का पालन करते थे , उन्हें लघु परम्परा के नाम से संबोधित किया गया है।

10. इतिहासकार धार्मिक परम्परा के इतिहास के पुनर्निर्माण करने के लिए किन किन स्त्रोतों का उपयोग करते है ?

उत्तर – धार्मिक परम्पराओं के इतिहास के पुनर्निर्माण में मूर्तियां, स्थापत्य कला, धर्मगुरूओं से जुड़ी लोक कहानियां तथा संत कवियों की साहित्यिक काव्य रचनाएं इतिहासकारों के लिए सहायक स्त्रोत हैं। इतिहासकार इन संत कवियों के अनुयायियों द्वारा लिखी गई उनकी जीवनियों का भी इस्तेमाल करते हैं हालाँकि यह जीवनियां अक्षरतः सत्य नहीं स्वीकार की जा सकती हैं।

11. भारतीय उपमहाद्वीप में चिश्ती सिलसिले के प्रसार पर संक्षिप्त विवरण प्रस्तुत कीजिए।

उत्तर – भारत आने वाले सूफी सम्प्रदायों मे चिश्ती सिलसिला सबसे लोकप्रिय व प्रभावशाली सिलसिला माना जाता है। चिश्ती सिलसिले के शेखों ने न केवल अपने आप को स्थानीय परिवेश में ढ़ाला अपितु भारतीय भक्ति परम्परा की अनेक विशेषताओं को आत्मसात किया। भारत में चिश्ती सिलसिले के संस्थापक ख्वाजा मुइनुद्दीन चिश्ती थे। शेख निजामुद्दीन औलिया ने कई आध्यात्मिक वारिसों का चुनाव किया और उन्हें उपमहाद्वीप के विभिन्न भागों में खानकाह स्थापित करने के लिए नियुक्त किया। इस वजह से चिश्तियों के उपदेश, व्यवहार और संस्थाएं तथा शेख निजामुद्दीन औलिया का यश सम्पूर्ण उपमहाद्वीप में फैल गया और चिश्ती सिलसिले को व्यापक लोकप्रियता प्राप्त हुई।

12. चिश्ती सिलसिले से संबंधित प्रमुख उपदेशकों व मुख्य केन्द्रों के नाम बताइए।

चिश्ती सिलसिला के मुख्य उपदेशक और केन्द्र

क्र. सं.	सूफी संत	दरगाह
1	ख्वाजा मुइनुद्दीन चिश्ती	अजमेर
2	शेख कुतुबुद्दीन बख्तियार काकी	दिल्ली
3	शेख फरीदुद्दीन गंज ए शकर	अजोधन (पंजाब)
4	शेख निजामुद्दीन औलिया	दिल्ली
5	शेख नसीरूद्दीन चिराग ए देहली	दिल्ली

13. प्रारम्भिक अलवार और नयनार संतों के जाति व्यवस्था के संबंध में विचारों पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए।

उत्तर – इतिहासकारों का मानना है कि अलवार और नयनार संतों ने जाति प्रथा और ब्राह्मणवादी प्रभुत्व के विरोध में आवाज उठाई। कुछ हद तक ये बात सत्य भी प्रतीत होती है क्योंकि शिल्पकार, किसान और अस्पृश्य माने जाने वाले विविध समुदायों से भी भक्ति संत आये। तोंदराडिप्पोडि नामक अलवार संत व अप्पार नामक नयनार संत ने वर्ण व्यवस्था की आलोचना की है।

14. प्रारम्भिक अलवार और नयनार संतों के राज्य के साथ के संबंधों पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए।

उत्तर – परस्पर धार्मिक समुदायों में राजकीय संरक्षण और अनुदानों को लेकर प्रतिस्पर्धा थी। शक्तिशाली चोल शासकों ने विष्णु और शिव के मंदिरों के निर्माण के लिए भूमि अनुदान दिये। चोल सम्राटों ने दैवीय समर्थन पाने का दावा किया और अपनी सता के प्रदर्शन के लिए भव्य मंदिरों का निर्माण करवाया। अलवार और नयनार संत वेल्लाल कृषकों से सम्मानित होते थे। चोल सम्राटों ने तमिल भाषा के शैव भजनों का गायन मंदिरों में प्रचलित किया।

शेखावाटी मिशन-100

अध्याय-6
एक साम्राज्य की राजधानी-विजयनगर

अतिलघुत्तरात्मक प्रश्न

1. विजयनगर साम्राज्य/संगम वंश की स्थापना किसने एवं कब की?

उत्तर- हरिहर और बुक्का नामक दो भाइयों ने 1336 ई. में।

2. विजयनगर साम्राज्य के संस्थापक कौन थे?

उत्तर- हरिहर और बुक्का।

3. विजयनगर साम्राज्य में घोड़ों के व्यापारियों के स्थानीय समूह को क्या कहा जाता था?

उत्तर- कुदिरई या चेट्टी।

4. विजयनगर के पहले राजवंश का नाम बताइए?

उत्तर- संगम वंश (1336 - 1485 ई. तक)

5. किस शासक ने अपनी माँ के नाम पर विजयनगर के समीप ही नगलपुरम् नामक उपनगर की स्थापना की?

उत्तर- कृष्णदेव राय ने।

6. विजयनगर साम्राज्य के सबसे प्रसिद्ध शासक का नाम, कार्यकाल अवधि भी लिखिए?

उत्तर- कृष्णदेव राय। 1509 ई.- 1529 ई. के बीच

7. अमुक्तमंल्यद नामक ग्रंथ की भाषा एवं लेखक का नाम बताइए?

उत्तर- भाषा-तेलुगु, लेखक-कृष्णदेव राय

8. कृष्णदेव राय किस वंश से संबंद्ध थे?

उत्तर- तुलुव वंश से।

9. विजयनगर पर संगम वंश के बाद किस राजवंश ने शासन किया?

उत्तर- सुलुव वंश ने (1485-1503 ई. तक)

10. राक्षसी-तांगड़ी/तालीकोटा का युद्ध कब हुआ और किन-किन के मध्य हुआ?

उत्तर- 1565 ई. में, विजयनगर और बीजापुर, गोलकुंडा, अहमदनगर की संयुक्त सेनाओं के मध्य। विजयी सेनाओं ने 1565 ई. में विजयनगर शहर पर आक्रमण कर लूटा।

11. तालीकोटा युद्ध में विजयनगर की सेना का नेतृत्व किसने किया?

उत्तर- विजयनगर के प्रधानमंत्री रामराय ने। (रामराय ने दक्कन सुल्तानों को एक-दूसरे के विरुद्ध करने की जोखिम भरी नीति अपनाई थी।)

12. विजयनगर के किस शासक ने "यवन राज्य की स्थापना करने वाला" का विरुद्ध/उपाधि धारण की

उत्तर- कृष्णदेव राय ने।

13. अमर-नायक प्रणाली किस साम्राज्य की एक प्रमुख राजनीतिक खोज थी?

उत्तर- विजयनगर साम्राज्य की

14. विजयनगर साम्राज्य में अमर नायक कौन थे?

उत्तर- सैनिक कमांडर

15. विजयनगर साम्राज्य में राय किसे कहा जाता था?

उत्तर- विजयनगर के शासकों को।

16. विजयनगर की भौगोलिक स्थिति के विषय में सबसे चौंकाने वाला तथ्य............द्वारा यहां निर्मित एक प्राकृतिक कुण्ड है?

उत्तर- तुंगभद्रा नदी

शेखावाटी मिशन-100

17. विट्ठल किस देवता का स्वरूप माने जाते हैं?

उत्तर- विष्णु देवता का।

18. विरुपाक्ष किस देवता का एक रूप माने जाते हैं?

उत्तर- शिव देवता का।

19. विजयनगर की स्थानीय मातृदेवी किसको माना जाता है?

उत्तर- पम्पादेवी को

20. विजयनगर साम्राज्य के संरक्षक देवता किसको माना जाता था?

उत्तर- विरुपाक्ष (शिव का रूप)

21. 1815 ई. में किसे भारत का पहला सर्वेयर जनरल बनाया गया?

उत्तर- कॉलिन मैकेन्जी को

22. हम्पी के भग्नावशेष किसके द्वारा प्रकाश में लाए गए थे?

उत्तर- 1800 ई. में कॉलिन मैकेन्जी द्वारा।

23. विजयनगर के शासक किसकी ओर से शासन करने का दावा करने थे?

उत्तर- भगवान विरूपाक्ष की ओर से।

24. कौनसा विदेशी यात्री विजयनगर शहर की किलेबंदी से बहुत प्रभावित हुआ और उसने दुर्गों की सात पंक्तियां का उल्लेख किया?

उत्तर- पन्द्रहवीं शताब्दी में फारस के शासक द्वारा कालीकट (कोजीकोड) भेजें गये दूत अब्दुर रज्जाक ने।

25. विजयनगर मंदिर स्थापत्य की विशिष्ट विशेषताओं में से एक का नाम बताइए?

उत्तर- गोपुरमों का निर्माण। गोपुरम - मंदिर का प्रवेश द्वार।

26. हम्पी को राष्ट्रीय महत्त्व के स्थल के रूप में मान्यता कब मिलीं?

उत्तर- 1976 ई. में

27. विजयनगर को वर्तमान में किस नाम से जाना जाता है?

उत्तर- हम्पी (हम्पी नाम का आविर्भाव स्थानीय मातृदेवी पम्पादेवी के नाम से हुआ)

28. 14वीं-16वीं शताब्दी के मध्य कौनसा नगर दक्षिण भारत में एक साम्राज्य के रूप में विकसित हुआ?

उत्तर- विजयनगर

लघुत्तरात्मक प्रश्न

1. विजयनगर के शासकों के लिए मंदिरों और सम्प्रदायों को प्रश्रय देना क्यों महत्त्वपूर्ण था?

उत्तर- विजयनगर के शासकों ने मंदिरों और सम्प्रदायों को प्रश्रय/संरक्षक दिया, क्योंकि शासक अपने आप को ईश्वर से जोड़ने के लिए मंदिर निर्माण को प्रोत्साहन देते थे। शासक मन्दिरों के निर्माण, मरम्मत तथा देव-स्थलों में प्रतिष्ठित देवी-देवताओं से संबंध के माध्यम से अपनी सता को स्थापित करने तथा वैधता प्रदान करने का प्रयास करते थे

2. विजयनगर के विट्ठल मंदिर की विशेषताएं बताइये?

उत्तर- विजयनगर के धार्मिक केन्द्र में स्थित विट्ठल मंदिर भी दूसरा महत्वपूर्ण देवस्थल है
विट्ठल देवता महाराष्ट्र में पूजे जाने वाले विष्णु के एक रूप है
विट्ठल मंदिर में रथ के आकार का एक अनूठा मंदिर भी हैं।
विट्ठल मंदिर परिसरों की एक चारित्रिक विशेषता रथ गलियाँ है जो मंदिर के गोपुरम से सीधी रेखा में जाती हैं।

3. विजयनगर साम्राज्य में कृषि क्षेत्रों को किलेबंद भू-भाग में क्यों समाहित किया जाता था?

उत्तर- मध्यकाल में घेराबंदियों का प्रमुख उद्देश्य विपक्षी को खाद्य सामग्री से वंचित कर समर्पण के लिए बाध्य करना होता था
- ये घेराबंदियाँ कई महिनों और यहाँ तक कि वर्षों तक चलती थी, इसलिए शासक ऐसी परिस्थितियों से निपटने के लिए किलेबंद क्षेत्रों के भीतर ही विशाल अन्नागारों का निर्माण करवाते थे
- विजयनगर के शासकों ने पूरे कृषि भू-भाग को बचाने के लिए कृषि क्षेत्रों को किलेबंद भू-भाग में रखने की अधिक महंगी तथा व्यापक नीति को अपनाया

शेखावाटी मिशन-100

4. 10 दिन के हिन्दू त्यौहार, जिसे उत्तर भारत में............,बंगाल में..............., प्रायद्वीप भारत में.............नामों से जाना जाता है

उत्तर- दशहरा, दुर्गा पूजा, नवरात्रि या महानवमी।

5. विरुपाक्ष मंदिर पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए?

उत्तर- शिव के रूप विरुपाक्ष को विजयनगर के संरक्षक देवता के रूप में जाना जाता है। अभिलेखों के अनुसार सबसे प्राचीन मंदिर 9-10 शताब्दियों का था। विजयनगर साम्राज्य की स्थापना के बाद विरुपाक्ष मंदिर को अधिक बड़ा किया गया था

विरुपाक्ष के मुख्य मंदिर के सामने बना मंड़प कृष्णदेव राय ने अपने राज्यारोहण के उपलक्ष्य में बनवाया था। विरुपाक्ष मंदिर के पूर्वी गोपुरम के निर्माण का श्रेय भी कृष्णदेव राय को ही दिया जाता है।

6. विजयनगर के राजकीय केन्द्र में स्थित चार संरचनाओं के नाम लिखिए?

उत्तर- 1. राजा का भवन। राजा के भवन के दो सबसे प्रभावशाली मंच है- सभामंडप एवं महानवमी डिब्बा, 2. लोटस (कमल) महल, 3. हजार राम मंदिर, 4. हाथियों का अस्तबल

7. कॉलिन मैकेन्जी पर टिप्पणी लिखिए?

उत्तर- हम्पी की खोज 1800 ई. में मैकेन्जी ने की। मैकेन्जी ने एक अभियंता, सर्वेक्षक तथा मानचित्रकार के रूप में प्रसिद्धि हासिल की। 1815 ई. में मैकेन्जी को भारत का पहला सर्वेयर जनरल बनाया गया। ईस्ट इंडिया कंपनी में कार्यरत मैकंजी ने हम्पी का पहला सर्वेक्षण मानचित्र तैयार किया।

8. विजयनगर साम्राज्य पर शासन करने वाले चारों राजवंशों का नाम क्रमश: लिखिए?

उत्तर- संगम वंश, सालुव वंश, तुलुव वंश, अराविदु वंश

9. नायक कौन थे?

उत्तर- विजयनगर में सेना प्रमुखों को नायक या अमर नायक कहा जाता था, जो सामान्यत: किलों पर नियंत्रण रखते थे और जिनके पास सशस्त्र समर्थक होते थे

10. हजार राम मंदिर एवं लोटस महल के बारे में आप क्या जानते हैं? या हजार राम मंदिर एवं लोटस महल के बारे में लिखिए?

उत्तर- विजयनगर के राजकीय केन्द्र में स्थित हजार राम मंदिर दर्शनीय है। इस मंदिर का प्रयोग केवल राजा और उनके परिवार द्वारा ही किया जाता था। इस मंदिर के बीच के देवस्थल की मूर्तियाँ अब नहीं है, लेकिन दीवारों पर बनायी गयी मूर्तियाँ सुरक्षित हैं

विजयनगर के राजकीय केन्द्र के सबसे सुंदर भवनों में एक लोटस महल है। लोटस महल का यह नामकरण 19वीं शताब्दी के अंग्रेज यात्रियों ने किया था। यह परिषदीय सदन था, जहां राजा अपने परामर्शदाताओं से मिलता था।

<u>दीर्घउत्तरीय प्रश्न</u>

1. विजयनगर के शासकों ने वर्षा जल संचय के लिए क्या कार्य किये? वर्णन कीजिए या विजयनगर की दो महत्त्वपूर्ण जल संबंधी संरचनाओं का उल्लेख कीजिए? या एक साम्राज्य की राजधानी, विजयनगर में जल-संपदा/जल स्रोत सुविकसित थे। स्पष्ट कीजिए? या विजयनगर के लोग अपनी आवश्यकताओं के लिए जल कैसे प्राप्त करते थे?

उत्तर- विजयनगर साम्राज्य प्रायद्वीप के सबसे शुष्क क्षेत्रों में से एक था इसलिए पानी के संचयन और इसे शहर तक ले जाने के व्यापक प्रबंध करना आवश्यक था। विजयनगर के शासकों ने तुंगभद्रा नदी की सभी धाराओं के साथ-साथ बाँध बनाकर अलग-अलग आकारों के हौजों, जलाशयों एवं नहरों का निर्माण करवाया। जल संबंधी संरचनाऐं:- पन्द्रहवीं शताब्दी के प्रारम्भिक वर्षों में निर्मित कमलपुरम जलाशय के पानी को एक नहर के माध्यम से राजकीय केन्द्र तक ले जाया जाता था

संभवत: संगम वंश के राजाओं द्वारा निर्मित हिरिया नहर में तुंगभद्रा पर बने बाँध से पानी लाया जाता था। हिरिया नहर का प्रयोग धार्मिक केन्द्र से शहरी केन्द्र को अलग करने वाली घाटी को सिंचित करने में प्रयोग किया जाता था। डोमिंगो पेस के अनुसार कृष्णदेव राय ने एक जलाशय का निर्माण करवाया था

2. विजयनगर के शासक कृष्णदेव राय की उपलब्धियों का वर्णन कीजिए? या कृष्णदेव राय की विजयों एवं सांस्कृतिक विकास में उसके योगदान का वर्णन कीजिए?

उत्तर- कृष्णदेव राय तुलुव वंश से संबंधित थे। कृष्णदेव राय ने 1509 ई. से 1529 ई. तक शासन किया। कृष्णदेव राय विजयनगर साम्राज्य का सबसे प्रसिद्ध शासक था

शेखावाटी मिशन-100

कृष्णदेव राय की विजय:- (i) 1512 ई. में तुंगभद्रा और कृष्णा नदियों के बीच स्थित रायचूर दोआब पर अधिकार किया
(ii) 1514 ई. में उड़ीसा के गजपति शासक प्रतापरुद्र को पराजित किया
(iii) 1520 ई. में बीजापुर के सुल्तान को पराजित किया।

कृष्णदेव राय के काल में सांस्कृतिक विकास:- (i) कई महत्त्वपूर्ण दक्षिण भारतीय मंदिरों में भव्य गोपुरमों को जोड़ने का श्रेय कृष्णदेव राय को ही जाता है। (ii) कृष्णदेव राय ने अपनी माँ के नाम पर विजयनगर के समीप ही नगलपुरम् नामक उपनगर की स्थापना की। (iii) कृष्णदेव राय ने तेलुगु भाषा में अमुक्तमंल्यद नामक ग्रंथ की रचना की

3. विजयनगर साम्राज्य के प्रशासन में अमर नायक प्रणाली की भूमिका का उल्लेख कीजिए? या अमर नायक कौन थे? विजयनगर के प्रशासन में उनकी भूमिका का वर्णन कीजिए?

उत्तर- अमर नायक प्रणाली विजयनगर साम्राज्य की एक प्रमुख राजनीतिक खोज थी। इस प्रणाली के कई तत्व दिल्ली सल्तनत की इक्ता प्रणाली से लिए गए थे। अमर नायक सैनिक कमांडर थे, जिन्हें राय द्वारा प्रशासन के लिए राज्यक्षेत्र दिये जाते थे

अमर नायकों के कार्य:- (i) वे अपने क्षेत्र से भू-राजस्व व अन्य कर वसूल करने थे। (ii) राजस्व का कुछ हिस्सा राजा की सहायता के लिए रखी जाने वाली सेना पर खर्च करता था। (iii) राजस्व का कुछ हिस्सा नायक अपने व्यक्तिगत उपयोग के लिए रखता था (iv) राजस्व का एक अंश मंदिरों एवं सिंचाई के साधनों के रख-रखाव के लिए खर्च किया जाता था

अमर नायकों पर नियंत्रण:- (i) अमर नायक राजा को एक वर्ष में एक बार भेंट भेजा करता था। (ii) अपनी स्वामिभक्ति प्रकट करने के लिए राजकीय दरबार में उपहारों के साथ स्वयं नायक उपस्थित होता था (iii) राजा कभी-कभी नायकों को एक से दूसरे स्थान पर स्थानांतरित कर उन पर अपना नियंत्रण दर्शाता था

4. आपके विचार में महानवमी डिब्बा से संबद्ध अनुष्ठानों का क्या महत्व था? या महानवमी डिब्बा के बारे में क्या जानते हैं या महानवमी डिब्बा पर टिप्पणी लिखिए/विशेषताएं बताइये? या महानवमी डिब्बा एवं उससे जुड़े अनुष्ठानों का वर्णन कीजिए?

उत्तर- विजयनगर शहर के सबसे ऊँचे स्थानों में से एक पर स्थित महानवमी डिब्बा एक विशालकाय मंच है, जो लगभग 11000 वर्ग फीट के आधार से 40 फीट की ऊँचाई तक जाता है

महानवमी डिब्बा से जुड़े अनुष्ठान:- महानवमी डिब्बा से जुड़े अनुष्ठान संभवत: सितंबर तथा अक्टूबर के शरद मासों में मनाए जाने वाले 10 दिन के हिन्दू त्यौहार महानवमी के अवसर पर निष्पादित किए जाते थे। (i) मूर्ति की पूजा करना, (ii) राज्य के अश्व (घोड़ें) की पूजा करना (iii) भैंसों और अन्य जानवरों की बलि देना।

महानवमी के अवसर के अन्य प्रमुख आकर्षण:- नृत्य, कुश्ती प्रतिस्पर्धा, सैनिकों की शोभायात्रा, नायकों द्वारा दी जाने वाली भेंट तथा निश्चित कर आदि।

5. विजयनगर की किलेबंदी पर प्रकाश डालिए? या विजयनगर की किलेबंदी की सबसे महत्त्वपूर्ण बात यह थी कि इससे खेतों को भी घेरा गया था। स्पष्ट कीजिए।

उत्तर- पन्द्रहवीं शताब्दी में फारस के शासक द्वारा कालीकट (कोजीकोड) भेजें गये दूत अब्दुर रज्जाक विजयनगर शहर की किलेबंदी से बहुत प्रभावित हुआ और उसने दुर्गों की सात पंक्तियाँ का उल्लेख किया। इससे न केवल शहर को बल्कि कृषि में प्रयुक्त आसपास के क्षेत्र तथा जंगलों को भी घेरा गया था।

कृषि भूमि/खेतों की किलेबंदी:- इस किलेबंदी की सबसे महत्त्वपूर्ण बात यह थी कि इससे खेतों को भी घेरा गया था।

अब्दुर रज्जाक लिखता है कि "पहली, दूसरी और तीसरी दीवारों के बीच जूते हुए खेत, बगीचे तथा आवास है।"

डोमिंगो पेस कहता है "किलेबंदी की पहली परिधि से शहर में प्रवेश करने तक की दूरी बहुत है जिसमें खेत है जहां वे धान उगाते हैं और कई उद्यान है।"

कृषि क्षेत्रों की किलेबंदी के कारण:- मध्यकाल में घेराबंदियों का प्रमुख उद्देश्य विपक्षी को खाद्य सामग्री से वंचित कर समर्पण के लिए बाध्य करना होता था ये घेराबंदियाँ कई महिनों और यहाँ तक कि वर्षों तक चलती थी, इसलिए शासक ऐसी परिस्थितियों से निपटने के लिए किलेबंद क्षेत्रों के भीतर ही विशाल अन्नागारों का निर्माण करवाते थे। विजयनगर के शासकों ने पूरे भू-भाग को बचाने के लिए कृषि क्षेत्रों को किलेबंद भू-भाग में रखने की अधिक महंगी तथा व्यापक नीति को अपनाया

दूसरी किलेबंदी:- नगरीय केन्द्र के आंतरिक भाग के चारों ओर बनीं हुई थी। तीसरी किलेबंदी:- इससे शासकीय केन्द्र को घेरा गया था।

शेखावाटी मिशन-100

अध्याय-7
उपनिवेशवाद और देहात

वस्तुनिष्ठ प्रश्नः-

1. पाँचवीं रिपोर्ट ब्रिटिश संसद में कब पेश की गई?
   (अ) 1793 ई. (ब) 1813 ई. (स) 1803 ई. (द) 1799 ई. (ब)
2. कलकत्ता अलीपुर चिड़ियाघर की स्थापना किसने की थी?
   (अ) फ्रांसिस बुकानन (ब) लार्ड वेलेजली (स) कार्नवालिस (द) बर्नियर (अ)
3. बम्बई प्रांत में राजस्व की कौनसी प्रणाली लागू की गई?
   (अ) इस्तमरारी (ब) स्थायी बंदोबस्त (स) अ व ब दोनों (द) रैयतवाड़ी (द)
4. ब्रिटेन में कपास आपूर्ति संघ की स्थापना कब हुई?
   (अ) 1859 ई. (ब) 1860 ई. (स) 1857 ई. (द) 1858 ई. (स)
5. ब्रिटेन भारत से कपास का आयत करने से पहले किस देश के कपास पर निर्भर था?
   (अ) आस्ट्रेलिया (ब) फ्रांस (स) अमेरिका (द) चीन (स)
6. दक्कन दंगा आयोग की रिपोर्ट ब्रिटिश संसद में कब पेश की गई?
   (अ) 1878 ई. (ब) 1880 ई. (स) 1857 ई. (द) 1879 ई. (अ)
7. जब इस्तमरारी बंदोबस्त लागू किया गया उस समय बर्दवान का राजा कौन था?
   (अ) मेहताबचंद (ब) अमीचंद (स) तेजचंद (द) जगत सेठ (स)
8. योमॅन किसे कहा जाता था?
   (अ) जोतहार (ब) छोटे किसान (स) ताल्लुकदार (द) राजा (ब)
9. बंगाल में शक्तिशाली जमींदारों को किस नाम से जाना था?
   (अ) योमॅन (ब) लठियाल (स) रैंयत (द) राजा (द)

अति लघुत्तरात्मक प्रश्न

1. औपनिवेशिक काल में भारत के किस प्रांत में ग्रामीण समाज को पुनर्व्यवस्थित करने हेतु नयी कौनसी राजस्व प्रणाली स्थापित करने का प्रयत्न किया?

उत्तर- बंगाल प्रांत में, इस्तमरारी बंदोबस्त

2. इस्तमरारी बंदोबस्त बंगाल में कब लागू किया गया तथा उस समय बंगाल का गवर्नर जनरल कौन था?

उत्तर- 1793 ई. में, गवर्नर जनरल लार्ड कार्नवालिस था।

3. इस्तमरारी बंदोबस्त लागू करने के पिछे ब्रिटिश अधिकारियों की क्या मंशा थी?

उत्तर- छोटे किसान एवं भूस्वामियों का एक ऐसा वर्ग का उदय होगा जिसके पास कृषि में सुधार के लिए पूँजी व उद्यम होगे एवं यह वर्ग कम्पनी के प्रति वफादार होगा

4. इस्तमरारी बंदोबस्त क्या है?

उत्तर- इसे स्थायी बंदोबस्त भी कहते है जो बंगाल के जमींदारों व कम्पनी के बीच कर वसूलने की एक स्थायी व्यवस्था थी जिसमें राजस्व की दर निश्चित होती थी

इस बंदोबस्त में जमींदार गाँव में भू-स्वामी नहीं बल्कि राज्य का राजस्व समाहर्ता (संग्राहक) होता था

5. सूर्यास्त विधि (कानून) क्या था?

उत्तर- निश्चित तारीख को सूर्य अस्त होने तक भुगतान नहीं आने पर जमींदारी को नीलाम किया जा सकता था।

शेखावाटी मिशन-100

6. जमींदार किस अधिकारी के माध्यम से राजस्व का संग्रहण करता था?

उत्तर- अमला

7. ''रैयत'' शब्द किसके लिए प्रयोग में लाया जाता था?

उत्तर- किसान

8. जोतदार कौन थे?

उत्तर- उत्तरी बंगाल के धनी किसानों को जोतदार कहते थे जो बटाईदारों के माध्यम से खेती करते थे।

9. बटाईदारों का क्या कार्य होता था?

उत्तर- इन्हें अधियारों या बरगादार भी कहते थे जो स्वयं के हल से खेती करते थे तथा उपज का आधा हिस्सा जोतदारों को देते थे।

10. कुदाल एवं हल किन लोगों के जीवन का प्रतीक माना जाता है?

उत्तर- कुदाल → पहाड़िया लोगों का, हल → संथाल लोगों का

11. पहाड़िया लोग मैदानी भागों पर आक्रमण क्यों करते थे?

उत्तर- (A) अभाव एवं अकाल के वर्षों में जीवित रहने के लिए

(B) मैदानी लोगों पर अपनी ताकत दिखाने के लिए

12. सिधू विद्रोह का नेतृत्व किसने किया था?

उत्तर- सिन्धु मांझी ने।

13. दक्कन में सर्वप्रथम आन्दोलन कहा शुरू हुआ?

उत्तर- पूना के गाँव सूपा में जहाँ विपणन केन्द्र था।

14. दक्कन में हुए विद्रोह का स्वरूप क्या था?

उत्तर- सभी जगह साहूकारों पर हमले हुए, बही खाते जला दिये गये और ऋणबंध नष्ट कर दिए गए

15. रैयतवाड़ी राजस्व व्यवस्था के बारे में बताइए?

उत्तर- इसमें राजस्व की राशि सीधे रैयत से तय की जाती थी। औसत आय का अनुमान लगाकर राजस्व तय किया जाता था हर तीस साल में राजस्व का निर्धारण पुनः किया जाता था।

16. दक्कन दंगा रिपोर्ट में किन तथ्यों का संकलन किया गया था?

उत्तर- (i) रैयत, साहूकार एवं चश्मदीद गवाहों के बयान

(ii) विभिन्न क्षेत्रों की राजस्व की दर, कीमतों एवं ब्याज के आँकड़े

(iii) जिला कलेक्टरों द्वारा भेजी गई रिपोर्ट

17. 'ताल्लुकदार' शब्द को परिभाषित कीजिए?

उत्तर- वह व्यक्ति जिसके साथ ताल्लुक यानी संबंध हो।

आगे चलकर इसका अर्थ क्षेत्रीय इकाई हो गया

18. फ्रांसिस बुकानन कौन थे?

उत्तर- ये चिकित्सक थे, इन्होंने कलकत्ता में चिड़ियाघर की स्थापना की, भूमि का सर्वेक्षण किया, बंगाल के दिनाजपुर के जोतदारों का उल्लेख किया है

<u>लघुउतरात्मक प्रश्न</u>

1. इस्तमरारी बंदोबस्त व्यवस्था में जमींदारों की असफलता के क्या कारण थे?

उत्तर- (A) - कम्पनी द्वारा राजस्व की दर ऊँची रखना:- कम्पनी का मानना था कि समय के साथ कृषि उत्पादन एवं कीमतों में वृद्धि होगी

(B) ऊँची दर होने के कारण रैयत समय पर जमींदारों को राजस्व का भुगतान नहीं कर पाते थे

(C) फसल अच्छी हो या खराब राजस्व भुगतान का समय निश्चित था जिसे सूर्यास्त विधि कहते थे।

(D) जमींदारों की शक्ति को रैयत से राजस्व इकट्ठा करने व जमीदारी का प्रबंध करने तक सीमित करना।

शेखावाटी मिशन-100

2. औपनिवेशिक भारत में जमींदारों की शक्ति को नियंत्रित करने के लिए कंपनी ने क्या कदम उठाये?

उत्तर- (A) – जमींदारों की सैन्य टुकड़ियों को भंग करना

(B) – सीमा शुल्क समाप्त करना

(C) – स्थानीय न्याय एवं पुलिस व्यवस्था को समाप्त करना

3. जोतदार जमींदारों से किस प्रकार प्रभावशाली होते थे?

उत्तर- ये जमींदारों के विपरित गाँवों में रहने थे जिससे ग्रामीणों पर उनका सीधा नियन्त्रण होता था। जमींदार द्वारा लगान बढ़ाने का विरोध करते एवं अधिकारियों को कार्य करने से रोकते ताकि राजस्व भुगतान में देरी होने के कारण जमींदारों की जमींदारी को निलाम करवाकर जोतदार ही वो जमींदारी खरीद लेते थे।

4. इस्तमरारी बंदोबस्त के बाद बहुत-सी जमींदारियाँ क्यों निलाम कर दी गई?

उत्तर- इस बंदोबस्त में राजस्व की दरे ऊँची होने, रैयतों द्वारा समय पर राजस्व का भुगतान नहीं करने के कारण जमींदारों का बकाया बढ़ता जाता रहा। जिसके कारण कम्पनी अपने बकाया राजस्व को वसूलने के लिए जमींदारों की संपदा को निलाम करती थी।

5. जमींदार लोग अपनी जमींदारियों पर किस प्रकार नियन्त्रण बनाये रखते थे?

उत्तर- (A) अपनी संपत्ति को स्त्रियों के नाम करके क्योंकि कम्पनी ने निर्णय ले रखा था कि स्त्रियों की संपत्ति को छीना नहीं जाएगा।

(B) निलामी में अपने एजेन्टों के द्वारा ऊँची बोली लगाकर बेनामी खरीददारियाँ करना

(C) बाहरी व्यक्ति द्वारा नीलामी में खरीदी गई जमीन पर पुराने जमींदार के लठियाल एवं स्थानीय रैयतों के विरोध के कारण कब्जा नहीं मिल पाना

6. ''पाँचवीं रिपोर्ट'' पर टिप्पणी लिखिए?

उत्तर- यह भारत में ईस्ट इंडिया कम्पनी के प्रशासन एवं क्रियाकलापों के विषय में तैयार की गई रिपोर्ट है जिसका आधार जमींदारों व रैयतों की अर्जिया, कलेक्टरों की रिपोर्ट, राजस्व विवरणों की सांख्यिकीय तालिकाएं एवं न्यायिक प्रशासन पर लिखित टिप्पणियाँ है।

7. पहाड़ियाँ लोगों ने बाहरी लोगों के आगमन पर कैसी प्रतिक्रिया दर्शाई?

उत्तर- इन लोगों का मानना था कि बाहरी लोग उनसे उनके जंगल और जमीन छीन कर उनकी जीवन शैली और जीवित रहने के साधनों को नष्ट कर देंगे।

8. पहाड़िया लोगों की आजीविका संथालों की आजीविका से किस रूप में भिन्न थी?

उत्तर- पहाड़िया लोग झूम खेती करते थे जिसमें जंगल के छोटे हिस्से में झाड़ियों को काटकर, घास-फूँस जलाकर कुदाल से जमीन को थोड़ा खुरच कर कृषि करते थे तथा शिकार करके रेशम के कीड़े पालने व काठ कोयला बनाने के रूप में जंगल से घनिष्ठ रूप से जुड़े हुए थे तथा जंगल को निजी भूमि मानते थे जो इनकी पहचान व जीवन का आधार थी एवं बाहरी लोगों के प्रवेश का प्रतिरोध करते थे।

संथाल लोग स्थायी कृषि करते थे, जंगलों को काटकर व हल से जोतकर बंजर जमीन को कृषि योग्य बनाने में सक्षम थे। वाणिज्यिक फसलों की खेती करते थे तथा व्यापारियों व साहूकार (दिकू) से लेन-देन करते थे।

9. 'दामिन-इ-कोह' पर संक्षिप्त प्रकाश डालिए?

उत्तर- संथालों को स्थायी रूप से कृषि करने के लिए राजमहल की पहाड़ी की तलहटी में सीमांकन कर इस भूमि को संथालों की भूमि घोषित कर दी जिसमें यह तय किया गया कि प्रथम दस वर्ष में सीमांकित भाग के दसवें भाग को जोतना था।

10. संथालों ने ब्रिटिश शासन के विरुद्ध विद्रोह क्यों किया?

उत्तर- संथालों ने जिस जमीन को साफ कर खेती शुरू की थी उस पर सरकार भारी कर लगा रही थी, साहूकार ऊँची दर पर ब्याज लगा रहे थे व कर्ज अदा न करने पर जमीन छीन रहे थे तथा जमींदार दामिन-इ-कोह इनको क्षेत्र पर नियन्त्रण का दावा कर रहे थे।

इस कारण संथाल लोग एक अलग क्षेत्र की आवश्यकता महसूस करने लगे जिस पर अपना शासन हो, जमींदारों, साहूकारों व अंग्रेजों का हस्तक्षेप ना हो।

11. अमेरिकी गृहयुद्ध ने भारत में रैयत समुदाय के जीवन को कैसे प्रभावित किया?

उत्तर- अमेरिकी गृहयुद्ध से पहले ब्रिटेन अमेरिकी कपास पर निर्भर था गृहयुद्ध से प्रभावित हुआ जिस पर भारतीय रैयतों को कपास की कृषि के लिए प्रोत्साहन दिया गया। कृषि क्षेत्र का विस्तार किया गया जिस कारण भारतीय रैयतों की आमदनी में इजाफा हुआ तथा रैयत

धनवान होने लगे

12. दक्कन के रैयत ऋणदाताओं के प्रति क्रुद्ध क्यों थे?

उत्तर- (A) ऋणदाता वर्ग संवेदनहीन हो गया था वह रैयतों की हालत पर तरस नहीं खा रहा था

(B) ऋणदाता देहात के प्रथागत मानकों का भी उल्लंघन कर रहे थे

(C) सामान्य मानक यह था कि ब्याज मूलधन से अधिक नहीं लिया जा सकता था लेकिन ऐसा नहीं हो रहा था

13. 'भाड़ा-पत्र' क्या होता था?

उत्तर- रैयत पर ऋणभार बढ़ जाता था तो ऋणदाता को उसे अपनी जमीन, गाड़ियाँ एवं पशुधन बेचना पड़ता था लेकिन इनके बिना रैयत का काम भी नहीं चलता था इसलिए ये चिजे वापस ऋणदाता से किरोय पर ली जाती थी जो वास्तव में रैयत की ही थी इस आशय का एक किरायानामा लिखना पड़ता था जो भाड़ा-पत्र कहलाता था

14. अच्छी उपज के बाद भी दक्कन के रैयतों पर ऋणभार क्यों बढ़ता गया?

उत्तर- रैयतबाड़ी बंदोबस्त में 30 वर्ष बाद राजस्व का पुनः निर्धारण किया गया तो राजस्व का 50 से 100 प्रतिशत तक बढ़ा दिया गया, कपास की किमते गिर रही थी एवं कपास का कृषि क्षेत्र कम रहा था।

15. रैयतों को ऋणदाताओं के चुंगल से बचाने के लिए अंग्रेजों ने क्या समाधान निकाला?

उत्तर- 1859 में एक परिसीमन कानून पारित किया जिसमें रैयत एवं ऋणदाता के बीच हस्ताक्षरित ऋण पत्र का प्रावधान किया जो केवल तीन वर्षों के लिए ही मान्य होगे जिसका उद्‌देश्य लम्बे समय तक ब्याज को संचित होने से रोकना था

16. दक्कन में साहूकार रैयतों को ठगने के क्या-क्या हथकंडे अपनाते थे?

उत्तर- (A) रैयत से हर तीसरे साल नया बंधपत्र भरवाते थे जिसमें मूलधन एवं ब्याज की राशि को जो बकाया होती थी नए बंधपत्र में शामिल कर लेते थे।

(B) ऋण पूरा चुकाने पर रशिद नहीं देते थे

(C) बंध पत्रों में जाली आंकड़े भरे होते थे।

(D) किसानों की फसल नीची किमतों पर खरीदते थे

17. किसानो का इतिहास लिखने में सरकारी स्त्रोतों के उपयोग के बारे में क्या समस्याएँ आती है?

उत्तर- (i) सरकारी स्रोत लिखने वाले सरकार के प्रतिनिधि होते है इसलिए इस पर पूर्ण विश्वास नहीं किया जा सकता है

(ii) सरकारी रिपोर्टों में किसानों के हितों को ध्यान में नहीं रखा जाता है बल्कि वे अपने लाभ एवं व्यापारिक फसलों के आँकड़े जुटाने का प्रयास करते है।

शेखावाटी मिशन-100

अध्याय-8
विद्राही और राज

अति लघुत्तरात्मक प्रश्न

1. ....को दोपहर बाद मेरठ छावनी में सिपाहियों ने विद्रोह कर दिया

उत्तर- 10 मई 1857

2. 11 मई 1857 को विद्रोही सैनिकों ने दिल्ली को नियन्त्रण में लेकर.....................को अपना नेता घोषित कर दिया

उत्तर- मुगल सम्राट बहादुरशाह जफर

3. लखनऊ में ब्रिटिश राज के ढहने की खबर पर लोगों ने नवाब के युवा बेटे.....................को अपना नेता घोषित किया।

उत्तर- बिरजिस कद्र

4. छोटा नागपुर स्थित सिंहभूम के एक आदिवासी काश्तगार.....................ने इलाके के कोल आदिवासियों का नेतृत्व संभाला।

उत्तर- गोनू

5. मौलवी अहमदुल्ला शाह को.....................उपनाम से जाना जाता है।

उत्तर- डंका शाह

6. दत्तकता को अवैध घोषित कर अंग्रेजों ने.....................और.....................रियासतों को अपने कब्जे में कर लिया

उत्तर- झाँसी और सतारा।

7. 1856 में कुशासन के आधार पर.....................रियासत को औपचारिक रूप से ब्रिटिश साम्राज्य का अंग घोषित किया गया।

उत्तर- अवध।

8. अवध के अधिग्रहण के बाद 1856 में अंग्रेजों ने.....................भूराजस्व व्यवस्था लागू की।

उत्तर- एकमुश्त बन्दोबस्त।

9. ....को बंगाल आर्मी की पौधशाला कहा जाता था

उत्तर- अवध।

10. 1857 की क्रांति के दौरान.....................में अंग्रेजों के खिलाफ प्रतिरोध सबसे लंबा चला

उत्तर- अवध।

11. 'रिलीफ ऑफ लखनऊ' (लखनऊ की राहत) नामक चित्र.....................द्वारा बनाया गया

उत्तर- टॉमस जोन्स बार्कर।

12. जोजेफ नोएल पेटन ने सैनिक ब्रिदोह के दो साल बाद ''.....................'' चित्र बनाया

उत्तर- इन मेमोरियम (स्मृति में)

13. 1857 की क्रान्ति के समय ब्रिटिश गवर्नर जनरल.....................थे।

उत्तर- लार्ड कैनिंग।

14. ''खुब लड़ी मर्दानी वो तो झाँसी वाली रानी थी'' प्रसिद्ध कविता की रचना.....................ने की।

उत्तर- सुभद्रा कुमारी चौहान

15. हास्यपरक व्यंग्य की ब्रिटिश पत्रिका पन्च के कार्टुन.....................में गवर्नर जनरल लार्ड कैनिंग के नर्म सुझावों का मजाक उड़ाया गया।

उत्तर- द क्लिमेंसी ऑफ कैनिंग (कैनिंग का दयाभाव)

अति लघुत्तरात्मक प्रश्न

1. सहायक संधि का जनक किस गवर्नर जनरल को माना जाता है?

उत्तर- लार्ड वेलेजली।

शेखावाटी मिशन-100

2. अवध राज्य ने सहायक संधि को कब स्वीकार किया?

उत्तर- 1851

3. 1857 की क्रांति का नेतृत्व करने वाली दो महिला शासिकाओं के नाम बताइए।

उत्तर- 1. रानी लक्ष्मी बाई- झाँसी
2. बेगम हजरत महल - अवध (लखनऊ)

4. 1856 में कुशासन के आरोप को आधार बनाकर अंग्रेजों ने किस नवाब को अपदस्थ कर अवध का अंग्रेजी साम्राज्य में विलय कर लिया?

उत्तर- नवाब वाजिद अली शाह

5. उत्तर प्रदेश में बड़ौत परगना के ग्रामीणों को संगठित कर विद्रोहियों को नेतृत्व किसने प्रदान किया?

उत्तर- शाह मल

6. रंग बाग (प्लेजर गार्डन) का निर्माण किसने करवाया?

उत्तर- नवाब वाजिद अली शाह

7. अवध के नवाब वाजिद अली शाह को गद्दी से हटाकर कहाँ निष्कासित किया?

उत्तर- कलकत्ता

8. सती प्रथा को अवैध कब घोषित किया गया?

उत्तर- 1829

9. 1857 की क्रांति के दौरान ऐतिहासिक 'आजमगढ़ घोषणा' कब की गई?

उत्तर- 25 अगस्त 1857

10. अंग्रेजों को दिल्ली को क्रान्तिकारियों के कब्जे से कब मुक्त करवाने में सफलता मिली?

उत्तर- सितम्बर 1857

11. अवध क्षेत्र को अंग्रेज कब दोबारा अपने नियन्त्रण में ले पाए?

उत्तर- मार्च 1858

12. 1857 की क्रान्ति के दमन में निर्णायक भूमिका अदा करने वाले चार अंग्रेजी सेनानायकों के नाम बताइए

उत्तर- 1. कॉलिन कैम्पबेल 2. जेम्स ऑट्रम 3. हेनरी हेवलॉक 4. कर्नल इंगलिस

13. जस्टिस (न्याय) नामक चित्र में किस अंग्रेज महिला को कानपुर में विद्रोहियों का दमन करते हुए चित्रित किया गया है?

उत्तर- मिस व्हीलर

14. चर्बी वाले कारतूसों के प्रयोग करने से सर्वप्रथम किस सैनिक कंपनी ने इंकार कर दिया?

उत्तर- थर्ड लाइट केवेलरी

15. "देह से जान जा चुकी थी............कोई सड़क, बाजार और घर ऐसा न था जहाँ से जान-ए-आलम से बिछड़ने पर विलाप का शोर न गूँज रहा हो।" लोकगीत में किसके बिछड़ने पर शोक व्यक्त किया गया है?

उत्तर- लोकगीत में अवध के नवाब वाजिद अली शाह के कलकत्ता निष्कासन पर अवध की जनता के शोक को व्यक्त किया गया।

<u>लघुत्तरात्मक प्रश्न</u>

1. कम्पनी सरकार को अवध के विलय में दिलचस्पी क्यों थी?

उत्तर- अंग्रेजी कम्पनी सरकार उत्तर भारत के सबसे महत्त्वपूर्ण प्रान्त अवध को अंग्रेजी साम्राज्य में विलय को लेकर हमेशा आतुर थी क्योंकि यह क्षेत्र नील व कपास की खेती के लिए उपजाऊ था और इस इलाके को एक बड़े बाजार के रूप में विकसित किया जा सकता था।

2. "ये गिलास फल (cherry) एक दिन हमारे ही मुँह में आकर गिरेगा।" उक्त कथन कब, किसने और किसके बारे में कहा?

उत्तर- 1951 में गवर्नर जनरल लार्ड डलहौजी ने अवध रियासत के बारे में कहा था कि यह गिलास फल एक दिन हमारे ही मुँह में आकर गिरेगा।

3. अवध में 1857 की क्रान्ति के संघर्ष की व्यापकता पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए

उत्तर- अवध 1857 की क्रांति का एक बड़ा केन्द्र था। अवध में अंग्रेजों के खिलाफ प्रतिरोध सबसे लम्बा चला। एक अनुमान के मुताबिक

शेखावाटी मिशन-100

इस क्षेत्र के कम से कम तीन चौथाई वयस्क पुरुष आबादी विद्रोह में शामिल थी। अवध क्षेत्र में लड़ाई की बागडोर असल में ताल्लुकदारों और किसानों के हाथों में थी। अवध के अधिकांश ताल्लुकदार नवाब के प्रति अत्यधिक निष्ठावान थे इसलिए वे लखनऊ जाकर बेगम हजरत महल के खेमे में सम्मिलित हो गये। कुछ निष्ठावान ताल्लुकदारों ने बेगम की पराजय के बाद भी संघर्ष जारी रखा। कड़े संघर्ष के बाद ही अंग्रेज मार्च 1858 तक अवध क्षेत्र पर पुन: नियन्त्रण स्थापित करने में कामयाब हुए

4. 1857 की क्रांति में मौलवी अहमदुल्ला शाह की भूमिका का मूल्यांकन कीजिए।

उत्तर- धार्मिक उपदेशक मौलवी अहमदुल्लाशाह ने 1857 की क्रांति के समय अंग्रेजी शासन के विरुद्ध धार्मिक प्रचार किया जब वे लखनऊ पहुँचे तो पुलिस ने उन्हें गिरफ्तार कर लिया। जेल से रिहा होने पर उन्हें 22वीं नेटिव इन्फेंट्री के विद्रोहियों ने अपना नेता चुन लिया। उन्होंने चिनहाट के विख्यात संघर्ष में हेनरी लॉरेन्स के नेतृत्व वाली अंग्रेजी सेना को पराजित किया। विद्रोहियों का विश्वास था कि मौलवी अहमदुल्ला के पास जादुई शक्तियाँ हैं।

5. अंग्रेजों ने विद्रोह को कुचलने के लिए क्या कदम उठाए?

उत्तर- अंग्रेजों ने उपद्रव शांत करने के लिए कई कानून पारित किये-

1. समूचे उत्तर भारत में मार्शल लॉ लागू किया गया और सैनिक अधिकारियों के साथ-साथ आम अंग्रेजों को भी ऐसे भारतीयों पर मुकदमा चलाने और सजा देने का अधिकार दे दिया गया जिन पर विद्रोह में शामिल होने का शक था।

2. कानून और मुकदमे की सामान्य प्रक्रिया रद्द कर दी गई और स्पष्ट कर दिया गया कि विद्रोह की केवल एक ही सजा हो सकती है- सजा-ए-मौत

3. अंग्रेजों ने सैनिक ताकत का भयानक पैमाने पर इस्तेमाल किया

6. 1857 की क्रांति के प्रमुख केन्द्रों और नेतृत्वकर्त्ताओं के नाम बताइए।

उत्तर-

प्रमुख केन्द्र	नेतृत्वकर्त्ता
दिल्ली	मुगल सम्राट बहादुरशाह जफर
कानपुर	नाना साहब
अवध (लखनऊ)	बेगम हजरत महल
झांसी	रानी लक्ष्मीबाई
जगदीशपुर (बिहार)	जमींदार कुंवर सिंह

7. 1857 की क्रान्ति को 'जनक्रान्ति' की संज्ञा क्यों दी गई?

उत्तर- 1857 की क्रान्ति को देश के प्रथम स्वतंत्रता संग्राम के रूप में याद किया जाता है क्योंकि इस जन क्रान्ति में देश के प्रत्येक धर्म, जाति व समूह ने साम्राज्यवादी शासन के विरुद्ध मिलकर लड़ाई लड़ी और संयुक्त उद्देश्य बाबत संघर्ष में भाग लिया

8. लॉर्ड डलहौजी का व्यपगत सिद्धान्त/हड़प नीति क्या थी-

उत्तर- लार्ड डलहौजी ने हड़प नीति/व्यपगत सिद्धान्त द्वारा कम्पनी के राज्य का विस्तार किया। इस नीति के तहत देशी राज्यों के शासकों से दत्तक पुत्र लेने की प्रथा पर पूर्णरूप से पाबन्दी लगा दी और उनके राज्य को कम्पनी राज्य में सम्मिलित कर लिया। गोद निषेध प्रथा के अतिरिक्त अवध जैसे अंग्रेज समर्थक राज्य का भी कुशासन का आरोप लगाकर 1856 में विलय कर लिया गया।

9. 1857 की क्रान्ति का तात्कालिक कारण क्या था?

उत्तर- कम्पनी सरकार ने पुरानी ब्राउन बैस बन्दूक के स्थान पर नई एनफील्ड राइफल का प्रयोग आरम्भ किया। इस राइफल में जो कारतूस भरी जाती थी, उसे दाँत से काटना पड़ता था। सैनिकों में अफवाह फैल गई कि इस कारतूस में गाय और सूअर की चर्बी मिली हुई है। इससे सैनिकों में भयंकर असंतोष फैल गया।

10. 1857 की क्रान्ति के चार राजनैतिक कारण बताइए

उत्तर- राजनैतिक कारण-

1. मुगल सम्राट के साथ अपमानजनक व्यवहार
2. अवध का कुशासन के आधार पर विलय
3. व्यपगत नीति के आधार पर राज्यों का विलय।
4. जमींदारों में अंग्रेजी शासन के प्रति असंतोष

शेखावाटी मिशन-100

11. 1857 की क्रान्ति के लिए उत्तरदायी कोई चार सैनिक कारण बताइए।

उत्तर- 1. अवध के सैनिकों में असंतोष

2. यूरोपीय अधिकारियों द्वारा भारतीय सैनिकों के साथ अपमाजनक व्यवहार

3. सैनिकों में वेतन मामलों में असंतोष।

4. चर्बी वाले कारतूसों की अफवाह

12. 1857 की क्रांति के विस्तार में अफवाहों और भविष्यवाणियों का पर्याप्त योगदान था। व्याख्या कीजिए।

उत्तर- 1857 के जन विद्रोह के विस्तार में अफवाहों और भविष्यवाणियों का पर्याप्त योगदान रहा, प्रमुख उदाहरण निम्नलिखित हैं-

1. चर्बी वाले कारतूस - 1857 की क्रान्ति का तात्कालिक कारण।

2. स्थापना के 100 साल बाद ब्रिटिश औपनिवेशिक शासन के समाप्त होने की भविष्यवाणी

3. चपातियों के वितरण की घटना।

4. आटे में हड्डियों के चूरा मिलावट की अफवाह

13. 1857 की क्रांति में शाहमल के योगदान का संक्षिप्त विवरण दीजिए

उत्तर- उत्तर प्रदेश के बड़ौत परगना के चौरासी गाँव के किसानों तथा काश्तगारों को अंग्रेजी शासन के प्रतिरोध के लिए शाहमल ने संगठित किया। शाहमल के नेतृत्व में व्यापक विद्रोह हुआ। शाहमल ने अंग्रेज अधिकारी के बंगले पर कब्जा करके उसे न्याय भवन की संज्ञा दी और प्रशासनिक व्यवस्था लागू की। स्थानीय लोग उन्हें राजा नाम से संबोधित करते थे। अंग्रेजों के साथ संघर्ष में जुलाई 1857 को शाहमल वीरगति को प्राप्त हुए।

14. 1857 के विद्रोह में साहूकार व अमीर लोगों को विद्रोहियों ने निशाना क्यों बनाया?

उत्तर- 1857 की क्रांति के दौरान विद्रोहियों ने अनेक स्थानों पर साहूकारों तथा अमीरों को किसानों का उत्पीड़क व अंग्रेजों का पिट्ठू मानकर उनकी संपत्ति को निशाना बनाया

15. 1857 के विद्रोह के बारे में जानकारी प्रदान करने वाले प्रमुख सरकारी दस्तावेजों पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए

उत्तर- 1857 की क्रांति के बारे में अनेक सरकारी ब्यौरे उपलब्ध हैं। औपनिवेशिक प्रशासकों और सैन्य अधिकारियों की चिट्ठियों, डायरियों, आत्मकथाओं और सरकारी रिकॉर्ड्स से विद्रोहकालीन परिस्थितियों की वास्तविक जानकारी प्राप्त होती है। असंख्य मेमों, नोट्स और रिपोर्ट्स के जरिए सरकारी सोच व रवैये को समझा जा सकता है।

15. कला और साहित्य ने रानी लक्ष्मीबाई को 1857 की क्रांति की नायिका के रूप में कैसे पेश किया है?

उत्तर- इतिहास लेखन की तरह कला और साहित्य ने भी 1857 की क्रांति के नायकों की स्मृति को चिरस्थायी बनाने में योगदान दिया है राष्ट्रवादी कवयित्री सुभद्रा कुमारी चौहान ने रानी लक्ष्मीबाई की स्मृति में ''खुब लड़ी मर्दानी वो तो झांसी वाली रानी थी'' जैसी कालजयी कविता की रचना की है। रानी लक्ष्मीबाई को एक ऐसी मर्दाना शख्सियत के रूप में चित्रित किया जाता था जो दुश्मनों का पीछा करते हुए और ब्रिटिश सिपाहियों को मौत की नींद सुलाते हुए आगे बढ़ रही है। लोक छवियों में रानी लक्ष्मीबाई को प्रायः अन्याय और विदेशी शासन के दृढ़ प्रतिरोध के प्रतीक के रूप में चित्रित किया गया है।

शेखावाटी मिशन-100

अध्याय-9
औपनिवेशिक शहर

वस्तुनिष्ठ प्रश्न

1. अखिल भारतीय जनगणना का पहला प्रयास कब किया गया?
   (अ) 1818 ई. (ब) 1872 ई. (स) 1871 ई. (द) 1891 ई. (ब)
2. दशकीय जनगणना की नियमित शुरूआत कब से की गई?
   (अ) 1972 ई. (ब) 1861 ई. (स) 1871 ई. (द) 1818 ई. (द)
3. सर्वे ऑफ इण्डिया (भारत सर्वेक्षण) का गठन कब किया गया?
   (अ) 1878 ई. (ब) 1879 ई. (स) 1876 ई. (द) 1875 ई. (अ)
4. प्रारम्भ में बम्बई कितने टापुओं का इलाका था?
   (अ) पाँच (ब) छः (स) सात (द) आठ (स)
6. औपनिवेशिक भारत की वाणिज्यिक राजधानी थी?
   (अ) कलकत्ता (ब) बम्बई (स) मद्रास (द) दिल्ली (ब)
7. अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार के लिए 1869 ई. में किस नहर में आवागमन शुरू किया?
   (अ) पनामा नहर (ब) गंग नहर (स) स्वेज नहर (द) उपरोक्त सभी (स)

अतिलघुत्तरात्मक प्रश्न

1. बम्बई ईस्ट इण्डिया कम्पनी को कब व कैसे प्राप्त हुआ?

उत्तर- 1661 ई. में ब्रिटेन में महाराजा ने कम्पनी को किराये पर दिया तथा ब्रिटिश सम्राट को यह पुर्तगाल से दहेज में प्राप्त हुआ था।

2. मध्यकालीन शहरों की व्यवस्था बनाये रखने की जिम्मेदारी किस अधिकारी की होती थी?

उत्तर- कोतवाल की

3. किस वायसराय ने कब शिमला में अधिकृत रूप में काउंसिल स्थानांतरित की थी?

उत्तर- वायसराय जॉन लॉरेन्स ने 1864 ई. में

4. अंग्रेजों ने पूर्वी तट पर व्यापारिक चौकी कहाँ स्थापित की थी?

उत्तर- 1639 ई. में मद्रासपटम में जिसे स्थानीय लोग चेनापट्टनम कहते थे। कंपनी ने यहाँ बसने के अधिकार तेलुगू सामंतों एवं काला हस्ती के नायकों से खरीदा था।

5. 'पेठ' शब्द का अर्थ बताइए?

उत्तर- यह एक तमिल शब्द है जिसका अर्थ हाता है बस्ती

6. प्लासी का युद्ध कब, किनके बीच हुआ एवं इसका क्या परिणाम निकला?

उत्तर- प्लासी का युद्ध 1757 ई. में ईस्ट इण्डिया कम्पनी व बंगाल के नवाब सिराजुद्दौला के मध्य हुआ। इसमें सिराजुद्दौला की पराजय हुई।

7. कलकत्ता की स्थापना किन गाँवों को मिलाकर की गई थी?

उत्तर- कलकत्ता नगर की स्थापना सुतानाती, कोलकात्ता और गोविन्दपुर।

8. कलकत्ता में गवर्नमेंट हाउस के नाम से महल किसने बनवाया था?

उत्तर- लॉर्ड वेलेजली ने, जो बाद में गवर्नर जनरल का निवास बना।

9. लॉटरी कमेटी की स्थापना कब व क्यों की गई?

उत्तर- 1817 ई. में कलकत्ता में नगर सुधार के लिए पैसों की व्यवस्था जनता के बीच लॉटरी बेचकर की जाती थी

10. ईस्ट इण्डिया कम्पनी चीन को अफीम का निर्यात किस बंदरगाह से करती थी?

उत्तर- बम्बई बन्दरगाह से

शेखावाटी मिशन-100

11. औपनिवेशिक काल में अंग्रेजों द्वारा स्थापत्य की कौन-कौन सी शैलियों से भवन बनवाये गये?

उत्तर- तीन शैलियाँ :- (i) नव शास्त्रीय या नियोक्लासिकल शैली

(ii) नव गॉथिक शैली

(iii) इण्डो-सारासेनिक शैली

12. नव-गॉथिक स्थापत्य शैली में भारतीयों ने कौन-कौन सी इमारते बनवाई?

उत्तर- (i) कोवासजी जहाँगीर ने यूनिवर्सिटी हॉल का निर्माण करवाया

(ii) प्रेमचंद रॉयचंद ने यूनिवर्सिटी लाइब्रेरी के घंटाघर का निर्माण करवाया जिसका नाम इनकी माँ के नाम पर राजाबाई टावर रखा गया।

लघुत्तरात्मक प्रश्न

1. ईस्ट इण्डिया कम्पनी द्वारा अपनी बस्तियों की किलेबंदी करने का प्रमुख उद्देश्य क्या था?

उत्तर- बस्तियाँ वस्तुओं के संग्रह का केन्द्र थी इसलिए यूरोपीय कंपनियों के बीच प्रतिस्पर्धा के कारण सुरक्षा के उद्देश्य इनकी किलेबंदी की गई थी।

2. मद्रास, कलकत्ता एवं बम्बई की कम्पनी के आबादी क्षेत्र किस नाम से जाने जाते है?

उत्तर- मद्रास- फोर्ट सेंट जॉर्ज

कलकत्ता- फोर्ट विलियम

बम्बई - फोर्ट

3. ''व्हाइट'' और ''ब्लैक'' टाउन शब्दों का क्या महत्त्व था?

उत्तर- यूरोपीयों लोगों के रहने के स्थान व्हाइट टाउन कहलाते थे

भारतीय लोगों के रहने के स्थान ब्लैक टाउन कहलाते थे।

4. कानपुर एवं जमशेदपुर औद्योगिक शहर किसके उत्पादन के लिए प्रसिद्ध थे?

उत्तर- कानपुर:- चमड़े की वस्तुएं एवं सूती ऊनी कपड़ों के लिए

जमशेदपुर:- स्टील उत्पादन के लिए

5. औपनिवेशिक काल में स्थापित दो हिल स्टेशनों का उल्लेख कीजिए?

उत्तर- हिल स्टेशन (पर्वतीय सैरगाह) की स्थापना का संबंध ब्रिटिश सेना की जरूरतों से था। शिमला की स्थापना गुरखा युद्ध के समय की गई थी। माउण्ट आबू एवं दार्जीलिंग की स्थापना की गई

6. ''19वीं सदी के दौरान औपनिवेशिक शहरों में महिलाओं के लिए अवसर उपलब्ध थे'' इस कथन की पुष्टि कीजिए?

उत्तर- महिलाएँ पत्र-पत्रिकाओं, आत्मकथाओं और पुस्तकों के माध्यम से समाज में अपनी स्वतंत्र पहचान बनानी शुरू कर दी थी। समय बीतने पर सार्वजनिक स्थानों पर महिलाओं की उपस्थिति बढ़ने लगी। वे नौकरानी, फैक्ट्री मजदूर, शिक्षिका, रंगकर्मी एवं फिल्म कलाकारों के रूप में सामने आने लगी।

7. आँकड़ों के वर्गीकरण व एकीकरण में जनगणना कमिश्नर के सामने कौनसी कठिनाईया आती थी?

उत्तर- (i) गलत सूचना देते थे। व्यक्ति अपने आप को सम्मानित बनाने के लिए व्यवसाय की सही जानकारी नहीं देते थे

(ii) मृत्यु-दर एवं बीमारियों से संबंधित जानकारी भी गलत देते थे।

8. स्थापत्य शैलियाँ ऐतिहासिक दृष्टि से किस प्रकार महत्त्वपूर्ण है?

उत्तर- (i) शैलिया तथा इमारते उन लोगों की सोच के बारे में बताती है जो उन्हें बनाते है।

(ii) इनसे अपने समय के सौन्दर्यात्मक आदर्शों तथा उनमें निहित विविधताओं का पता चलता है

(iii) इमारतों के माध्यम से शासक अपनी शक्ति का प्रदर्शन करते है। ये राष्ट्रवाद एवं धार्मिक वैभव की भी प्रतिक है।

9. 'आमार कथा' (मेरी कहानी) किसने लिखी तथा यह किस पर आधारित है?

उत्तर- यह विनोदिनी दासी ने लिखी थी जो बंगाली रंगमंच की अदाकारा थी। इसमें इसने समाज में औरतों की समस्याओं पर केन्द्रित भूमिकाएं निभाई थी

शेखावाटी मिशन-100

10. अंग्रेजों द्वारा यूरोपीय शैली में स्थापत्य निर्माण के पिछे क्या मंशा थी?

उत्तर- (i) अजनबी देश में जाना-पहचाना सा भूदृश्य रचने एवं उपनिवेश में घर जैसा महसूस करना

(ii) यूरोपीय शैली को वे श्रेष्ठता, अधिकार और सत्ता का प्रतीक मानते थे।

(iii) यूरोपीय शैली के भवन भारतीय प्रजा व स्वामियों के बीच के फर्क को दिखाती है

11. भारतीय व्यापारियों को नव-गॉथिक शैली रास क्यों आई?

उत्तर- उनको लगता था कि अंग्रेजों द्वारा लाए गए बहुत सारे विचारों की तरह उनकी भवन निर्माण शैलिया भी प्रगतिशील है और कारण बम्बई को एक आधुनिक शहर बनाने में मदद मिलेगी

12. 'गेटवे ऑफ इण्डिया' कब एवं कहाँ बनाया गया तथा इसका निर्माण किस शैली में हुआ?

उत्तर- गेटवे ऑफ इंडिया का निर्माण 1911 ई. में बम्बई में गुजरात शैली में किया गया।

13. 'गेटवे ऑफ इंडिया' का निर्माण किस लिए किया गया था?

उत्तर- गेटवे ऑफ इंडिया का निर्माण ब्रिटिश राजा जॉर्ज पंचम और उनकी पत्नी मेरी के स्वागत के लिए किया गया था

14. 'चॉल' किन भवनों को कहा जाता था?

उत्तर- बम्बई में खास तरह की इमारतों को चॉल कहा जाता था। ये बहुमंजिला इमारते थी जिनमें एक-एक कमरे आवासीय ईकाइयाँ थी जिनके सारे कमरों के सामने खुला बरामदा या गलियारा होता था और बीच में दालान होता था

<u>दीर्घउत्तरीय प्रश्न</u>

1. औपनिवेशिक शहरों में रिकॉड्र्स संभाल कर क्यों रखे जाते थे?

उत्तर- व्यवसायिक मामले चलाने के लिए ब्योरा रखा जाता था। बड़े शहरों में जीवन की गति एवं दिशा पर नजर रखने के लिए नियमित रूप से सर्वेक्षण करते थे। सांख्यिकीय आँकड़े एकृत करके परिवर्तनों को जानने का प्रयास करते थे।

2. औपनिवेशिक शहरीकरण को समझने के लिए जनगणना संबंधी आंकड़े किस हद तक उपयोगी होते है?

उत्तर- शहरों के फैलाव पर नजर रखने के लिए नियमित रूप से लोगों की गिनती की जाती थी। जनगणना का पहला प्रयास 1872 ई. में तथा नियमित जनगणना 1881 ई. में शुरू की गई। जनगणना से ऐतिहासिक परिवर्तन को मापने की जानकारी उपलब्ध होती है। इससे उम्र, जाति, लिंग एवं व्यवसाय की जानकारी प्राप्त होती है

3. औपनिवेशिक काल में हिल स्टेशनों की स्थापना क्यों की गई थी?

उत्तर- (i) भारतीय पहाड़ो की मृदु और ठंडी जलवायु को फायदे की चीज माना जाता था।

(ii) हिल स्टेशनों को सेनेटोरियम के रूप में विकसित किया जहाँ सिपाहियों को विश्राम एवं इलाज के लिए भेजा जाता था।

(iii) हिल स्टेशनों की जलवायु यूरोप की ठंडी जलवायु से मिलती जुलती थी

(iv) हिल स्टेशन अर्थव्यवस्था के लिए महत्त्वपूर्ण था क्योंकि यहाँ चाय एवं कॉफी के बागान थे।

4. प्रमुख भारतीय व्यापारियों ने औपनिवेशिक शहरों में खुद को किस तरह स्थापित किया?

उत्तर- (i) इन्होंने एंजेंटो तथा बिचौलियों के रूप में काम करना शुरू किया।

(ii) ब्लैंक टाउन में परम्परागत ढंग से दालानी मकान बनाये, भविष्य में पैसा लगाने के लिए शहरों में बड़ी जमीन खरीदी।

(iii) अंग्रेजों को प्रभावित करने के लिए त्योंहरों पर दावतों का आयोजन करते थे

(iv) मंदिर बनवाते व उनको संरक्षण देते थे।

(v) दुभाषिये के रूप में अंग्रेजों के समक्ष एक नयी पहचान बनाई

5. अठारहवीं सदी में शहरी केन्द्रों का रूपांतरण किस तरह हुआ?

उत्तर- (i) राजनीतिक तथा व्यापारिक पुनर्गठन के साथ पुराने नगर जैसे लाहौर, दिल्ली, आगरा ने राजनैतिक प्रभुत्व खो दिया एवं मद्रास, कलकत्ता एवं बम्बई का उदय हुआ

(ii) नयी क्षैत्रिय ताकतों के विकास से लखनऊ, हैदराबाद, सेरिंगपट्म, पूना आदि नगरों का महत्त्व बढ़ा

(iii) नये राज्यों के बीच निरंतर लड़ाइयों से सैनिकों के रूप में रोजगार प्राप्त होने लगा।

(iv) स्थानीय विशिष्ट लोगों तथा उत्तर भारत में मुगल साम्राज्य के अधिकारियों ने 'कस्बे' एवं गंज जैसे शहरी बस्तियों को बसाया।

(v) व्यापारी, प्रशासक तथा शिल्कार पुराने केन्द्रों से नये शहरों की ओर आने लगे

शेखावाटी मिशन-100

6. औपनिवेशिक शहर में सामने आने वाले नए तरह के सार्वजनिक स्थान कौन से थे? उनके क्या उद्देश्य थे?

उत्तर- (i) शहरों में व्यापारिक गतिविधियाँ व माल गोदाम बनाकर रखते थे

(ii) शहरों का बंदरगाहों के रूप में इस्तेमाल हुआ।

(iii) शहरों के नक्शे बनवाये गये, आँकड़े इकट्ठे कर सरकारी रिपोर्टों में प्रकाशित किये जाते थे

(iv) शहरों के रख-रखाव के लिए नगर पालिकाएँ बनाई गई, जलापूर्ति, सड़क निर्माण एवं स्वास्थ्य जैसी सेवाएँ उपलब्ध करवाई गई।

(v) शहरों को दो हिस्सों में बाँट दिया जिन्हें क्रमशः सिविल लाइन व देसियों का क्षेत्र कहा जाता था

(vi) शहरों में घोड़ागाड़ी, ट्राम, बसे, सार्वजनिक पार्क, सिनेमा हॉल, रंग शालाएँ एवं शिक्षा से जुड़ी संस्थाएँ खोली गई।

7. 19वीं सदी में नगर-नियोजन को प्रभावित करने वाली चिन्ताएँ कौनसी थी?

उत्तर- (i) नगरों को समुद्र के निकट बसाना ताकि व्यापारिक उद्देश्यों की पूर्ति हो सके

(ii) सुरक्षा की चिंता:- इसके लिए पुराने शहरों के आस-पास के चारागाह एवं खेतों को साफ करा दिया तथा सिविल लाइंस के नाम से नए शहरी क्षेत्र विकसित किये जहाँ केवल यूरोपीय लोग ही रह सके

(iii) शहरों को नक्शे से तैयार करवाना।

(iv) नगरों की व्यवस्था के लिए विभिन्न कमेटियों का गठन करना तथा जन स्वास्थ्य पर बल देना।

(v) शहरों के रख-रखाव के लिए पर्याप्त धन जुटाना

8. 18वीं सदी में प्रारंभिक वर्षों में औपनिवेशिक सरकार ने नगरों के लिए मानचित्र तैयार करने पर ध्यान क्यों दिया?

उत्तर- (i) ब्रिटिश सरकार को लगता था कि किसी स्थान की बनावट व भू-दृश्य को समझनें के लिए मानचित्र जरूरी होते है ताकि जानकारी के आधार पर नियन्त्रण बनाया जा सके।

(ii) शहरों के विकास की योजना तैयार करने एवं सत्ता को मजबूत बनाने के लिए।

(iii) मकानों की सघनता, घाटों की स्थिति व सड़कों की स्थिति से व्यवसायिक संभावनाएं बढ़ती है व राजस्व प्राप्ति के संसाधनों की जानकारी मिलती है।

9. नए शहरों में सामाजिक संबंध किस हद तक बदल गए?

उत्तर- (i) पुराने शहरों में विद्यमान सामंजस्य व जान-पहचान का अभाव था। शहरों में मिलना जुलना सीमित हो गया

(ii) शहरों में नवीन सामाजिक समूहों का उदय हुआ जिन्हें मध्यम वर्ग के नाम से जाना जाता है जिनमें क्लर्क, शिक्षक, वकील थे यह वर्ग बौद्धिक दृष्टि से सम्पन्न वर्ग था।

(iii) नए शहरों में महिलाओं के लिए अनेक अवसर उपलब्ध थे। पत्र-पत्रिकाओं, आत्मकथाओं एवं पुस्तकों के माध्यम से समाज में अपनी स्वतंत्र पहचान बनानी शुरू कर दी

(iv) मजदूरों एवं कामगरों के लिए शहरी जीवन संघर्षों से भरा था। रोजगार की गारंटी नहीं थी फिर भी उन्होंने पृथक संस्कृति की रचना कर ली थी जिसमें वे उत्साहपूर्वक कायक्रम आयोजित करते थे

10. औपनिवेशिक मद्रास में शहरी और ग्रामीण तत्व किस हद तक घुल-मिल गए थे?

उत्तर- मद्रास का विकास अनेक ग्रामों को मिलाकर किया गया था जिससे इसमें ग्रामीण व शहरी तत्वों का समन्वय है। विविध प्रकार के आर्थिक कार्य करने वाले अनेक समुदाय यहां आये और यही बस गए। दुभाषीए गौरों व कालों के बीच मध्यस्थ का काम करते थे वेल्लालासार नवीन अवसरों का लाभ उठाने वाली ग्रामीण जाति थी, तेलुगू कोमाटी अनाज व्यापारी थे, गुजराती भी बैंकर के रूप में यहां बस गए थे

11. कलकत्ता नगर नियोजन में लॉटरी कमेटी के कार्यों की वर्तमान संदर्भ में प्रासंगिकता स्पष्ट कीजिए?

उत्तर- कलकत्ता नगर की समुचित व्यवस्था को देखने एवं कार्यों व सुधार के लिए आवश्यक धन की आवश्यकता होने पर जनता को लॉटरी बेच कर धन जुटाने का कार्य करती है तथा वर्तमान में नगर-निगम जो कार्य करती है वहीं कार्य लॉटरी कमेटी करती जो निम्न है-

(i) शहर का नक्शा बनवाया ताकि कलकत्ता को नया रूप दिया जा सके

(ii) शहर में सड़के बनवाना, जन स्वास्थ्य की सुविधाएं जुटाना।

(iii) शहर को साफ सुथरा रखने के लिए अवैध कब्जे हटाना

शेखावाटी मिशन-100

लॉटरी कमेटी वही कार्य करती जो वर्तमान में नगर निकाय की संस्थाएं करती है इसलिए हम कह सकते है कि यह कमेटी वर्तमान संदर्भ में भी प्रासंगिक है

12. औपनिवेशिक काल में प्रचलित स्थापत्य कला शैलियों की विशेषताओं का उल्लेख कीजिए?

उत्तर- (i) नवशास्त्रीय या नियोक्लासिकल:- इस शैली में बड़े-बड़े स्तंभों के पिछे रेखागणितीय संरचना का निर्माण होता है। यह शैली-प्राचीन रोम की भवन निर्माण शैली से निकली है। इस शैली के भू-मध्यसागरीय उद्‌गम के कारण यह उष्णकटिबंधीय मौसम के अनुकूल है। इस शैली में निर्मित भवन:- 1833 ई. में निर्मित बम्बई का टाउन हॉल।

(ii) नव-गॉथिक शैली:- इस शैली में ऊँची उठी हुई छते, नोकदार मेहराबें और बारीक साज-सज्जा इस शैली की विशेषता है। इस शैली का जन्म गिरजों में हुआ था।

इस शैली में निर्मित भवन:- सचिवालय, बम्बई विश्वविद्यालय एवं उच्च न्यायालय एवं विक्टोरिया टर्मिनस

(iii) इंडो-सारासेनिक शैली:- इसमें भारतीय एवं यूरोपीय दोनों शैलियों का मिश्रित रूप है इसमें 'इंडो' शब्द हिन्दू का संक्षिप्त रूप है जबकि 'सारासेन' शब्द यूरोप के लोग मुसलमानों को संबोधित करने के लिए करते है। इस शैली में गुम्बदों, छतरियों, जालियों एवं मेहराबों का प्रयोग होता है।

इस शैली में निर्मित भवन:- गेटवे ऑफ इण्डिया एवं जमशेदजी टाटा द्वारा निर्मित ताजहोटल

अध्याय-10
महात्मा गाँधी ओर राष्ट्रीय आन्दोलन

शेखावाटी मिशन-100

<u>वस्तुनिष्ठ एवं अतिलघुत्तरात्मक प्रश्न</u>

1. किस इतिहासकार के अनुसार दक्षिण अफ्रीका ने ही गाँधी को 'महात्मा' बनाया?
(अ) रामिला थापर (ब) चंद्रन देवनेसन (स) आर. मजुमदार (द) यदुनाथ सरकार (ब)

2. मोहनदास करमचंद गाँधी दक्षिण अफ्रीका से कब लौटे?
(अ) जनवरी 1915 ई. (ब) जनवरी 1914 ई. (स) फरवरी 1915 ई. (द) फरवरी 1914 ई. (अ)

3. गाँधीजी के राजनीतिक परामर्शदाता कौन थे?
(अ) मो. अली जिन्ना (ब) मोतीलाल नेहरू (स) गोपाल कृष्ण गोखले (द) लोकमान्य तिलक (स)

4. भारत में राष्ट्रीय आन्दोलन को खुला समर्थन किस उद्यमि ने दिया था?
(अ) जमशेदजी टाटा (ब) अंबालाल साराभाई (स) जी.डी. बिड़ला (द) आर.डी.टाटा (स)

5. गोलमेज सम्मेलनों के समय इंग्लैण्ड का प्रधानमंत्री कौन था?
(अ) चर्चिल (ब) मैकडोनाल्ड (स) बाल्डविन (द) चैम्बरलेन (ब)

6. दूसरे गोलमेज सम्मेलन से लौटकर गाँधीजी ने पुन: सविनय अवज्ञा प्रारम्भ किया उस समय भारत का वायसराय कौन था?
(अ) लॉर्ड इर्विन (ब) लॉर्ड वावेल (स) लॉर्ड माउण्ट बेटन (द) लॉर्ड विलिंग्डन (द)

7. काँग्रेस के मंत्रिमण्डलों ने इस्तीफा कब दिया?
(अ) सितम्बर 1939 ई. (ब) अक्टूबर 1939 ई. (स) सितम्बर 1940 ई. (द) अक्टूबर 1940 ई. (ब)

8. क्रिप्स मिशन भारत कब आया था?
(अ) 1942 ई. (ब) 1941 ई. (स) 1940 ई. (द) 1939 ई. (अ)

9. कैबिनेट मिशन भारत कब आया था?
(अ) 1945 ई. (ब) 1944 ई. (स) 1945 ई. (द) 1946 ई. (द)

10. मुस्लिम लीग ने "प्रत्यक्ष कार्यवाही दिवस" का आहवान कब किया?
(अ) 15 अगस्त 1947 ई. (ब) 16 अगस्त 1946 ई. (स) 15 अगस्त 1946 ई. (द) 8 अगस्त 1946 ई. (ब)

1. असहयोग आन्दोलन को वापस क्यो लिा गया?

उत्तर- फरवरी 1922 ई. में संयुक्त प्रांत के चौरी-चारा पुरवा में आन्दोलन करने वालों के द्वारा पुलिस थाने में आग लगाने से पुलिस वालों की जान जाने के कारण।

2. रजवाड़ों में राष्ट्रवादी सिद्धान्त को बढ़ावा देने के लिए किनकी स्थापना की गई?

उत्तर- प्रजा मंडलों की स्थापना।

3. औपनिवेशिक सरकार द्वारा नमक को क्यो नष्ट किया जाता था?

उत्तर- यदि नमक को लाभ पर न बेच पाती तो सरकार उस नमक को नष्ट कर देती थी

4. दाण्डी यात्रा का कवरेज किस पत्रिका ने किया था?

उत्तर- अमेरिकी समाचार पत्रिका टाइम ने

5. गाँधी को किस कार्यकर्त्ता ने समझाया की आंदोलनों को पुरुषों तक ही सीमित न रखे?

उत्तर- समाजवादी कार्यकर्त्ता कमलादेवी चट्टोपाध्याय।

6. यह कथन किसका है ''उन्हें सम्राट का सर्वोच्च मंत्री इसलिए नहीं नियुक्त किया गया है कि वह ब्रिटिश साम्राज्य को टुकड़े-टुकड़े कर दें।''

उत्तर- ब्रिटिश प्रधानमंत्री विंस्टन चर्चिल।

7. मुस्लिम लीग ने मुक्ति दिवस कब व क्यो मनाया?

उत्तर- दिसम्बर 1939 ई. में, कांग्रेस मंत्रिमंडलों द्वारा त्याग-पत्र दिये जाने पर

8. मोहनदास करमचंद गाँधी को राष्ट्रपिता की उपाधि किसने दी?

उत्तर- दिल्ली में संविधान सभा के अध्यक्ष डॉ. राजेन्द्र प्रसाद ने

9. गाँधीजी की जीवनी किसने लिखी थी?

उत्तर- डी.जी. तेंदुलकर ने

10. गाँधीजी की हत्या कब व किसने की थी?

उत्तर- 30 जनवरी, 1948 ई. में नाथूराम गोडसे ने।

11. महात्मा गाँधी ने किन समाचार पत्रों का संपादन किया था?

उत्तर- हरिजन, नवजीवन, यंग इण्डिया और इण्डियन ऑपिनियन

12. ए बंच ऑफ ओल्ड लेटर्स (पुराने पत्रों का पुलिंदा) का संकलन किस ने किया था?

उत्तर- पं. जवाहरलाल नेहरू ने राष्ट्रीय आंदोलन के दौरान लिखे गए पत्रों का संकलन किया था

शेखावाटी मिशन-100

लघुत्तरात्मक प्रश्न

1. लाल बाल पाल के नाम से कौन जाने जाते है? ये किन क्षेत्रों में प्रतिनिधित्व करते थे?

उत्तर- लाल - लाल लाजपत राय - पंजाब में
बाल - बाल गंगाधर तिलक - महाराष्ट्र में
पाल - विपिन चंद्र पाल - बंगाल

2. महात्मा गाँधी की भारत में प्रथम सार्वजनिक उपस्थिति कहाँ हुई थी? यहाँ गाँधीजी ने क्या विचार प्रकट किए?

उत्तर- प्रथम सार्वजनिक उपस्थिति फरवरी 1916 ई. में बनारस हिंदू विश्वविद्यालय के उद्घाटन समारोह में हुई थी। यहाँ पर गाँधीजी ने मजदूरों, गरीबों एवं किसानों की अनुपस्थिति को लेकर विशिष्ट वर्ग को आड़े हाथो लिया

3. महात्मा गाँधी का भारत में प्रथम सत्याग्रह कौनसा था?

उत्तर- गाँधीजी का प्रथम सत्याग्रह 1917 ई. में चम्पारण का था। इसकी जानकारी उन्हें दिसम्बर 1916 ई. के कांग्रेस के लखनऊ अधिवेशन में मिली थी कि सरकार नील की खेती करने के लिए कठोरता अपनाती है।

4. महात्मा गाँधी ने गुजरात में किन-किन अभियानों मं संलग्न रहे?

1. 1918 ई. में अहमदाबाद में श्रम विवाद में हस्तक्षेप कर कपड़े की मिलों में काम करने वालों के लिए काम करने की बेहतर स्थितियों की माँग की।

2. खेड़ा में फसल चौपट होने पर राज्य के किसानों का लगान माफ करने की मांग की।

5. 'रॉलेट एक्ट' पर टिप्पणी लिखो?

उत्तर- सर सिडनी रॉलेट ने एक अधिनियम पारित किया था जिसमें प्रेस पर प्रतिबंध लगा दिया तथा बिना जाँच के कारावास की अनुमति दे दी

6. जलियाँवाला बाग हत्याकाण्ड पर टिप्पणी लिखो?

उत्तर- रॉलेट एक्ट के विरोध में आन्दोलन हुआ जिसका सबसे अधिक प्रभाव पंजाब में पड़ा। पंजाब के राष्ट्रवादियों की गिरफ्तारी के विरोध में 13 अप्रैल 1919 ई. को अमृतसर के जलियाँवाला बाग में शांतिपूर्ण चल रही सभा पर जनरल डायर ने गोली चलाने के आदेश दे दिए।

7. खिलाफत आंदोलन क्या था? गाँधीजी ने इसका समर्थन क्यों किया था?

उत्तर- यह आन्दोलन मुहम्मद अली व शौकत अली के नेतृत्व में भारतीय मुसलमानों ने चलाया था इनकी माँगे थी कि पहले के ऑटोमन साम्राज्य के सभी इस्लामी पवित्र स्थानों पर तुर्की सुल्तान अथवा खलीफा का नियंत्रण बना रहे। खलीफा के पास इतना क्षेत्र हो वह इस्लामी विश्वास को सुरक्षित करने के योग्य बना सके।

गाँधीजी असहयोग के खिलाफत के साथ इसलिए मिलाना चाहते थे कि भारत के दो प्रमुख धार्मिक समुदाय- हिन्दू और मुसलमान मिलकर औपनिवेशिक शासन का अंत कर देंगे

8. असहयोग आन्दोलन के लिए अमरीकी लेखक लुई फिशर ने क्या विचार रखे?

उत्तर- असहयोग आन्दोलन गाँधीजी के जीवन के एक युग का ही नाम हो गया। यह शांति की दृष्टि से नकारात्मक किन्तु प्रभाव की दृष्टि से बहुत सकारात्मक था। इसके लिए प्रतिवाद, परित्याग और स्व-अनुशासन आवश्यक थे। यह स्वशासन के लिए एक प्रशिक्षण था

9. महात्मा गाँधी ने खुद को आम लोगों जैसा दिखाने के लिए क्या किया?

उत्तर- आम लोगों की तरह वस्त्र पहनते थे, उनकी ही तरह रहते थे और उनकी ही भाषा में बोलते थे। अन्य नेताओं की तरह वे सामान्य जनसमूह से अलग नहीं खड़े होते थे बल्कि वे उनसे समानुभूति रखते तथा उनसे घनिष्ठ संबंध भी स्थापित कर लेते थे

10. किसान महात्मा गाँधी को किस तरह देखते थे?

उत्तर- किसान मानते थे उन्हें राजा द्वारा किसानों के दुःख तकलीफों में सुधार के लिए भेजा गया है तथा उनके पास सभी अधिकारियों के निर्देशो को अस्वीकृत करने की शक्ति है। गाँधीजी की शक्ति अंग्रेज बादशाह से उत्कृष्ट मानते थे। उन्हें गाँधी बाबा, गाँधी महाराज, महात्मा केनाम से, उद्धारक, दमनात्मक अधिकारियां से सुरक्षा करने वाले और उनके जीवन में मान-मर्यादा और स्वायत्तता वापस लाने वाले के रूप में मानते थे

11. 1924 ई. में जेल से रिहा होने पर गाँधी जी ने किन कार्यों पर जोर दिया?

उत्तर- जेल से रिहा होने पर आयातित वस्त्रों पर खादी से बने कपड़े के उपयोग पर जोर, छूआ-छूत को समाप्त करना, बाल विवाह समाप्त करना तथा हिन्दू-मुसलमानों के बीच सौहार्द्र स्थापित करना।

12. साइमन कमीशन भारत में कब व क्यों आया तथा इसे अन्य किस नाम से जाना जाता है?

उत्तर- 1928 ई. में, उपनिवेश की स्थितियों की जाँच-पड़ताल के लिए इंग्लैण्ड से आया था। इसे श्वेत कमीशन व white man कमीशन के नाम से जाना जाता है। भारतीयां ने इसका विरोध इसलिए किया थी क्योंकि इसमें एक भी भारतीय सदस्य नहीं था

13. कांग्रेस का 1929 ई. का वार्षिक अधिवेशन कहा आयोजित हुआ, इसकी अध्यनता किसने की थी तथा इसमें कौनसे प्रस्ताव पारित किए गए?

उत्तर- 1929 ई. का अधिवेशन लाहौर में आयोजित हुआ।

अध्यक्षता-जवाहर लाल नेहरू ने की थी।

इसमें पूर्ण स्वराज्य अथवा पूर्ण स्वतंत्रता की उद्घोषणा की गई एवं 26 जनवरी, 1930 ई. से स्वतंत्रता दिवस मनाये जाने की घोषणा की गई

14. औपनिवेशिक भारत में मनाये जाने वाले स्वतन्त्रता दिवस पर क्या कार्यक्रम आयोजित किये जाते थे?

उत्तर- राष्ट्रीय ध्वज फहराकर समारोह की शुरूआत होगी शेष दिवस में रचनात्मक कार्य होगे जैसे सूत कताई, अछूतों की सेवा, हिन्दू मुस्लमानों का पुनर्मिलन एवं निषिद्ध कार्य करके मनाया जाएगा

शेखावाटी मिशन-100

15. 'गाँधी-इर्विन समझौते' की शर्तों का उल्लेख कीजिए?

1. सविनय अवज्ञा आंदोलन को वापस लेना।

2. सारे कैदियों की रिहाई

3. तटीय इलाकों में नमक उत्पादन की अनुमति

16. महात्मा गाँधी ने दलितों के लिए पृथक निर्वाचिका का विरोध क्यों किया था?

उत्तर- गाँधीजी का मानना था कि ऐसा करने पर दलितों का समाज की मुख्यधारा में एकीकरण नहीं हो पाएगा और वे सवर्ण हिन्दुओं से हमेशा के लिए अलग रह जाएँगे।

17. 1935 ई. के गवर्नमेन्ट ऑफ इण्डिया एक्ट में भारतीयों को क्या आवश्वासन मिला?

उत्तर- इसमें सीमित प्रतिनिधिक शासन व्यवस्था का आश्वासन व्यक्त किया जिसके तहत सीमित मताधिकार के आधार पर 1937 में हुए चुनावों में कांग्रेस ने 11 प्रांतों में से 8 में सरकार बनाई थी।

18. राष्ट्रीय आन्दोलन के अध्ययन के लिए अखबार महत्त्वपूर्ण स्रोत क्यों है?

उत्तर- (i) समाचार पत्रों में राष्ट्रीय आन्दोलन से संबंधित सभी घटनाओं का विवरण मिल जाती है।

(ii) राष्ट्रीय आंदोलन के नेताओं के विचारों की जानकारी मिल जाती है

(iii) ब्रिटिश सरकार के दृष्टिकोण का पता चलता है

19. चरखे को राष्ट्रवाद का प्रतीक क्यों चुना गया?

उत्तर- चरखे को राष्ट्रवाद का प्रतीक इसलिए चुना गया क्योंकि यह जन सामान्य से जुड़ा हुआ था। यह स्वदेशी व आर्थिक प्रगति का प्रतीक था। गाँधीजी प्रतिदिन स्वयं कुछ स्वयं चरखा चलाने में व्यतीत करते थे

निबंधात्मक

1. अहसयोग आन्दोलन एक तरह का प्रतिरोध कैसे था? उल्लेख कीजिए

उत्तर- (i) महात्मा गाँधी के नेतृत्व में चलाया गया यह आन्दोलन ब्रिटिश शासन की गलत नीतियों के विरुद्ध एक जनप्रतिरोध था।

(ii) ब्रिटिश सरकार द्वारा थोपे गए रॉलेट एक्ट कानून को वापस लेने के लिए पूरे भारत में आंदोलन हुआ जिसमें पूरे बाजार एवं स्कूल बंद रहे

(iii) कांग्रेस व गाँधीजी खिलाफत आंदोलन का समर्थन करके देश के दो समुदाय-हिन्दू एवं मुस्लमान को मिलाकर औपनिवेशिक शासन के प्रति जनता के सहयोग को अभिव्यक्त करने का माध्यम था।

(iv) इसमें सरकारी विद्यालय में शिक्षक एवं विद्यार्थियां ने जाना छोड़ दिया। वकीलों ने अदालते छोड़ दी एवं श्रमिक वर्ग ने हड़ताल द्वारा समर्थन किया। किसानों ने कर देने से मना कर सरकारी आदेशों की अवहेलना की

(v) असहयोग का प्रभाव देहात में भी पड़ा। जिसके अनेक उदाहरण देखने को मिलते है

(a) आंध्र की पहाड़ी जनजातियों ने वन्य कानूनों की अवहेलना की

(b) अवध के किसानों ने कर नहीं चुकाए

(c) कुमाऊँ के किसानों ने औपनिवेशिक अधिकारियों का सामान ढोने से मना कर दिया

(vi) किसानों, श्रमिकों एवं अन्य ने अपने मेल खाते तरीकों का इस्तेमाल कर अपने ढंग से इसकी व्याख्या करके औपनिवेशिक शासन के प्रति असहयोग का रास्ता अपनाया।

2. अहसयोग आन्दोलन के कारणों का मूल्यांकन कीजिए?

उत्तर- इस प्रश्न का उत्तर लघुत्तरात्मक प्रश्न सं. 5, 6, 7, का उत्तर देखें

3. नमक कानून स्वतंत्रता का महत्त्वपूर्ण मुद्दा क्यों बन गया था?

अथवा

महात्मा गाँधी की दाण्डी मार्च का विस्तृत उल्लेख कीजिए

उत्तर- गाँधीजी ने नमक जिसके उत्पादन एवं विक्रय पर राज्य को एकाधिकार दे दिया था जिसे घृणित कानून मानते हुए उसे तोड़ने का निश्चय किया। प्रत्येक घर में नमक का प्रयोग अपरिहार्य या लेकिन घरेलू प्रयोग के लिए भी नमक बनाने से रोका गया जिस कारण दुकानों से ऊँचे दाम पर नमक खरीदने के लिए बाध्य किया

शेखावाटी मिशन-100

इसके विरोध स्वरूप गाँधी ने इसे तोड़ने के लिए एक यात्रा का नेतृत्व करने का निर्णय लिया इसकी पूर्व सूचना लार्ड इरविन को दे दी थी। गाँधी जी 12 मार्च 1930 ई. को साबरमती आश्रम से दाण्डी के लिए यात्रा शुरू कर 6 अप्रैल 1930 ई. नमक उठाकर नमक कानून को तोड़ा। दाण्डी यात्रा के समय देश के अन्य भागों में भी समान्तर नमक यात्राएँ आयोजित की गई।

नमक यात्रा ने भारतीय स्वतंत्रता संघर्ष में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभायी जो निम्न है-

(i) किसानों ने औपनिवेशिक वन कानूनों का उल्लंघन किया जिसके कारण वे अपने जगलों में जा नहीं सकते थे।

(ii) फैक्ट्रीयों में मजदूरों ने हड़ताल की।

(iii) वकीलों ने ब्रिटिश अदालतों का बहिष्कार किया

(iv) विद्यार्थियां ने सरकारी संस्थानों में पढ़ने से इनकार कर दिया।

(v) नमक यात्रा में सभी जातियों व धर्मों के लोगों ने समान रूप से भाग लिया।

(vi) सर्वप्रथम महिलाएं सार्वजनिक रूप से आंदोलन में भाग लिया

4. नमक यात्रा के परिणाम स्वरूप अंग्रेजों के साथ संवादों की समीक्षा कीजिए?

अथवा

गोलमेज सम्मेलन में हुई वार्ता से कोई नतीजा क्यों नहीं निकल पाया?

उत्तर- दाण्डी यात्रा ने पूरे भारत में राष्ट्रीयता की लहर चला दी, पूरे भारत में सरकारी आदेशों की अवमानना होने लगी थी तो अंग्रेजों को अहसास हो गया कि यदि भारतीयों को सत्ता में भागीदारी नहीं दी तो हम ज्यादा समय तक भारत में शासन नहीं कर पायेंगे इसलिये भारतीय दलों के साथ लंदन में गोलमेज सम्मेलनों का आयोजन किया गया

1. प्रथम गोलमेज सम्मेलन:- यह नवम्बर 1930 ई. में आयोजित किया गया जिसमें देश के प्रमुख नेता सविनय अवज्ञा आंदोलन के कारण शामिल नहीं हुए इसलिए बैठक निरर्थक साबित हुई। इसलिए अंग्रेजों ने गाँधीजी को जनवरी 1931 ई. में जेल से रिहा कर वायसराय लॉर्ड इरविन से वार्ता के बाद कांग्रेस दूसरे सम्मेलन में भाग लेने को तैयार हुई

2. द्वितीय गोलमेज सम्मेलन:- यह सम्मेलन नवम्बर 1931 ई. में लंदन में आयोजित हुआ जिसमें कांग्रेस का नेतृत्व गाँधी कर रहे थे इस बैठक का भी कोई नतीजा नहीं निकला क्योंकि गाँधी ने सम्मेलन में कहा कि काँग्रेस पार्टी पूरे भारत का प्रतिनिधित्व करती है। गाँधीजी के इस दावे को निम्न ने चुनौती दी।

(a) मुस्लिम लीग:- मुस्लिम लीग ही मुस्लिम अल्पसंख्यकों के हित में काम करती है।

(b) राजे-रजवाड़े:- इन्होंने दावा किया कांग्रेस का उनके नियंत्रण वाले भू-भाग पर कोई अधिकार नहीं है

(c) बी.आर. अंबेडकर:- इन्होंने कहा कि गाँधी जी और कांग्रेस पार्टी निचली जातियों का प्रतिनिधित्व नहीं करते है।

इन सब विरोधों के बीच सम्मेलन में कोई नतीजा नहीं निकला गाँधी जी को खाली हाथ लौटना पड़ा। भारत लौटने पर उन्होंने सविनय अवज्ञा आंदोलन पुनः शुरू किया

3. तृतीय गोलमेज सम्मेलन:- तीसरा गोलमेज सम्मेलन 1932 ई. में आयोजित हुआ उसमें कांग्रेस ने भाग नहीं लिया। प्रधानमंत्री रैम्जे मैकडोनाल्ड ने सम्मेलन के बाद श्वेत पत्र जारी कर दलित वर्ग के लिए पृथक निर्वाचिका का प्रस्ताव स्वीकार कर लिया जिसे साम्प्रदायिक पंचाट के नाम से जाना जाता है

5. भारत छोड़ों आंदोलन का क्या महत्त्व है?

उत्तर- द्वितीय विश्व युद्ध शुरू होने पर कांग्रेस ने फैसला लिया कि युद्ध समाप्त होने के बाद भारत को स्वतंत्रता दे तो कांग्रेस युद्ध प्रयासों में सहायता देगी लेकिन सरकार ने यह बात नहीं मानी तो कांग्रेस के मंत्रीमण्डलों ने सामूहिक त्याग-पत्र दे दिया फिर वावेल योजना एवं क्रिप्स मिशन के असफल होने पर गाँधीजी ने ब्रिटिश शासन के खिलाफ तीसरा बड़ा आंदोलन छेड़ने का फैसला लिया जो अगस्त 1942 ई. में प्रारम्भ हुआ जिसे 'अंग्रेजों भारत छोड़ों' का नाम दिया।

इस आंदोलन में राष्ट्रीयता को नया आयाम दिया इसका बहुत महत्त्व था।

(i) कांग्रेस के प्रमुख नेताओं की गिरफ्तारी के बाद भी बिना किसी कार्यक्रम के देशभर के युवा कार्यकर्त्ता हड़तालों और तोड़फोड़ की कार्रवाइयों के जरिये आंदोलन चलाते रहे

(ii) कांग्रेस में जयप्रकाश नारायण जैसे समाजवादी सदस्यों ने भूमिगत होकर आंदोलन का नेतृत्व किया।

शेखावाटी मिशन-100

(iii) पश्चिम में सतारा और पूर्व में मेदिनीपुर जैसे कई जिलों में स्वतंत्र सरकार (प्रतिसरकार) की स्थापना की गई। जिसमें सतारा की प्रति सरकार 1946 ई. तक चललती रही।

(iv) लाखों आम हिन्दुस्तानी शामिल थे इसलिए इसे जनांदोलन माना जाता है

(v) युवाओं ने अपनी कॉलेज छोड़कर जेल का रास्ता चुना

6. निजी पत्रों और आत्मकथाओं से किसी व्यक्ति के बारे में क्या पता चलता है? ये स्रोत सरकारी ब्योरो से किस तरह भिन्न होते है?

उत्तर- व्यक्ति के लेखन एवं भाषणों के माध्यम से हमें व्यक्ति के सार्वजनिक एवं व्यक्तिगत विचारों का पता चलता है। व्यक्तिगत पत्रों में उनके निजी विचारों की झलक मिलती है। इन पत्रों में हमें लिखने वाले को अपना गुस्सा और पीड़ा असंतोष और बेचैनी, अपनी आशाएँ और हताशाएँ व्यक्त करते हुए देख सकते है।

- मनुष्य इनमें से बहुत सारी बातों को अपने सार्वजनिक वक्तव्यों में व्यक्त नहीं कर सकता। बहुत सारे पत्र व्यक्तियों को लिखे जाते है लेकिन वे कुछ हद तक जनता के लिए भी होते है। उन पत्रों की भाषा इस अहसास से भी तय होती है कि संभव है उन्हें एक दिन उन्हें प्रकाशित कर दिया जाएगा इसलिए निजी पत्रों में भी बहुत सारे लोग अपना मत स्वत्रतापूर्वक व्यक्त नहीं कर पाते।

आत्मकथाओं में हमें उस अतीत का पता चलता है जो मानवीय विवरणों के हिसाब से समृद्ध होती है। आत्म कथाएँ स्मृति के आधार पर लिखी जाती है। आत्मकथा लिखना अपनी तस्वीर को पढ़ने का तरीका होता है वह औरों की नजर में अपनी जिन्दगी को अलग तरह से दर्शाना चाहता है। पढ़ने वालों को वह देखने का प्रयास करना चाहिए जो हमें लेखक क्या नहीं दिखना चाहता है, उनकी चुप्पियों का कारण समझना चाहिए

ये स्रोत सरकारी ब्योरों से पूर्णत: भिन्न होते है क्योंकि सरकारी ब्योारों में नीचे का अधिकारी अपने अधिकारियों को जताने का प्रयास करता है कि सब कुछ सही चल रहा है। राजद्रोह व विद्रोह की संभावना मानते हुए भी वे खुद को इस बात का आश्वासन देना चाहते है कि इन आशंकाओं का कोई आधार नहीं है

7. महात्मा गाँधी ने राष्ट्रीय आंदोलन के स्वरूप को किस तरह बदल डाला?

उत्तर- (i) गाँधीजी ने 1915 ई. में भारत में आने पर पूरे भारत का दौरा शुरू किया फिर स्थानीय आंदोलनों चम्पारण, अहमदाबाद एवं खेड़ा में सत्याग्रह का सफल परीक्षण किया।

(ii) देश की बहुसंख्यक कृषक व मजदूर जनता को राष्ट्रीय आंदोलन में जोड़ा

(iii) भारत के विभिन्न भागों में कांग्रेस की शाखाएँ खोली जिससे कांग्रेस का जनाधार बढ़ा

(iv) असहयोग आंदोलन, नमक सत्याग्रह भारत छोड़ो आन्दोलन से राष्ट्रीयता की भावना जागृत दी जिसमें जनता के सभी वर्गों से भाग लिया

(v) महिलाओं को राष्ट्रीय आंदोलन में शामिल कर समानता का अधिकार प्रदान किया

(vi) छुआ-छूत विरोधी संघर्ष, हिन्दू मुस्लिम एकता व सामाजिक बुराइयों को दूर करने का कार्य किया।

8. 1919 ई. तक महात्मा गाँधी ऐसे राष्ट्रवादी के रूप में उभर चुके थे जिनमें गरीबों के लिए गहरी सहानुभूति थी? उदाहरण सहित कथन को सिद्ध कीजिए।

उत्तर- इस प्रश्न के उत्तर के लिए लघुत्तरात्मक प्रश्नों के प्रश्न सं. 2, 9 एवं 10 के उत्तर देखें।

9. भारत के मानचित्र में निम्न स्थलों को दर्शाइए?

उत्तर- (i) दिल्ली (ii) कलकत्ता (iii) बम्बई (iv) मद्रास (v) बनारस (vi) लखनऊ (vii) चम्पारण (viii) दाण्डी (ix) अमृतसर (x) साबरमती (xi) सतारा

शेखावाटी मिशन-100

मॉडल प्रश्न पत्र उच्च माध्यमिक परीक्षा 2022

विषय-इतिहास

कक्षा-12

समय 2 घण्टे 45 मिनट **पूर्णांक-80**

खण्ड अ

(प्रत्येक प्रश्न का अंकभार 1)

प्रश्न 1. सही उत्तर का चयन करें –

(1) भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण विभाग के प्रथम महानिदेशक थे –

(अ) दयाराम साहनी (ब) आर.डी. बनर्जी (स) व्हीलर (द) कनिंघम (द)

(2) मिट्टी के हल का प्रतिरूप प्राप्त हुआ है–

(अ) कालीबंगा (ब) बनावली (स) लोथल (द) धौलावीरा (ब)

(3) सर्वाधिक शक्तिशाली महाजनपद था –

(अ) मगध (ब) चम्पा (स) काशी (द) अंग (अ)

(4) सर्वप्रथम सोने के सिक्कों का प्रचलन किस राजवंश के शासकों ने करवाया –

(अ) गुप्त (ब) मौर्य (स) कुषाण (द) सातवाहन (स)

(5) मातृसत्तात्मक सामाजिक प्रणाली किस राजवंश के शासन की विशेषता है–

(अ) गुप्त (ब) मौर्य (स) कुषाण (द) सातवाहन (द)

(6) किस सातवाहन शासक ने स्वयं को अनुठा ब्राह्मण और क्षत्रियों के दर्प का हनन करने वाला बताया –

(अ) सिमुक (ब) गौतमीपुत्र शातकर्णी (स) वशिष्टिपुत्र पुलमावी (द) बिन्दुसार (ब)

(7) किस विदेशी यात्री को मुहम्मद तुगलक ने दिल्ली का काजी नियुक्त किया –

(अ) अलबरूनी (ब) मार्को पोलो (स) इब्नबतुता (द) बर्नियर (स)

(8) विजयनगर साम्राज्य की स्थापना कब हुई –

(अ) 1236 (ब) 1336 (स) 1765 (द) 1256 (ब)

(9) अखिल भारतीय जनगणना का प्रथम प्रयास कब किया गया –

(अ) 1830 (ब) 1872 (स) 1892 (द) 1905 (ब)

(10) महात्मा गांधी के राजनैतिक परामर्शदाता कौन थे –

(अ) मोतीलाल नेहरू (ब) राजेन्द्र प्रसाद (स) गोपालकृष्ण गोखले (द) भगत सिंह (स)

(11) 'पुराने पत्रों का पुलिंदा' का संकलन किसने किया –

(अ) जवाहरलाल नेहरू (ब) राजेन्द्र प्रसाद (स) महात्मा गांधी (द) भगत सिंह (अ)

(12) बम्बई प्रान्त में कौनसी राजस्व व्यवस्था लागू की गई –

(अ) स्थायी बंदोबस्त (ब) इस्तमरारी बंदोबस्त (स) अ व ब दोनों (द) रैयतवाड़ी बंदोबस्त (द)

प्रश्न 2. रिक्त स्थान की पूर्ति कीजिए –

(1) बर्नियर की पुस्तक का नाम..............................है।

उत्तर –ट्रेवल्स इन द मुगल एम्पायर।

(2) ....मुसलमान समुदाय को निर्देशित करने वाला कानून है।

उत्तर –शरिया।

(3) 1793 में बंगाल प्रान्त में ....बंदोबस्त लागू किया गया।

उत्तर– स्थायी/इस्तमरारी बंदोबस्त।

शेखावाटी मिशन-100

(4) रैयत शब्द का प्रयोग..............................के लिए किया गया है।

उत्तर– किसानों।

(5) ....मद्रास में स्थित ब्रिटिश दुर्ग था।

उत्तर– फोर्ट सेंट जॉर्ज।

(6) ....प्रान्त को बंगाल आर्मी की पौधशाला कहा जाता था।

उत्तर– अवध ।

प्रश्न 3. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर एक शब्द या एक पंक्ति में दीजिए –

(1) सिन्धु सभ्यता के किस पुरास्थल से सिंचाई नहरों के अवशेष प्राप्त होते हैं ?

उत्तर– शोर्तुघई (अफगानिस्तान)।

(2) महाभारत के समालोचनात्मक संस्करण तैयार करने की कब और किसके नेतृत्व में शुरूआत हुई ?

उत्तर– 1919 , बी. एस. सुकथांकर।

(3) सुदर्शन झील का जीर्णोद्धार किस शक शासक ने करवाया ?

उत्तर– शक शासक रूद्रदामन।

(4) बर्नियर द्वारा मुगलकालीन शहरों को क्या नाम दिया गया है ?

उत्तर– शिविर नगर ।

(5) कौनसा विदेशी यात्री मुगल सम्राट शाहजहां के ज्येष्ठ पुत्र दारा शिकोह का चिकित्सक था ?

उत्तर– फ्रास्वां बर्नियर।

(6) चोल शासकों द्वारा निर्मित एक मंदिर का नाम बताइए।

उत्तर– गंगेकौण्डचोलपुरम् ।

(7) कर्नाटक की वीर शैव परम्परा के प्रर्वतक कौन थे ?

उत्तर– बासवन्ना।

(8) उत्तर प्रदेश के बड़ौत परगना के ग्रामीणों को संगठित कर विद्रोहियों को नेतृत्व किसने प्रदान किया ?

उत्तर– शाहमल।

(9) ईस्ट इण्डिया कंपनी को बम्बई कब और कैसे प्राप्त हुआ ?

उत्तर – ब्रिटेन को बंबई पुर्तगाल से दहेज में मिला जिसे राजपरिवार ने 1661 ई. में ब्रिटिश ईस्ट इंडिया कंपनी को किराये पर दे दिया।

(10) सूर्यास्त कानून क्या था ?

उत्तर – स्थायी बंदोबस्त के अन्तर्गत निश्चित तारीख को सूर्य अस्त होने तक भुगतान नहीं आने पर जमींदारी को नीलाम किये जाने का प्रावधान को सूर्यास्त कानून के नाम से जाना जाता है।

(11) कुदाल और हल किन लोगों के जीवन का प्रतीक माना जाता है ?

उत्तर– कुदाल – पहाड़िया जनजाति व हल – संथाल जनजाति।

(12) सहायक संधि का जनक किस गवर्नर जनरल को माना जाता है ?

उत्तर– लार्ड वेलेजली ।

खण्ड ब

(प्रत्येक प्रश्न का अंकभार 2)

प्रश्न 4. सिन्धु सभ्यता के नगर नियोजन को समझाइए।

उत्तर– नगर नियोजन सिन्धु सभ्यता की सबसे प्रमुख विशेषता है। समकोण सड़कें, सुनियोजित जल निकासी व्यवस्था, सुनियोजित बसावट और सामुदायिक नगरीय प्रणाली सिन्धु सभ्यताकालीन नगरों की अनुठी विशेषताएं हैं।

शेखावाटी मिशन–100

प्रश्न 5. मौर्यकालीन इतिहास के बारे में जानकारी प्रदान करने वाले दो साहित्यिक स्त्रोतों के नाम बताइए।

उत्तर– 1. कौटिल्यकृत अर्थशास्त्र

2. मेगस्थनीज की इण्डिका।

प्रश्न 6. गौत्र प्रणाली के किन्हीं दो नियमों का उल्लेख कीजिए।

उत्तर– 1. एक ही गौत्र के सदस्य आपस में वैवाहिक संबंध नहीं रख सकते थे।

2. स्त्रियों के गौत्र संबंधी मामलों में विवाह के पश्चात पिता के स्थान पर पति के गौत्र को ही मान्यता प्राप्त होती थी।

प्रश्न 7. उलुक व दावा क्या है ?

उत्तर– इब्नबतुता ने अपने ग्रन्थ रेहाला में भारतीय डाक व्यवस्था का विस्तृत वर्णन किया है। अश्व डाक व्यवस्था को उलुक और पैदल डाक व्यवस्था को दावा कहा गया है।

प्रश्न 8. किताबुल हिन्द पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए।

उत्तर – किताबुल हिन्द अलबरूनी द्वारा अरबी भाषा में लिखा गया प्रसिद्ध ग्रन्थ है जो समकालीन भारतीय समाज, धर्म, भूगोल, खगोल विज्ञान व राजनैतिक व्यवस्था के बारे में महत्वपूर्ण जानकारी प्रदान करता है।

प्रश्न 9. कबीर की बानी कौनसी विशिष्ट परम्पराओं में संकलित है ?

उत्तर– कबीर की बानी तीन विशिष्ट परम्पराओं में संकलित है –

(1) कबीर बीजक कबीरपंथियों द्वारा वाराणसी तथा उत्तर प्रदेश के अन्य स्थानों पर संरक्षित है

(2) कबीर ग्रन्थावली का संबंध राजस्थान के दादूपंथियों से है

(3) कबीर के कई पद आदि ग्रन्थ साहिब में संकलित हैं।

प्रश्न 10. विजयनगर शासकों के लिए मंदिरों और सम्प्रदायों को प्रश्रय देना क्यों महत्वपूर्ण था ?

उत्तर – विजयनगर शासकों के लिए मंदिर और सम्प्रदाय अपनी सता, सम्पति और निष्ठा के लिए समर्थन एवं मान्यता के महत्वपूर्ण माध्यम थे। अतः उन्हें प्रश्रय देना उनके लिए महत्वपूर्ण था।

प्रश्न 11. विजयनगर साम्राज्य के राजकीय केन्द्र में महानवमी डिब्बा से जुड़े अनुष्ठानों का विश्लेषण कीजिए।

उत्तर – विजयनगर साम्राज्य में महानवमी डिब्बा शहर में स्थित एक विशाल मंच था। यहां विजयनगर साम्राज्य के शासक नवरात्रि और महानवमी के अवसर पर अपनी शक्ति और प्रतिष्ठा का प्रदर्शन करते थे। राजा की शोभायात्रा इस कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण होती थी। इस अवसर पर नायक एवं अधीनस्थ शासक राजा के लिए निश्चित कर व उपहार भेंट करते थे।

प्रश्न 12. दामिन ए कोह के आरे में आप क्या जानते हैं ?

उत्तर – सन् 1832 में अंग्रेजो ने राजमहल के पहाड़ी क्षेत्र में जमीन के एक बहुत बड़े क्षेत्र को संथालों के लिए सीमाकिंत कर दिया, जिसे संथालों की भूमि घोषित किया। इस क्षेत्र में संथालों को स्थायी कृषि करनी थी।

प्रश्न 13. ''यह गिलास फल एक दिन हमारे ही मुँह में आकर गिरेगा '' उक्त कथन कब, किसने और किसके बारे में कहा था ?

उत्तर – .'' यह गिलास फल एक दिन हमारे ही मुँह में आकर गिरेगा '' उक्त कथन 1851 ई. में गवर्नर जनरल लार्ड डलहौजी ने अवध रियासत के बारे में कहा।

प्रश्न 14. 1857 की क्रांति के प्रमुख केन्द्र और नेताओं के नाम बताइए।

उत्तर – 1857 की क्रान्ति के दौरान दिल्ली में मुगल सम्राट बहादुरशाह जफर, कानपुर में नाना साहब, अवध में बेगम हजरत महल, झांसी में रानी लक्ष्मीबाई तथा बिहार क्षेत्र में जमींदार कुंवर सिंह ने क्रांतिकारियों का नेतृत्व किया।

प्रश्न 15. बम्बई में गेट वे ऑफ इण्डिया कब और किसके स्वागत में बनवाया गया ?

उत्तर – बम्बई में गेट वे ऑफ इण्डिया ब्रिटेन के राजा जॉर्ज पंचम और उनकी पत्नी के स्वागत के लिए बनवाया गया। इस का निर्माण 1911 ई. में हुआ।

शेखावाटी मिशन–100

प्रश्न 16. गांधी –इरविन पैक्ट पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए।

उत्तर – 5 मार्च 1931 को महात्मा गांधी और वाइसराय लार्ड इरविन के मध्य दिल्ली समझौता/ गांधी –इरविन पैक्ट हुआ। इस समझौते के अनुसार अहिंसक गतिविधियों में जेल में बंद नेताओं को रिहा करने व सविनय अवज्ञा आंदोलन स्थगित करने का निर्णय लिया गया।

खण्ड स

(प्रत्येक प्रश्न का अंकभार 3)

प्रश्न 17. सिन्धु घाटी सभ्यता के व्यापार वाणिज्य पर संक्षिप्त लेख लिखिए।

अथवा

सिन्धु सभ्यता की लिपि पर पर संक्षिप्त लेख लिखिए।

उत्तर– संबंधित पाठ के दीर्घ उत्तरीय प्रश्न क्रमांक 3 व लघुत्तरात्मक प्रश्न 5 का अध्ययन करें।

प्रश्न 18. अशोक के धम्म व उसकी जनकल्याणकारी अवधारणा को समझाइए।

अथवा

समुद्रगुप्त का मूल्याकंन कीजिए।

उत्तर– संबंधित पाठ के दीर्घ उत्तरीय प्रश्न क्रमांक 5 व 3।

प्रश्न 19. विजयनगर साम्राज्य के प्रशासन में अमर नायक प्रणाली का महत्व स्पष्ट कीजिए।

अथवा

विजयनगर के शासकों द्वारा जल प्रबन्धन हेतु किये गये विशेष प्रयासों पर लेख लिखिए।

उत्तर– संबंधित पाठ के दीर्घ उत्तरीय प्रश्न क्रमांक 1 व 3 का अध्ययन करें।

प्रश्न 20. कलकता नगर नियोजन में लॉटरी कमेटी के कार्यों की वर्तमान संदर्भ में प्रासांगिकता स्पष्ट कीजिए।

अथवा

औपनिवेशिक काल में प्रचलित विभिन्न स्थापत्य शैलियों की प्रमुख विशेषताएं बताइए।

उत्तर– संबंधित पाठ के दीर्घ उत्तरीय प्रश्न क्रमांक 11 व 12 का अध्ययन करें।

खण्ड द

(प्रत्येक प्रश्न का अंकभार 4)

प्रश्न 21. भारतीय उपमहाद्वीप में चिश्ती सिलसिले के प्रसार पर संक्षिप्त विवरण प्रस्तुत करते हुए प्रमुख उपदेशकों व मुख्य केन्द्रों के नाम बताइए।

अथवा

भक्ति आंदोलन के प्रारंभिक संतो के वर्ण व्यवस्था संबंधी विचार एवं उनके राज्य के साथ संबंधों पर प्रकाश डालिए।

उत्तर– संबंधित पाठ के लघुत्तरात्मक प्रश्न 11, 12, 13, 14 का अध्ययन करें।

प्रश्न 22. महात्मा गांधी के नमक सत्याग्रह/सविनय अवज्ञा आंदोलन का विस्तृत वर्णन कीजिए।

अथवा

भारत छोड़ो आंदोलन के राष्ट्रीय आंदोलन में महत्व पर निबंध लिखिए।

उत्तर– संबंधित पाठ के दीर्घ उत्तरीय प्रश्न क्रमांक 3 व 5 का अध्ययन करें।

प्रश्न 23. मानचित्र कार्य –

भारत के मानचित्र में निम्नलिखित स्थान अंकित कीजिए –

(1) अजमेर (2) हम्पी (3) मेरठ (4) पाटलीपुत्र

अथवा

(1) प्रयाग (2) धौलावीरा (3) गिरनार (4) साबरमती

शेखावाटी मिशन-100

AAYAAM
CAREER ACADEMY
A NEW DIMENSION OF 'SUCCESS'
NEET | XI & XII FOUNDATION

पंखो को खोल
ज़माना सिर्फ
उड़ान
देखता है

Admission Open
Session 2022-23

NEET
XI & XII
FOUNDATION

Result: NEET 2020

131+ विद्यार्थियों का सरकारी मेडिकल कॉलेज में चयन !

AIR
67

JITENDRA KUMAWAT
S/o SURENDRA KUMAR
PALSANA

MAULANA AZAD GOVT. MEDICAL COLLEGE, DELHI

AIR
197

MANOJ KUMAR
S/o BABU LAL VERMA
PALSANA

AIIMS JDHPUR

Result: NEET 2021

उत्कृष्ट परिणाम के लिए
आयाम
ही सर्वोपरी संस्थान

एक बार फिर आयाम ने
साबित की अपनी श्रेष्ठता....

AIR
190
(OBC)

SAKSHAM YADAV
S/O RAJENDRA YADAV
Neem Ka Thana

Result: NEET 2021
सीकर में अनुपात की दृष्टि से सबसे ज्यादा सलेक्शन देने वाला संस्थान!
100+ विद्यार्थियों का सरकारी मेडिकल कॉलेज में चयन संभावित !
AIR 215
RAGHUVEER YADAV
S/o SITA RAM YADAV
Chhapoli, Udaipurwati
AIR 435
RAJESH
S/o CHHOTU RAM
Tibbi, Hanumangarh
AIR 470
NISHANT BAGARIA
S/o SAGAR BAGARIA
Malikpur, Khandela
AIR 665
MANISH YADAV
S/o Sh. ARJUN LAL YADAV
Amber, Jaipur
AIR 689
POOJA KUMARI
D/o Sh. SHANKAR LAL
Lisadiya, Shrimadhopur
AIR 789
ARJUN YADAV
S/o Sh. GOPAL LAL YADAV
Nathi Ka Bas, Renwal
AIR 828
HIMANSHU KUMARI
D/o Sh. RAMESH KUMAR
Singrawat Khurd, Didwana
AIR 902
GAYATRI SIDDH
D/o Sh. SAWANT RAM
Napasar, Bikaner
AIR 940
NEETU
D/o Sh. BHOLA RAM
Mathandi, Shrimadhopur
AIR 1477
YASHWANT VERMA
S/o Sh. GANPAT LAL
Kadiya Seema, Rajsamand
AIR 1585
DEVENDRA KUMAR
S/o Sh. RAMAWATAR
Jalpali, Shrimadhopur
AIR 1619
RAVI SAINI
S/o Sh. CHIRANJI LAL SAINI
Thanagazi, Alwar
AIR 1621
ABHAY SINGH
S/o Sh. SAGAR SINGH
Kotri Dhayalan, Reengus
AIR 1841
DEVISHI SHARMA
D/o Sh. JAIPRAKASH SHARMA
Karad, Dantaramgarh
AIR 1977
RAHUL SHARMA
S/o Sh. OMPRAKASH
Amber, Jaipur
AIR 2062
BABU LAL NAYAK
S/o Sh. TAKA RAM
Pogal, Bikaner
AIR 2144
RAHUL SHARMA
S/o Sh. NANU RAM SHARMA
Jorpura, Renwal
AIR 2330
SURENDER MOOND
S/o Sh. NARSA RAM
Ranisar, Bikaner
AIR 2338
RISHI YADAV
S/o Sh. SHIVPAL YADAV
Gopalpura, Ajitgarh
AIR 2505
POOJA SHARMA
D/o SH. PAWAN KUMAR
Sari, Chirawa
AIR 2905
ARBAZ KHAN
S/o SAMSHER KHAN
Manglona, Laxmangarh
AIR 3104
OM PRAKASH
S/o Sh. SANWALA RAM
Bhedana, Barmer
AIR 3240
RAHUL KUMAWAT
S/o Sh. BABU LAL KUMAWAT
Alisar, Badi Dhani, Chomu
AIR 3355
ARYAN JANGIR
S/o Sh. SANJAY JANGIR
Udaipurwati, Jhunjhunu
AIR 3381
SAROJ GEELA
D/o Sh. JALU RAM GEELA
Geelon Ki Dhani, Lamiya
AIR 3626
AJAY KUMAR KURI
S/o Sh. GOPAL SINGH
Panawal Dhani, Kasarda
AIR 4228
ROSHAN KUMAR
S/o Sh. MANOHAR LAL
Jharli, Thoi
AIR 4285
SANGHARSH KUMAR
S/o Sh. MURARI LAL SAMOTA
Patwari ka Bas, Shrimadhopur
AIR 4551
RAHUL KUMAR
S/o Sh. SITA RAM YADAV
Mohanpura, Kishangarh Renwal
AIR 4656
AKASH SERAWAT
S/o Sh. PHOOL CHAND
Kinadi, Fathnda, Chomu
AIR 4689
ANITA YADAV
D/o Sh. BALU RAM YADAV
Munduru, Shrimadhopur
AIR 4943
VEENA DORATA
D/o Sh. MAHIPAL DORATA
Dumoli Khurd, Khetri
4951
RAMESH CHOUDHARY
S/o Sh. BAJRANG LAL
Lunkaransar
5116
ANIL KUMAR SAINI
S/o Sh. SHIMBHU DAYAL
Shyampura Bansur, Alwar
5467
ASHISH KUMAWAT
S/o Sh. KRISHNA GOPAL
Palsana
5658
SANTOSH YADAV
S/o Sh. RAMAWATAR YADAV
Sherpura, Khori, Shahpura
5730
ROSHAN YADAV
S/o Sh. BANSHIDHAR YADAV
Etawa-Bhopji, Chomu
5945
ANIL CHOUDHARY
S/o Sh. SITARAM
Bilanderpur, Shahpura

हर बार..लगातार...

Highest Selection Ratio

SUCCESS

Session 19-20	131 Selection
Session 18-19	129 Selection
Session 17-18	108 Selection

AAYAAM
CAREER ACADEMY
A NEW DIMENSION OF 'SUCCESS'
NEET | XI & XII FOUNDATION

01572-244555, 7300335555 PIPRALI ROAD, SIKAR

E-mail: info@aayaamacademy.com Website: www.aayaamacademy.com

FOLLOW US ON SOCIAL MEDIA

You Tube